आज का मौसम

18.0⁰ अधिकतम तापमान

7.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 07.07 सूर्यास्त 05.31

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| हल्द्वानी |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

माघ कृष्णा पक्ष षष्ठी 07:05 उपरांत सप्तमी विक्रम संवत 2082

शुक्रवार, 9 जनवरी 2026, वर्ष 5, अंक 320, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

बर्फ से ढकी हिमालय की चोटियां

हिमाचल प्रदेश के ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी शुरू हो गई है। शिमला में गुरुवार को बर्फ से ढके पहाड़।

जम्मू-कश्मीर व लद्दाख में जमी जिंदगी, समूचा उत्तर भारत कांपा

नई दिल्ली, एजेंसी

कश्मीर में सोनमर्ग का तापमान - 9.8 सेल्सियस पहुंचा, उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में बढ़ेगी ठिठुरन

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख समेत पूरा उत्तर भारत कड़ाके की ठंड की चपेट में है। सोनमर्ग में सबसे कम तापमान - 9.8सेल्सियस दर्ज किया गया। इसके बाद गुलमर्ग में -9.2 सेल्सियस और पहलगाम में -8.6सेल्सिसय रहा।

वहीं, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड व दिल्ली समेत अन्य राज्यों में हाड़ कंपा देनी वाली ठड़ ने ठिठुरने पर मजबूर कर दिया। मौसम विभाग ने और ठंड बढ़ने की संभावना जताई है। साथ ही, कड़ी चेतावनी जारी की है। उत्तर प्रदेश के 40 से अधिक जिलों में ठिठुरन बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने गुरुवार को यूपी के नोएडा, गाजियाबाद, लखनऊ, आगरा, मुरादाबाद, अयोध्या समेत कई जिलों में 'कोल्ड डे' और घने कोहरे का येलो अलर्ट जारी किया है। करीब 25 जिलों में शीतलहर का असर जारी रहने की संभावना है। बर्फीली हवाओं और घने कोहरे के कारण विजिबिलिटी कम है। इससे सड़कों पर वाहनों की रफ्तार थम गई व रेल, हवाई यातायात व आम जनजीवन प्रभावित हुआ। मौसम विभाग के अनुसार शुक्रवार से पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने पर कोहरे में कुछ कमी आ सकती है, हालांकि ठंड से तत्काल राहत के अभी आसार नहीं हैं। उत्तराखंड में नैनीताल जिले के मैदानी क्षेत्रों में गुरुवार को सर्दी का अब तक का सबसे घना कोहरा देखने को मिला। हल्द्वानी, कालाढुंगी, रामनगर, बैलपड़ाव, पिरूमदारा, प्रतापपुर सहित आसपास के इलाकों में सुबह से ही कोहरे की घनी चादर छाई रही।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार गुरुवार को राष्ट्रीय राजधानी के मौसम स्टेशनों पर न्यूनतम तापमान 4.8 डिग्री सेल्सियस से 6.0 डिग्री सेल्सियस के बीच रहने से लोगों को ज़्यादा ठंड महसूस हुई।

प्रयागराज में गुरुवार को लोग ठंड से बचने का प्रयास करते लोग।

ब्रीफ न्यूज

मणिपुर सामूहिक दुष्कर्म : छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय

गुवाहाटी। सीबीआई की विशेष अदालत ने मणिपुर में जातीय संघर्ष के दौरान मई 2023 में तीन महिलाओं को निर्वस्त्र किए जाने और उनमें से दो के साथ कथित तौर पर सामूहिक दुष्कर्म किए जाने के मामले में छह आरोपियों के खिलाफ आरोप तय किए हैं। इन छह आरोपियों पर सामूहिक दुष्कर्म, हत्या और दंगा सहित 15 आरोप लगाए गए हैं। विशेष न्यायाधीश चत्रा भुकन गोगोई की अदालत ने मामले की अगली सुनवाई की तारीख 16 जनवरी तय की है, और मणिपुर की जेल में बंद चार लोगों सहित सभी आरोपियों को व्यक्तिगत रूप से इस तारीख को अदालत के समक्ष पेश होना होगा। अन्य दो आरोपी जमानत पर जेल से बाहर हैं।

घायलों के कैशलेस उपचार वाली योजना की शुरुआत करेंगे मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जल्द ही देशभर में सड़क दुर्घटना पीड़ितों के लिए नकद-रहित उपचार योजना की औपचारिक शुरुआत करेंगे। गडकरी ने यहां राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक की अध्यक्षता करने के बाद कहा, यह योजना सड़क दुर्घटनाओं में समय पर चिकित्सा सहायता न मिलने से होने वाली मौतों को कम करने के उद्देश्य से लाई जा रही है। इस बैठक में सड़क सुरक्षा, यात्रियों की सुविधा, व्यापार सुगमता और वाहन नियमन जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर भी चर्चा की गई।

टीएमसी के आईटी सेल हेड के ऑफिस-घर पर छापा, ईडी के सामने ही दस्तावेज ले गईं ममता

कोयला घोटाला व धनशोधन मामले में आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के प्रतिष्ठानों पर पहुंची ईडी

- कोलकाता में जांच एजेंसी और राज्य सरकार के बीच हाईवोल्टेज ड्रामा

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी

ईडी ने गुरुवार को कोलकाता में करोड़ों रुपये के कोयले के अवैध खनन व तस्करी मामले में राजनीतिक परामर्श फर्म आई-पैक के कार्यालय और इसके निदेशक प्रतीक जैन के घर पर धनशोधन की जांच के तहत तलाशी ली। केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की मौजूदगी में संघीय जांच एजेंसी द्वारा सुबह सात बजे से लगभग 10 परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। इनमें साल्ट लेक स्थित आई-पैक का कार्यालय व लाउडन स्ट्रीट स्थित जैन का घर भी शामिल है। इन 10 परिसरों में चार दिल्ली में हैं। आईआईटी मुंबई के पूर्व छात्र जैन 'इंडियन पॉलिटिकल एक्शन कमेटी' (आई-पैक) के सह-संस्थापक और निदेशक हैं।

पश्चिम बंगाल में कोयला घोटाले से जुड़े कुछ हवाला लेनदेन और नकद लेनदेन के संबंध में उनके खिलाफ विशिष्ट साक्ष्य हैं। वह पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के आईटी प्रकोष्ठ के प्रमुख भी हैं। ईडी का मामला सीबीआई द्वारा नवंबर 2020 में दर्ज की गई प्राथमिकी से उपजा है, जिसमें बंगाल के आसनसोल और उसके आसपास के कुनुस्तोरिया और काजोरा क्षेत्रों में ईस्टर्न कोलफील्ड्स की खदानों से संबंधित कई करोड़ रुपये के कोयले की चोरी का आरोप लगाया गया था। स्थानीय कोयला व्यापारी अनूप मांझी उर्फ लाला इस मामले में मुख्य संदिग्ध है। ईडी ने इससे पहले तृणमूल कांग्रेस सांसद अभिषेक बनर्जी (38) से पूछताछ की थी, जो मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे हैं। ईडी ने दावा किया कि अवैध कोयला व्यापार से प्राप्त धन के वह लाभार्थी हैं। ममता बनर्जी ने ईडी की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की और आधिकारिक काफिले के साथ जैन के आवास पर पहुंचकर छापेमारी को राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक बताया। ईडी ने कहा कि यह कार्रवाई कोयला घोटाला मामले और उससे जुड़े अपराध से अर्जित आय के आधार पर की गई है और इसमें कोई राजनीतिक पहलू नहीं है।

ईडी की कार्रवाई को लेकर मीडिया से बात करतीं मुख्यमंत्री ममता बनर्जी।

जैन के परिवार ने चोरी की शिकायत दर्ज कराई

कोलकाता। आई-पैक के प्रमुख प्रतीक जैन के परिवार ने ईडी के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि घर पर छापेमारी के दौरान महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी हो गए। जैन की पत्नी ईडी द्वारा चोरी का आरोप लगाते हुए शिकायत दर्ज कराई।

छापेमारी बाधित करने पर हाईकोर्ट पहुंची ईडी

कोलकाता। ईडी ने छापेमारी की कार्रवाई को बाधित करने के खिलाफ कलकत्ता हाईकोर्ट का रुख किया है। कहा कि छापेमारी के बीच मुख्यमंत्री ममता नाटकीय ढंग से मौके पर पहुंच गई थीं। मुख्यमंत्री, जैन के आवास में दाखिल हो गईं और महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं।

ईडी का आरोप- मुख्यमंत्री जबरन इमारत में दाखिल हुईं और जैन के घर से सबूत अपने साथ ले गईं

नई दिल्ली। ईडी ने आरोप लगाया कि जैन के कोलकाता स्थित आवास में उसकी छापेमारी के दौरान मुख्यमंत्री जबरन इमारत में दाखिल हो गईं और दस्तावेजों और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों सहित महत्वपूर्ण सबूत अपने साथ ले गईं। संघीय जांच एजेंसी ने आरोप लगाया कि ममता बनर्जी साल्ट लेक स्थित आई-पैक कार्यालय भी पहुंच गईं और उन्होंने, उनके सहयोगियों और राज्य पुलिस ने जबरन मौके से दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य हटा दिए।

ममता का आरोप- टीएमसी के आंतरिक दस्तावेजों को जब्त करने का किया गया प्रयास

कोलकाता। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी गुरुवार को ईडी की छापेमारी के बीच आई-पैक प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर पहुंचीं और आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी तृणमूल कांग्रेस के आंतरिक दस्तावेजों, हार्ड डिस्क और उसकी चुनाव रणनीति से जुड़े संवेदनशील डाटा को जब्त करने का प्रयास कर रही थी। बनर्जी ने कहा छापेमारी राजनीतिक रूप से प्रेरित और असंवैधानिक है। बनर्जी कोलकाता पुलिस आयुक्त मनोज वर्मा के जैन के आवास पहुंचने के कुछ ही मिनट बाद दोपहर के आसपास वहां पहुंचीं। वह लगभग 20-25 मिनट तक वहां रहीं और फिर हाथ में हरे रंग का एक 'फोल्डर' लेकर बाहर निकलीं। मुख्यमंत्री ने पूछा, क्या राजनीतिक दलों के आंकड़े एकत्र करना ईडी का काम है? उन्होंने गृह मंत्री अमित शाह पर विपक्षी दलों को डराने-धमकाने के लिए संवैधानिक एजेंसियों का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया।

इंसानी डर पहचानने पर ही हमला करते हैं कुत्ते

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने कहा, हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि उसने सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है और उसका निर्देश पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के तहत इन आवारा कुत्तों से निपटने से संबंधित था। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए न्यायालय ने कहा कि कुत्ते उन लोगों को सूंघ सकते हैं जो या तो उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा हो और वे ऐसे लोगों पर हमला कर देते हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की विशेष पीठ कुत्ता प्रेमियों की ओर से दायर उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी, जिनमें न्यायालय के पूर्व आदेशों में संशोधन और निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा कि हमने सड़कों से सभी कुत्तों को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। निर्देश यह है कि उनसे नियमों के तहत निपटा जाय। पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं सीयू सिंह, कृष्णन वेणुगोपाल, ध्रुव मेहता, गोपाल शंकरनारायणन, श्याम दीवान, सिद्धार्थ लूथरा और करुणा नंदी सहित कई वकीलों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के शुरुआत में इस मामले में न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने पीठ को सूचित किया कि चार राज्यों ने बुधवार को इस मामले में अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। अपनी दलीलों के दौरान उन्होंने कहा कि दिल्ली जैसे स्थानों में चूहों का प्रकोप है और राष्ट्रीय राजधानी में बंदरों से भी एक अनूठी समस्या है। उन्होंने कहा कि कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ जाएगी, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा कि चूहों की आबादी बढ़ने पर हमने बहुत ही भयावह परिणाम देखे हैं। न्यायमूर्ति मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा कि कुत्ते और बिल्लियां दुश्मन हैं। बिल्लियां चूहों को मारती हैं। इसलिए हमें बिल्लियों की संख्या बढ़ानी चाहिए।

पीठ ने कहा कि हमें बताइए कि प्रत्येक अस्पताल के गलियारों, वार्डों और मरीजों के बिस्तरों के पास कितने कुत्ते घूमते दिखने चाहिए? पीठ ने कहा कि हमें बताएं, क्या पालतू कुत्तों के लिए अनिवार्य माइक्रोचिप लगाने का काम वास्तव में हो रहा है?

भारतीय एआई स्टार्टअप को वैश्विक नेतृत्व की दिशा में करना चाहिए काम

नई दिल्ली, एजेंसी

- प्रधानमंत्री ने कहा- भारत पर दुनिया का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी ताकत

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि भारत पर दुनिया का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है। साथ ही कहा कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भारतीय एआई मॉडल नैतिक, निष्पक्ष और पारदर्शी होने के साथ-साथ डेटा गोपनीयता सिद्धांतों पर आधारित हों। उन्होंने यह भी कहा कि स्टार्टअप को इस देश से वैश्विक नेतृत्व की दिशा में काम करना चाहिए और उल्लेख किया कि भारत वहनीय एआई, समावेशी एआई और मितव्ययी नवाचार को विश्व स्तर पर बढ़ावा दे सकता है।

'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पहले, भारतीय एआई स्टार्टअप के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोदी ने सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल विशिष्ट होने चाहिए और उन्हें स्थानीय और स्वदेशी सामग्री तथा क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उद्यमी देश के भविष्य के सह-निर्माता हैं। अगले महीने आयोजित होने वाले ''एआई फॉर ऑल: ग्लोबल इम्पैक्ट चैलेंज'' शिखर सम्मेलन के लिए अर्हता प्राप्त कर चुके 12 भारतीय एआई स्टार्टअप ने बैठक में भाग लिया तथा अपने विचारों और कार्य से अवगत कराया। बैठक के दौरान, मोदी ने समाज में परिवर्तन लाने में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के महत्व को रेखांकित किया।

मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड की भावना हो प्रतिबिंबित

मोदी ने कहा कि भारत को दुनिया के सामने एक ऐसा अनूठा एआई मॉडल प्रस्तुत करना चाहिए जो मेड इन इंडिया, मेड फॉर द वर्ल्ड की भावना को प्रतिबिंबित करे। ये स्टार्टअप विविध क्षेत्रों में काम कर रहे हैं, जिनमें भारतीय भाषा फाउंडेशन मॉडल, बहुभाषी एलएलएम, 'स्पीच-टू-टेक्स्ट, टेक्स्ट-टू-ऑडियो और टेक्स्ट-टू-वीडियो' के अलावा 3डी सामग्री तैयार करना शामिल हैं।

बागेश्वर में तेंदुए ने वृद्धा को बनाया निवाला

- जंगल में लगी आग बुझाने गई थी वृद्धा, घर से डेढ़ किमी दूर मिला शव

बागेश्वर। जनपद बागेश्वर में वन क्षेत्र के छाती- मनकोट गांव में बुधवार की देर सायं जंगल में लगी आग से घास के ढेर को बचाने का प्रयास कर रही वृद्धा को तेंदुए ने अपना निवाला बना लिया। तेंदुआ वृद्धा को घसीटकर डेढ़ किमी दूर ले गया था। देर रात ग्रामीणों ने जंगल में वृद्धा का शव बरामद किया। गुरुवार को पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया गया।

वन अधिकारियों के अनुसार, बीते बुधवार की देर सायं छतीना के जंगल में आग लग गई थी। आग आबादी की ओर फैलने लगी जिस पर देवकी देवी (65) आग से अपने घास को ढेर से बचाने के लिए पुत्र दयाल सिंह को लेकर मौके पर चली गईं। इस बीच उनका बेटा आग बुझाने के लिए उपकरण लेने के लिए घर आया था। जब वह वापस आग बुझाने गया तो उसे वहां अपनी मां नहीं दिखीं। आवाज लगाने पर भी जब कोई जवाब न मिला तो उसने अपने भाई रमेश चौबे व अन्य ग्रामीणों को इसकी जानकारी दी। ग्रामीणों ने अनहोनी की आशंका व्यक्त करते हुए वन विभाग को इसकी सूचना दी तथा देवकी देवी को खोजने लगे लेकिन उसका पता नहीं चला। इस बीच वन विभाग के तीन कर्मचारी वहां पहुंचे तथा ग्रामीणों के साथ जंगल की ओर गए। मध्य रात्रि में देवकी देवी का शव मौके से लगभग एक किमी दूर जंगल में मिला। इधर, गुरुवार को पुलिस टीम ने मौके पर जाकर शव को कब्जे में लिया तथा पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। बागेश्वर डीएफओ आदित्य ने अस्पताल पहुंच जानकारी ली व ग्रामीणों को आश्वस्त किया कि गांव में पिंजड़ा लगाया जाएगा।

500% टैरिफ वाले बिल को ट्रंप की मंजूरी

न्यूयॉर्क। राष्ट्रपति ट्रंप ने 500 प्रतिशत टैरिफ वाले बिल को मूजूरी दे दी है। जिसे अगले सप्ताह संसद में वोटिंग के लिए पेश किया जाएगा। इस कदम से भारत, चीन और ब्राजील जैसे देशों की रूस से सस्ता तेल खरीदने पर मुश्किल बढ़ सकती है।

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि यह विधेयक चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ व्हाइट हाउस को बेहद मजबूत दबाव बनाने का साधन प्रदान करेगा, ताकि उन्हें रूस से सस्ता तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रेरित किया जा सके। ग्राहम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राष्ट्रपति ट्रंप के साथ विभिन्न मुद्दों पर बेहद सार्थक बैठक के बाद उस द्विदलीय रूस प्रतिबंध विधेयक को हरी झंडी दे दी गई है जिस पर कई महीनों से सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल और अन्य के साथ कार्य किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि यह सही समय पर आया है, क्योंकि यूक्रेन शांति के लिए रियायतें दे रहा है, जबकि पुतिन केवल बयानबाजी कर रहे हैं और निर्दोष लोगों की हत्या जारी है।

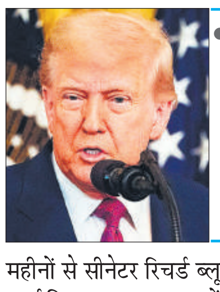

- भारत, चीन व ब्राजील पर 500 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का प्रावधान, अगले सप्ताह संसद में वोटिंग, बिल में रूस से तेल खरीदने वाले देश निशाने पर

बैठक मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को वन मुख्याल के मंथन सभागार में विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा की

विकास के साथ ही नवाचार पर भी ध्यान दें अधिकारी : धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : सीएम पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को राजपुर रोड स्थित वन मुख्यालय के मंथन सभागार में विकास कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सड़क निर्माण, बिजली, पानी, गैस की भूमिगत लाईन बिछाने के लिए सभी विभाग आपसी समन्वय कर समयावधि में पूर्ण करें। विभाग वर्षभर की प्रस्तावित योजनाओं के लिए सूची बनाकर काम करें।

सीएम धामी ने बैठक में सख्त निर्देश दिए कि आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, परिवार रजिस्टर, बिजली के बिल और अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेजों के सत्यापन की कार्यवाही नियमित की जाए। जिन लोगों के गलत तरीके से दस्तावेज बने हैं, उनको निरस्त करने की कार्यवाही निरंतर की जाए और गलत प्रमाण पत्र जारी करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई की जाए। जिला प्रशासन, वन विभाग, एमडीडीए, एवं नगर निगम अतिक्रमण हटाने की भी निरंतर कार्रवाई किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने नियमित कार्यों के साथ-साथ नवाचार आधारित विकास कार्यों को भी प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि सड़क एवं कॉरिडोर के विस्तार व सुधार कार्यों से राजधानी देहरादून की कनेक्टिविटी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, जिससे शहर में पर्यटकों एवं आमजन की आवाजाही बढ़ेगी। भविष्य की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए विकास योजनाओं को गति देने की आवश्यकता है। इसके लिए जनप्रतिनिधियों के विचार-विमर्श कर योजनाओं पर कार्य किया जाए।

विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक में मौजूद सीएम पुष्कर धामी, मंत्री सुबोध उनियाल।

नियमित जागरूकता के साथ ही रैंडम चेकिंग के निर्देश

नगर निगम के रैन बसेरों में सभी आवश्यक सुविधाओं के साथ ही प्रमुख चौक-चौराहों पर ठंड से बचाव के लिए अलाव की समुचित व्यवस्था की जाए। पुलिस को यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने, रात्रिकालीन गश्त बढ़ाने, नशा मुक्ति अभियान के तहत नियमित जागरूकता के साथ ही रैंडम चेकिंग के निर्देश भी दिए। कैबिनेट मंत्री सुबोध उनियाल ने कहा कि कार्यों में तेजी लाने के लिए सभी विभागों आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। कार्यों की प्राथमिकता तय कर उनको समयबद्ध ढंग से पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि साइबर अपराध पर प्रभावी नियंत्रण की दिशा में और अधिक प्रभावी प्रयास करने होंगे। इस मौके पर डीएम सविन बंसल ने बताया कि लोनिवि के चार प्रमुख प्रोजेक्ट सहित रिस्पना एवं बिंदाल एलिवेटेड कॉरिडोर परियोजनाएं प्रगति पर हैं। पांवटा साहिब-बल्लूपुर फ्लाईओवर निर्माण अंतिम चरण में है। दिल्ली-देहरादून एक्सप्रेसवे से जुड़ने वाली चार लेन ग्रीनफील्ड सड़क का निर्माण भी जारी है।

स्टेट ब्रीफ

महिला शौंचालय में मिला संदिग्ध

नैनीताल : जिला अस्पताल के महिला शौंचालय में संदिग्ध युवक के पकड़े जाने और पुलिस की ओर से की गई कार्रवाई पर अस्पताल प्रबंधन ने सवाल उठाए हैं। अस्पताल प्रबंधन की ओर से एसएसपी को शिकायत कर मामले में कार्रवाई की मांग की गई है। मामले में जिला अस्पताल के पीएमएस डॉ. टीके टम्टा की ओर से एसएसपी डॉ. मंजूनाथ टीसी को भेजे पत्र में पुलिस की भूमिका पर सवाल उठाए हैं।

दहेज उत्पीड़न में पति व सास को सजा

नैनीताल : दहेज उत्पीड़न के एक मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नैनीताल रवि प्रकाश की अदालत ने पति और सास को दोषी ठहराते हुए एक-एक वर्ष के सश्रम कारावास व 10-10 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपियों को आईपीसी की धारा 498-ए व दहेज प्रतिषेध अधिनियम की धारा 4 में दोषी ठहराया है।

मुख्यमंत्री ने गुरुवार को मुख्य सेवक सदन में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग संवाद में किया प्रतिभाग, पीएम मोदी की अभिनव पहल को सराहा

विकसित भारत का संकल्प साकार करने में यंग लीडर्स की अहम भूमिका : धामी

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गुरुवार को मुख्य सेवक सदन में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग संवाद में प्रतिभाग करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अभिनव पहल यंग लीडर्स डायलॉग की सराहना की।

सीएम ने भारत मंडपम नई दिल्ली में 9 से 12 जनवरी तक होने वाले इस कार्यक्रम में प्रतिभाग के लिए चयनित युवाओं को हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि यह पहल देश के युवाओं को नेतृत्व, नवाचार और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का एक सशक्त मंच प्रदान करती है।

मुख्य सेवक सदन में यंग लीडर्स संवाद के प्रतिभागियों के साथ सीएम पुष्कर सिंह धामी।

सीएम ने प्रतिभागी युवाओं के साथ उनके शिक्षकों को भी बधाई देते हुए कहा कि लाखों विद्यार्थियों में से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग संवाद कार्यक्रम से जुड़ना एक गर्व का विषय है। यह केवल एक कार्यक्रम में भाग लेने का अवसर नहीं बल्कि युवाओं के व्यक्तित्व विकास, आत्मविश्वास बढ़ाने और राष्ट्रीय स्तर पर अनुभव प्राप्त करने का भी एक महत्वपूर्ण अवसर है। उन्होंने कहा कि इस कार्यक्रम के माध्यम से युवाओं को देशभर के प्रतिभाशाली साथियों से सीखने और संवाद करने का अवसर मिलेगा, जो उनके सर्वांगीण विकास में सहायक सिद्ध होगा। विश्वास व्यक्त किया कि विकसित भारत के संकल्प को साकार करने में यंग लीडर्स की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। आने वाले समय में यही युवा विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार, नेतृत्व क्षमता और उत्कृष्टता के साथ देश को नई ऊंचाइयों तक ले जाएंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अंतरिक्ष, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी, खेल सहित हर क्षेत्र में भारतीयों ने वैश्विक स्तर पर अपनी पहचान बनायी है इसी का प्रतिफल है कि आज देश का तिरंगा गौरव के साथ देश-विदेश में लहरा रहा है।

मुख्यमंत्री ने सभी प्रतिभागियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें सीख दी कि वे इस अवसर का पूर्ण लाभ उठाएं ताकि वे राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस अवसर पर खेल एवं युवा कल्याण मंत्री रेखा आर्या, खेल निदेशक आशीष चौहान रहे।

मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 5.26 करोड़ स्वीकृत किये

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मुख्यमंत्री घोषणा के तहत विभिन्न विधानसभा क्षेत्रों में आन्तरिक सड़कों के निर्माण के लिए 5.26 करोड़ की धनराशि की स्वीकृति प्रदान की है।सीएम ने विधानसभा क्षेत्र लोहाघाट के गोरखा नगर में अम्बेडकर भवन के निर्माण हेतु 2.84 करोड़ की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त के 40 प्रतिशत 1.14 करोड़ की धनराशि स्वीकृत की है जिसका शासनादेश भी जारी किया गया है। विधानसभा क्षेत्र पिथौरागढ़ के विण में रामेश्वर मंदिर (शिव धाम) से बीतडी पुल तक सीसी मार्ग व प्रतिधारक दीवार के निर्माण को 97.25 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त के 60 प्रतिशत धनराशि 58.35 लाख की स्वीकृति प्रदान की है जिसका शासनादेश भी जारी किया गया है। विधानसभा क्षेत्र सल्ट के अंतर्गत तहसील स्यालदे एवं सल्ट में 101 फीट के तिरंगे की स्थापना को 89.09 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त के 60 प्रतिशत 53.45 लाख स्वीकृत की है, जिसका शासनादेश भी जारी किया गया है। विधानसभा क्षेत्र बाजपुर केआंतरिक मार्गों का 700 मीटर सीसी मार्गों के निर्माण के लिये 55.57 लाख की स्वीकृति प्रदान करते हुए प्रथम किश्त के 60 प्रतिशत 33.34 लाख की धनराशि स्वीकृत की है।

हाईकोर्ट ने बीटीसी अभ्यर्थियों की याचिका पर प्रारंभिक शिक्षा निदेशक से मांगा प्रत्यावदेन

याचिकाकर्ता प्रतीक सकलानी व अन्य ने कहा, पत्राचार से बीटीसी के कई डिग्री धारकों को दी गई है नियुक्ति

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : हाईकोर्ट ने पत्राचार के माध्यम से बेसिक टीचर सर्टिफिकेट (बीटीसी) प्राप्त करने वाले अभ्यर्थियों की याचिकाओं पर सुनवाई के बाद याचिकाकर्ताओं से निदेशक प्रारंभिक शिक्षा को प्रत्यावेदन देने को कहा है। साथ ही शिक्षा निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा को निर्देश दिया है कि वह याचिकाकर्ताओं द्वारा दिए गए प्रत्यावेदन पर कानून के अनुसार तीन महीने के भीतर उचित निर्णय लें। मामले की सुनवाई न्यायमूर्ति मनोज कुमार तिवारी की एकलपीठ में हुई ।

मामले के अनुसार, याचिकाकर्ता प्रतीक सकलानी व अन्य ने पत्राचार के माध्यम से बीटीसी की डिग्री प्राप्त की थी। हालांकि, उनकी मार्कशीट में एक विशेष शर्त अंकित थी कि यह प्रमाण पत्र राज्य के अधीन नियुक्ति के लिए मान्य नहीं होगा। याचिकाकर्ताओं का मुख्य तर्क यह था कि उनके साथ ही इसी माध्यम से डिग्री प्राप्त करने वाले कई अन्य उम्मीदवारों को सरकारी प्राथमिक विद्यालयों में सहायक अध्यापक के रूप में

नियुक्त किया गया है, इसलिए उन्हें भी सार्वजनिक रोजगार के अवसर से वंचित नहीं किया जा सकता।

सुनवाई के दौरान राज्य सरकार के अधिवक्ता ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ताओं का यह दावा गलत है कि समान स्थिति वाले व्यक्तियों को नियमित नियुक्तियां दी गई हैं। सरकार की ओर से तर्क दिया गया कि कुछ उम्मीदवारों को केवल एक शैक्षणिक सत्र के लिए समेकित मानदेय पर संविदात्मक नियुक्ति दी गई थी, न कि नियमित नियुक्ति। साथ ही, सरकार ने 27 नवंबर 2006 के शासनादेश की वैधता का भी हवाला दिया, जिसे पूर्व में उच्च न्यायालय की खंडपीठ भी बरकरार रख चुकी है।

याचिकाकर्ताओं के वकील ने अदालत के समक्ष यह मांग रखी कि चूंकि कुछ अन्य समान योग्यता वाले लोग अभी भी संविदा के आधार पर सेवा में बने हुए हैं, इसलिए उनके मुवक्किलों के प्रत्यावेदन पर भी विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने अदालत से अनुरोध किया कि सक्षम प्राधिकारी को उनके अनुबंध के आधार पर नियुक्ति के अनुरोध पर निर्णय लेने के लिए निर्देशित किया जाए। राज्य सरकार के वकील ने इस प्रक्रिया पर कोई आपत्ति नहीं जताई।

न्यायालय ने याचिकाओं को एक साथ निस्तारित करते हुए शिक्षा विभाग को समयबद्ध निर्णय लेने का आदेश दिया। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि याचिकाकर्ताओं को आदेश की प्रमाणित प्रति के साथ अपना प्रत्यावेदन निदेशक, प्रारंभिक शिक्षा के समक्ष प्रस्तुत करना होगा, जिस पर अगले 90 दिनों के भीतर फैसला लिया जाएगा।

भटवाड़ी निवासी व्यक्ति पर पत्नी की हत्या में मिली सजा रद

नैनीताल : हाईकोर्ट ने पत्नी की हत्या के मामले में एक महत्वपूर्ण कानूनी व्यवस्था देते हुए निचली अदालत द्वारा दोषी सुनील सिंह पंवार को सुनाई गई उम्रकैद की सजा को रद्द कर दिया है। न्यायमूर्ति रवींद्र मैठानी और न्यायमूर्ति आलोक महरा की खंडपीठ ने मामले को वापस उत्तरकाशी की सत्र अदालत को भेजते हुए निर्देश दिया है कि आरोपी का बयान दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 313 के तहत दोबारा और विधि सम्मत तरीके से दर्ज किया जाए।

अदालत ने पाया कि निचली अदालत ने आरोपी का परीक्षण करते समय सभी आपत्तिजनक परिस्थितियों को उसके सामने स्पष्ट रूप से नहीं रखा था। आरोपी से केवल यह पूछा था कि क्या उसने 15 गवाहों के बयान सुने हैं, जो कि कानूनन एक दोषपूर्ण प्रक्रिया है। हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक साक्ष्य को अलग सवाल के रूप में आरोपी के सामने रखा जाना चाहिए ताकि उसे अपनी सफाई देने का उचित अवसर मिल सके।

मामला 30 नवंबर 2013 का है, जब उत्तरकाशी के भटवाड़ी में सुनीता देवी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो गई थी। अभियोजन पक्ष के अनुसार, सुनील ने अपनी पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी थी क्योंकि वह सुनीता के पहले पति के बेटे को स्वीकार नहीं करना चाहता था। आरोपी का तर्क था कि सुनीता ने स्वयं फांसी लगाकर आत्महत्या की है, उस समय वह अपनी भाभी से फोन पर बात कर रहा था।

पोस्टमार्टम रिपोर्ट में डॉक्टर ने मृत्यु का कारण गला घोंटना बताया था। हालांकि, बचाव पक्ष ने दलील दी कि यह ''पार्शियल हैंगिंग'' का मामला हो सकता है, पोस्टमार्टम की प्रक्रिया में चिकित्सा न्यायशास्त्र का पूरी तरह पालन नहीं किया गया। अदालत ने माना कि इन गंभीर विरोधाभासों पर आरोपी का स्पष्टीकरण लेना अनिवार्य था। हाईकोर्ट ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि अपील के निपटारे में लंबा समय लगा है, जो आरोपी के त्वरित सुनवाई के अधिकार का उल्लंघन है। इसे कोर्ट की विफलता मानते हुए खंडपीठ ने निचली अदालत को निर्देश दिया है कि इस मामले की सुनवाई प्राथमिकता के आधार पर की जाए और रिकॉर्ड प्राप्त होने के तीन महीने के भीतर इसका निस्तारण किया जाए। सजा रद्द होने के बाद अब आरोपी सुनील सिंह पंवार को जमानत के लिए आवेदन करने की छूट दी गई है। अदालत ने साफ किया है कि यदि जमानत अर्जी दाखिल की जाती है, तो उस पर कानून के अनुसार विचार किया जाएगा। साथ ही, हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि उसने मामले के मेरिट (गुण-दोष) पर कोई टिप्पणी नहीं की है और सत्र न्यायालय स्वतंत्र रूप से अपना फैसला सुनाने के लिए स्वतंत्र है।

कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने गुवाहाटी में गिनाईं उत्तराखंड की उपलब्धियां

संवाददाता देहरादून/गुवाहाटी

अमृत विचार : कृषि मंत्री गणेश जोशी ने असम के गुवाहाटी में केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय की ओर से आयोजित दो दिवसीय वस्त्र मंत्रियों के राष्ट्रीय सम्मेलन में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रतिनिधि के रूप में केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह के साथ प्रतिभाग किया। भारतीय वस्त्र विकास, विरासत और नवाचार का ताना-बाना विषय पर आयोजित इस सम्मेलन में देशभर से मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी, उद्योग विशेषज्ञ एवं वस्त्र क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि शामिल हुए। कार्यक्रम में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने केंद्रीय वस्त्र मंत्री गिरिराज सिंह और मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव के साथ विभिन्न राज्यों द्वारा लगाए गए स्टालों का अवलोकन भी किया। सम्मेलन के पहले दिन नीतिगत सुधार, नवाचार, निवेश संभावनाओं और रोजगार सृजन जैसे अहम विषयों पर चर्चा हुई। उत्तराखण्ड से प्राप्त प्रस्तावों पर केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने सकारात्मक आश्वासन दिया है।

गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में मौजूद कैबिनेट मंत्री गणेश जोशी।

बैठक में कृषि मंत्री गणेश जोशी ने राष्ट्रीय मंच पर उत्तराखंड के वस्त्र, हथकरघा और हस्तशिल्प क्षेत्र की व्यापक संभावनाओं को प्रस्तुत किया। उन्होंने केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय को सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बधाई देते हुए कहा कि उत्तराखंड और असम जैसे हिमालयी एवं पूर्वोत्तर राज्य साझा चुनौतियों और अवसरों से जुड़े हुए हैं। मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल विजन तथा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड पारंपरिक वस्त्र उद्योग को आधुनिक स्वरूप देने के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य में लगभग 12 हजार बुनकर एवं 26 हजार हस्तशिल्पी इस क्षेत्र से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हैं। उत्तराखंड में प्रतिवर्ष लगभग 4,616 क्विंटल ऊन का उत्पादन होता है और मेरिनो व अंगोरा ऊन के लिए राज्य की जलवायु अत्यंत अनुकूल है।

उन्होंने प्राकृतिक रेशों पर जोर देते हुए कहा कि बिच्छू घास (हिमालयन नेटल) और औद्योगिक भांग के रेशों से वस्त्र निर्माण में उत्तराखंड अग्रणी भूमिका निभा रहा है, जो सस्टेनेबल फैशन का भविष्य है। राज्य में उच्च गुणवत्ता वाले बाइवोल्टाइन सिल्क का उत्पादन हो रहा है, जो आयातित रेशम का मजबूत विकल्प बन रहा है। महिला स्वयं सहायता समूहों को कौशल विकास से जोड़ा गया है तथा ई-मार्टप्लेस, हिमाद्रि एम्पोरियम और विभिन्न मेलों के माध्यम से बाजार उपलब्ध कराया जा रहा है। राज्य के 29 उत्पादों को जीआई टैग मिल चुका है, जिनमें 10 हथकरघा एवं हस्तशिल्प उत्पाद शामिल हैं।कृषि मंत्री जोशी ने केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय के समक्ष पहाड़ी राज्यों के लिए मिनी टेक्सटाइल पार्क नीति, ऊन प्रसंस्करण को विशेष पैकेज, बिच्छू घास व हेम्प को राष्ट्रीय तकनीकी वस्त्र मिशन में शामिल करने, हथकरघा-हस्तशिल्प उत्पादों पर ट्रांसपोर्ट सब्सिडी के प्रस्ताव रखे।

गैरसैंण में शीघ्र खुलेगा केवी: डॉ. रावत

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने सांसद अनिल बलूनी के साथ गुरुवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से शिष्टाचार भेंट की।

डॉ.. रावत व सांसद बलूनी ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के समक्ष राज्य की ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण में केन्द्रीय विद्यालय खोलने का प्रस्ताव रखा। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री ने गैरसैंण में केन्द्रीय विद्यालय की स्थापना पर अपनी सहमति प्रदान की। मुलाकात के दौरान डॉ. रावत ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री के साथ राज्य की शैक्षणिक व्यवस्थाओं

केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान से भेंट करते मंत्री डॉ. धन सिंह व सांसद अनिल बलूनी।

को लेकर चर्चा की और उन्हें भविष्य की योजनाओं से भी अवगत कराया। उन्होंने राज्य में नई शिक्षा नीति-2020 के प्रावधानों के तहत एससीईआरटी द्वारा तैयार राज्य पाठ्यचार्या, सकल नामाकंन अनुपात (जीईआर), पीजीआई रैंकिंग सुधार को लेकर किये जा रहे प्रयासों की जानकारी दी। डॉ. रावत ने केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को हेमवती नन्दन बहुगुणा गढ़वाल (केन्द्रीय) विश्वविद्यालय के आगामी दीक्षांत समारोह में आमंत्रित किया, जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया।

नव नियुक्त न्यायाधीश सिद्धार्थ साह ने शपथ ग्रहण की

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट के नवनियुक्त न्यायाधीश सिद्धार्थ साह को आज मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति जी. नरेंद्र ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण के पश्चात न्यायाधीश सिद्धार्थ साह ने विधिवत रूप से अपने पद का कार्यभार संभाल लिया।

उल्लेखनीय है कि न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह इससे पूर्व उत्तराखंड हाईकोर्ट में एक सफल अधिवक्ता के रूप में कार्यरत थे। उन्हें अधिवक्ता कोटे से उच्च न्यायालय का न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। लंबे समय से न्यायिक क्षेत्र में सक्रिय

नवनियुक्त न्यायाधीश सिद्धार्थ साह को शपथ दिलाते हाईकोर्ट के सीजे जी. नरेंद्र।

रहते हुए उन्होंने कई महत्वपूर्ण मामलों में प्रभावी पैरवी की है और बार में उनकी एक विशिष्ट पहचान रही है। उनकी नियुक्ति को लेकर अधिवक्ता जगत में हर्ष का माहौल है। कई वरिष्ठ अधिवक्ताओं और न्यायिक अधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए आशा जताई कि उनके अनुभव से न्यायिक व्यवस्था को लाभ मिलेगा तथा न्यायिक कार्यों में पारदर्शिता और प्रभावशीलता बढ़ेगी। बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अधिवक्ता दिनेश चंद्र सिंह रावत ने कहा कि हाईकोर्ट में सिद्धार्थ साह का न्यायाधीश के रूप में शपथ लेना बार एसोसिएशन के लिए गर्व और ऐतिहासिक क्षण है। उन्होंने कहा कि न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह ने अपने विधिक करियर की शुरुआत भी इसी न्यायालय से की थी और आज उसी न्यायालय में न्यायाधीश बनना उनके परिश्रम, समर्पण और कार्यनिष्ठा का परिणाम है। शपथ ग्रहण समारोह में हाईकोर्ट के न्यायाधीश न्यायमूर्ति मनोज तिवारी, न्यायमूर्ति रविंद्र मैठानी, न्यायमूर्ति आलोक वर्मा, न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल, न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित, न्यायमूर्ति आशीष नैथानी, न्यायमूर्ति आलोक माहरा एवं न्यायमूर्ति सुभाष उपाध्याय, महाधिवक्ता एसएन. बाबूलकर, पूर्व न्यायमूर्ति राजेश टंडन, न्यायमूर्ति बीएस. वर्मा एवं न्यायमूर्ति शरद शर्मा, न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह के पिता वरिष्ठ अधिवक्ता एमएल. साह, राजीव लोचन साह, पद्मश्री अनूप साह, उनकी बहन अधिवक्ता साईं किरण साह, भाई दीपांजन साह, पत्नी दीप्ति साह, वेद साह, बार एसोसिएशन महासचिव सौरभ अधिकारी, बार काउंसिल सदस्य वरिष्ठ अधिवक्ता अवतार सिंह रावत, अधिवक्ता सुमित बजाज, जसवंत खाती, शौर्य पांडे, बीसी. पांडे, डीएस. पाटिल, एमसी. कांडपाल आदि मौजूद रहे।

निर्देश — **नैनीताल के जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने गुरुवार को कैंप कार्यालय में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक ली**

यातायात सुगम व सुरक्षित बनाने को प्रवर्तन में तेजी लाएं : डीएम

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : डीएम जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने गुरुवार को कैंप कार्यालय में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक की। उन्होंने जनपद में यातायात व्यवस्था को सरल, सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए पुलिस, परिवहन एवं राजस्व विभाग को नियमित तौर पर प्रवर्तन की कार्यवाही के निर्देश दिए।

डीएम ने जिले में वर्तमान में चिह्नित 121 दुर्घटना संभावित स्थल व ब्लैक स्पॉट्स का सड़क निर्माण, राजस्व, परिवहन एवं पुलिस अधिकारियों को संयुक्त निरीक्षण कर इन सभी स्थानों में रोड सेफ्टी के तहत काम करने के निर्देश दिए।

कैंप कार्यालय में सड़क सुरक्षा समिति की बैठक लेते डीएम ललित मोहन रयाल। ● अमृत विचार

जिन स्थानों में अतिक्रमण है तो उसे भी तत्काल हटाया जाए ताकि स्थल सड़क सुरक्षा के दृष्टिगत सुरक्षित रहे। उन्होंने कहा कि हल्द्वानी क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न निर्माण एजेंसियों ने जिन सड़क मार्गों में कार्य किया जा रहा है उन सभी मार्गों का राजस्व, पुलिस व परिवहन विभाग एक अभियान के तहत संयुक्त निरीक्षण कर लें, कहीं पर भी गड्ढा दिखे, निर्माण सामग्री गिरी हुई दिखे या पानी लीकेज दिए तो तुरंत उनकी फोटो, वीडियो संबंधित एजेंसी को भेजे ताकि त्वरित ठीक कराया जा सके।उन्होंने कहा कि सड़क किनारे अनियंत्रित फड़, खोखे से वाहन दुर्घटनाओं की संभावना बनी रहती है। ऐसे अवैध, अनियंत्रित फड़, खोखे तत्काल हटाए जाए। इन्हें वेंडिंग जोन में ही स्थापित किए जाएं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले व स्टंट करने वालों के खिलाफ भी सख्त से सख्त कार्रवाई की जाए।

ऐसे लोगों का ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त कराया जाए। पुलिस एवं परिवहन विभाग लगातार प्रवर्तन की कार्यवाही सुनिश्चित करे। विभिन्न स्कूलों कॉलेज संस्थानों में लगातार जागरूकता अभियान भी चलाया जाए लोगों को रोड सेफ्टी,यातायात नियमों के बारे में अवगत कराया जाए ताकि वाहन दुर्घटनाओं को रोका जा सके। यातायात व्यवस्था को अधिक सरल, सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए हर संभव कार्य प्राथमिकता के आधार पर किए जाएं ताकि स्थानीय नागरिकों के साथ-साथ यहां आने वाले पर्यटक भी सुखद अनुभव एवं यादें लेकर लौटें। इस दौरान लोनिवि एसई मनोहर सिंह धर्मशक्तू, एसपी सिटी मनोज कत्याल, आरटीओ गुरुदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

जिले में हादसे वाले स्थान चिन्हित किए जाए

डीएम ने कहा कि रुद्रपुर एनएच खंड की तकनीकी जांच टीम को लालकुआं, हल्दूचौड़, गोरापड़ाव, तीनपानी क्षेत्र में लगातार हो रही दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उक्त स्थानों में सड़क डिजाइनिंग एवं तकनीकी में जो खामियां पाई गई हैं, इन खामियों को दूर करने के लिए जरूरी उपाय करने के निर्देश दिए।

आवारा पशुओं को लेकर नोडल अधिकारी तैनात करें

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्य सचिव आनन्दबर्द्धन ने गुरुवार को सचिवालय में सुप्रीम कोर्ट की ओर से आवारा पशुओं के संबंध में दिए निर्देशों के क्रम में संबंधित विभागों के साथ बैठक की। उन्होंने सार्वजनिक और भीड़भाड़ वाले स्थानों से कुत्तों एवं गोवंश के संबंध में यथोचित कार्यवाही किए जाने के निर्देश दिए।

मुख्य सचिव ने क्षेत्रवार नोडल अधिकारी तैनात किए जाने के निर्देश दिए, विशेषकर देहरादून, हरिद्वार, रुद्रपुर और काशीपुर जैसे शहरों में स्ट्रे डॉग्स के लिए आवश्यक कदम उठाए जाने की बात कही। राष्ट्रीय राजमार्गों से आवारा कुत्तों एवं गोवंश के संबंध में की गई कार्रवाई की जानकारी ली। उन्होंने कहा कि क्रिटिकल स्थानों को चिन्हित करते हुए प्राथमिकता के आधार पर यथोचित कार्यवाही की जाए। आवारा गोवंश पशुओं को रखने के लिए कांजीहाउस बनाने व संचालन की व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। सचिव परिवहन को निर्देश दिए कि विभाग की ओर से सभी बस स्टेशनों एवं रेलवे स्टेशनों एवं आसपास आवारा पशुओं एवं गोवंशों को स्थानीय निकायों की सहायता से यथोचित कार्यवाही की जाए। इन पशुओं को स्थानीय लोगों की ओर से गोद लेने के लिए प्रेरित करने के लिए जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जाने की भी बात कही। पालतू जानवर रखने वालों के लिए 'क्या करें, क्या न करें' एसओपी तैयार की जाए।

सिटी ब्रीफ

सांसद व मेयर ने की चित्रशिला घाट में सफाई

हल्द्वानी : सांसद अजय भट्ट व मेयर गजराज बिष्ट ने गुरुवार को रानीबाग स्थित चित्रशिला घाट पर स्वच्छता अभियान चलाया। उन्होंने घाट से कूड़ा साफ किया और लोगों को भी प्राकृतिक स्थानों को स्वच्छ रखने के लिए प्रेरित किया। मेयर बिष्ट ने कहा कि मकर संक्रांति के पावन पर्व में लगने वाले मेले से पूर्व नगर निगम के माध्यम से स्थानीय जन प्रतिनिधियों के सहयोग से सफाई अभियान चलाया गया है। घाट में आने वाले आमजन से अपील की है घाट को पवित्र और स्वच्छ रखने में सहयोग करें। इस दौरान नीरज बिष्ट, सचिन साह, सूरज रमोला, पार्षद बबली वर्मा, महेश भंडारी, गणेश आर्य, चंचल पांडे, भुवन शाह, बीडीसी सदस्य पंकज सूर्या, शांति भट्ट, प्रेमा देवी, आशा नेगी, पदमा थापा आदि रहे।

घर से गांव पहुंचने के बाद नाबालिग लापता

हल्द्वानी : घर से अपने गांव पहुंचने के बाद 17 साल की लड़की लापता हो गई। गुमशुदगी दर्ज कर पुलिस ने उसकी तलाश शुरू कर दी है। काठगोदाम पुलिस को दी तहरीर में मल्ला ब्यूरा काठगोदाम निवासी बीना देवी पत्नी केशव दत्त शर्मा ने लिखा, उनकी बेटी तनुजा 17 वर्ष की है। बीती 30 दिसंबर को वह घर से अपने गांव भद्युनी गई थी। 6 जनवरी की रात बेटी से बात हुई। 7 जनवरी की सुबह देवर ने फोन कर बताया कि तनुजा घर पर नहीं है। बीना का कहना है कि बेटी की हर संभावित स्थान पर तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। थानाध्यक्ष विमल मिश्रा ने बताया कि गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है। जल्द ही नाबालिग को सकुशल बरामद कर लिया जाएगा।

पहाड़ों में पारा माइनस तो कभी एक से नीचे

हल्द्वानी : पहाड़ों में रात के समय तापमान में भारी गिरावट आ रही है। इसकी वजह से वहां पाला गिरना भी है। रात के समय वहां कड़ाके की ठंड पड़ रही है तो वहीं मैदानी इलाकों में अब दोपहर के समय धूप निकल रही है। मुक्तेश्वर में शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 0 .5 डिग्री रहा। इसके अलावा मुक्तेश्वर को यहां पारा माइनस डिग्री से भी नीचे चला गया था। दिन के समय यहां पारा 12 से 14 डिग्री के बीच दर्ज किया जा रहा है। रात के समय पहाड़ों में ठंडी हवा चल रही है। पारे में भारी गिरावट आ रही है। पारा लुढ़का हुआ है और पाला गिर रहा है। आने वाले दिनों में भी इस तरह का मौसम बने रहने का अनुमान है। हल्द्वानी में दोपहर के समय धूप निकलने से राहत मिल रही है। दिन के समय अधिकतम तापमान 16 डिग्री के आसपास रहा तो वहीं न्यूनतम तापमान 4 .2 डिग्री रहा। सुबह शहर में घना कोहरा छा रहा है और पूर्वानह तक धूप निकल रही है। हाल फिलहाल बारिश होने का कोई अनुमान नहीं है।

नितिन का दोस्त व हत्या का चश्मदीद गवाह कमल भंडारी शक के घेरे में, हत्या के बाद भागा और पुलिस को भी नहीं दी सूचना

पार्षद चिंटू ने नितिन को मार डाला और घर जाकर सो गया चश्मदीद

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : वैसे तो नितिन लोहनी मर्डर केस में पुलिस के पास हत्यारोपी पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिंटू के खिलाफ ढेरों सुबूत हैं, लेकिन घटना का चश्मदीद गवाह कमल भंडारी पुलिस के लिए सबसे अहम है। क्योंकि जब गोलियां चल रहीं थी, तब कमल, नितिन के साथ था। कमल तो भाग निकला, लेकिन नितिन मारा गया।

इस पूरी वारदात में नितिन का जिस्म छलनी हो गया, लेकिन कमल को एक भी खरोंच नहीं आई। दरम्वाल गैंग के बाद अब कमल की भूमिका भी पुलिस को संदिग्ध नजर आ रही है। पुलिस का कहना है कि वह कमल की भूमिका की जांच कर रहे हैं।

हत्या की वारदात को घटना की रात से शुरू करें तो सारी कहानी काफी हद तक साफ हो जाती है। कमल भंडारी के जीजा ने एक नया वाहन खरीदा था। जिसकी पार्टी में शामिल होने के लिए बीती 4 जनवरी में कमल गौलापार पहुंचा। कमल के साथ नितिन लोहनी भी था। रात पार्टी के बाद दोनों पार्षद अमित बिष्ट उर्फ चिंटू के घर पहुंचे और वजह थी चिंटू के बेटे जय

नितिन लोहनी। (फाइल फोटो)

हत्या का आरोपी अमित बिष्ट उर्फ चिंटू।

और कथित दरम्वाल गैंग के गुर्गों के बीच हाल में पैदा हुई अदावत। दरम्वाल गैंग ने अमित और उसके बेटे जय को जान से मार डालने की धमकी दी थी।

आधी रात कमल ने चिंटू के घर की डोर बेल बजाई। पार्षद अमित अपने 19 वर्षीय बेटे जय के साथ बालकनी पर आया और बोला, दरम्वाल गैंग से हो? इतना कहते ही पार्षद के अपनी लाइसेंसी डबल बैरल पौनिया (शॉट गन) से फायर झोंक दिया। पैदल कमल तो दौड़ कर भाग निकला, लेकिन जो पैदल से तेज दौड़ सकता था, यानी स्कूटी सवार नितिन भाग नहीं पाया। पार्षद अमित और उसके बेटे ने दोनों का पीछा कर नितिन को गोलियों से भून डाला।

अब कमल की मानें तो जब नितिन पीछे रह गया तो वह फिर देखने के लिए लौटा, लेकिन अमित बिष्ट गोलियां चला रहा था। इस पर वह भागकर अपने घर पहुंच गया। घर से कमल ने गौलापार फोन किया, जहां वह पार्टी में गया था। गौलापार से चिंटू के बेटे जय को फोन आया। नितिन के बारे में पूछने पर जय ने जवाब दिया कि सब ठीक है। इसके बाद कमल सो गया। अगली सुबह नहा-धोकर वह अस्पताल पहुंचा। तब उसे पता लगा कि नितिन की तो मौत हो चुकी है। कमल के यही बयान पुलिस के गले नहीं उतर रहे। पुलिस का कहना है कि जब गोलियां चल रहीं थी तो कमल का भागना वाजिब था, लेकिन घर जाकर सोना गले नहीं उतरता। फिर घटना के तुरंत बाद उसने गौलापार फोन करने के बजाय क्यों नितिन के परिजनों, अन्य करीबियों या फिर पुलिस को फोन क्यों नहीं किया। अगली सुबह वह मीडिया के सामने बेबाकी से ऐसे बयानबाजी करता है, जैसे सब रटा-रटाया हो।

एसपी सिटी मनोज कुमार कत्याल का कहना है कि चश्मदीद गवाह की सुरक्षा पुलिस की जिम्मेदारी है, लेकिन पूरी घटना में उसकी भूमिका भी संदिग्ध नजर आ रही है। इस घटना को लेकर उससे भी सवाल किए जाएंगे।

नितिन का परिवार पहले ही उठा चुका है सवाल

हल्द्वानी : घटना के बाद नितिन का बड़ा भाई पियूष जन प्रतिनिधियों के साथ एसएसपी डॉ .मंजूनाथ टीसी से मिला था। उसने एसएसपी से कहा था कि उसके भाई के साथ जो होना था हो गया। बस अब यही उम्मीद है कि उसके भाई की हत्या करने वालों को सजा और नितिन को इंसाफ मिले। साथ ही पुलिस यह भी तय करे कि भविष्य में किसी के भी साथ ऐसा न हो। इस बातचीत के दौरान पियूष ने कमल की भूमिका को लेकर सवाल खड़े किए थे। उनका भी यही कहना था कि गोलियां चलने के बाद आखिर अपने घर जाकर चुपचाप कौन सो सकता है।

बाइक सवार की मौत पर दो माह बाद केस दर्ज

हल्द्वानी : दोस्त के साथ बाइक पर सवार होकर जा रहे युवक को स्कूटी सवार ने अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में बाइक पर सवार एक युवक गंभीर रूप से घायल हुआ और उसकी मौत हो गई। इस मामले में काठगोदाम पुलिस ने मृतक की पत्नी की तहरीर पर आरोपी स्कूटी चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पुलिस को दी तहरीर में रम्पुरा, बलरामपुर शेरगढ़ बरेली उत्तर प्रदेश निवासी शहाना पत्नी स्व. असलम ने लिखा, उनके पति असलम कारपेंटर हैं। बीते वर्ष 4 नवंबर को वह चोरगलिया की ओर से मोटरसाइकिल पर अपने चालक साथी सैफी के साथ हल्द्वानी की तरफ आ रहे थे। खेड़ा चौराहे पर सामने से आ रहे दोपहिया वाहन चालक ने बड़ी तेजी व लापरवाही से स्कूटी को लहराते हुए विपरीत दिशा में आकर मोटरसाइकिल में टक्कर मार दी।

आवासीय भवन निर्माण की डीपीआर बनाएं

हल्द्वानी में गरीबों के लिए मकान बनाने को मंडलायुक्त ने डीडीए की बोर्ड बैठक में अधिकारियों को दिए निर्देश

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण की बोर्ड बैठक में भू उपयोग परिवर्तन, पुनर्निर्माण, आवासीय व पर्यटन एवं स्वरोजगार को बढ़ावा देने के लिए कई महत्वपूर्ण प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की।

गुरवार को गौलापार स्थित सर्किट हाउस सभागार में जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण अध्यक्ष/आयुक्त दीपक रावत की अध्यक्षता में बोर्ड बैठक हुई। उन्होंने निर्देश दिए कि पर्वतीय क्षेत्रों में वाणिज्यिक भवनों को भू-स्वामियों को तभी अनुमति मिले जब वे रेनवाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाएं और निर्माण से पूर्व सिस्टम की निगरानी की मॉनीटरिंग भी की जाए ताकि जल संरक्षण को बढ़ावा मिले और स्थानीय जलस्रोतों पर दवाब कम होगा।

उन्होंने कहा कि जिला विकास प्राधिकरण की ओर से हल्द्वानी व आसपास क्षेत्रों में जो भी सरकारी/नजूल भूमि है उनका चिन्हीकरण कर गरीब लोगों के लिए कम लागत के आवासीय भवन निर्माण के लिए डीपीआर बनाई जाए ताकि हल्द्वानी क्षेत्र के गरीब लोगों को पक्के आवास मिल सके। आयुक्त ने कहा कि पर्वतीय क्षेत्रों में जहां भू-स्खलन संभावित क्षेत्र हैं उन स्थानों पर भवन एवं अन्य स्वीकृति के लिए संयुक्त सर्वे के साथ ही भू-वैज्ञानिक की रिपोर्ट अनिवार्य रूप से दी जाए तभी निर्माण के लिए स्वीकृति प्रदान की जाए।

आवास का नक्शा स्वीकृत हुआ है तो आवास ही बने : मंडल आयुक्त दीपक रावत ने सख्त लहजे में कहा कि जिन मानचित्रों की स्वीकृति प्रदान की गई है, उसी अनुरूप भूखंड निर्माण हो। इसके लिए उन्होंने प्राधिकरण के अधिकारियों को नियमित स्थलीय निरीक्षण करने भी निर्देश दिए।

कहा कि पिछली और इस बोर्ड बैठक में जिन भी मानचित्रों को स्वीकृति प्रदान की गई है, अगली बैठक से पूर्व कार्यस्थल पर जाए और वास्तविक स्थिति की फोटो की स्लाइड चलाई जाएगी।

डीडीए की बोर्ड बैठक में जन सुनवाई करते आयुक्त दीपक रावत। ● अमृत विचार

परिजनों ने घर के लिए अलग-अलग किया आवेदन

बैठक में यह भी संज्ञान में आया कि रामगढ़, भीमताल आदि स्थानों में एक ही परिवार के सदस्यों ने भूमि क्रय की। फिर सदस्यों ने 60 वर्ग मीटर भूमि पर आवासीय निर्माण के लिए नक्शे के लिए आवेदन किया। इस पर आयुक्त ने कहा कि एक परिवार से एक ही सदस्य का नक्शा स्वीकृत किया जाए। शिकायतें मिली हैं कि एक परिवार के सदस्य सभी के नाम से स्वीकृति हासिल करते हैं, इसके पश्चात होटल, रेस्टोरेंट व्यावसायिक भवन का निर्माण करते हैं जो पूरी तरह गलत है। इस प्रकार के प्रकरणों की प्राधिकरण की ओर नियमित मॉनीटरिंग की जाए और नियमों की अवहेलना पर वैधानिक कार्यवाही भी की जाए। इस दौरान जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण उपाध्यक्ष/डीएम ललित मोहन रयाल, सचिव विजय नाथ शुक्ल, संयुक्त सचिव गोपाल सिंह चौहान, मुख्य कोषाधिकारी कमलेश भंडारी, बोर्ड सदस्य धीरज पांडे, गणेश भट्ट रहे।

ये भी हुए निर्णय

1. नैनीताल शहर में लोगों ने पुराने भवनों के पुनर्निर्माण के लिए जितने भी आवेदन किए हैं, उन्हें इस शर्त पर स्वीकृति दी जाएगी कि जितनी लंबाई-चौड़ाई में पुराना भवन निर्मित था, उतने में निर्माण होगा हालांकि स्वीकृति से पूर्व क्षतिग्रस्त भवन की फोटोग्राफ जरूर देना होगा।
2. जनपद के ऐसे क्षेत्र, जो हाल ही में प्राधिकरण में शामिल हुए हैं उन क्षेत्रों में 6 माह से पूर्व निर्माणाधीन भवनों के नक्शों को बिना किसी जुर्माने के स्वीकृति प्रदान की गई।
3. जनपद के विभिन्न प्राधिकरण क्षेत्रों में पर्यटन की गतिविधियों को बढ़ावा देने को होटल, रेस्टोरेंट, मोटल, जिप लाईन संचालन के लिए आवेदनों को प्राधिकरण की ओर से नियमानुसार स्वीकृति प्रदान की गई।
4. डीएम ने नैनीताल से भवाली रोड के बीच सार्वजनिक शौचालय का निर्माण, महिला स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों के लिए आउटलेट का निर्माण, हल्द्वानी से ज्योलीकोट मार्ग में भी सार्वजनिक शौचालय निर्माण किए जाने की बात की। इस संबंध में डीपीआर बनाने के निर्देश दिए गए हैं।

हनीमून पर पत्नी को जड़ा थप्पड़, कान का पर्दा फटा

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- दहेज उत्पीड़न व घरेलू हिंसा का आरोप
- पति व ससुरालियों पर लिखाया मुकदमा

अमृत विचार : हनीमून के लिए अंडमान निकोबार ले जाने वाले पति ने पत्नी के साथ हैवानियत की हदें पार कर दीं। उसने पत्नी से बुरी तरह मारपीट की और ऐसा थप्पड़ जड़ा कि कान के पर्दे में छेद हो गया। उत्पीड़न का यह सिलसिला ससुराल में भी जारी रहा और आरोप है कि पति के साथ उसके ससुरालियों ने भी उस पर जुल्म ढाए। महिला समाधान केंद्र में महिला ने अपने पति, सास-ससुर व देवर गंभीर आरोप लगाए। मामले में हल्द्वानी कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

सर्वोदय कॉलोनी डहरिया हल्द्वानी निवासी नेहा खाती पुत्री स्व. रूपसिंह बिष्ट ने पुलिस को बताया कि उसका विवाह 3 मार्च 2024 को पिथौरागढ़ निवासी निर्मल खाती के साथ हुआ था। विवाह में पीड़िता के परिजनों ने सामर्थ्य अनुसार दान दिया। नेहा का आरोप है कि विवाह के कुछ समय बाद ही पति का व्यवहार बदल गया। हनीमून के दौरान अंडमान निकोबार में पति ने मारपीट की, जिससे उसके कान के पर्दे में छेद हो गया। पति द्वारा शक के आधार पर लगातार गाली-गलौच, चरित्र पर टिप्पणी और मारपीट की जाती रही। सास ने पिता की तीन लाख रुपये की एफडी तुड़वाने का दबाव बनाया गया। मना करने पर पति ने पीटा। गर्भावस्था के दौरान भी मानसिक प्रताड़ना दी। पुत्री के जन्म के बाद तथा पिता के निधन के समय भी ससुराल पक्ष का व्यवहार अमानवीय रहा। कई बार समझौते और लिखित माफी के बावजूद उत्पीड़न बंद नहीं हुआ। अगस्त 2025 में ससुराल में नजरबंद कर दिया गया, जिसके बाद परिजन मदद से उसे मायके लाया गया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि पति आईटी इंजीनियर है।

इसके बावजूद उसने पत्नी व नवजात बेटी के भरण-पोषण की व्यवस्था नहीं की। कोतवाल विजय मेहता का कहना है कि महिला की तहरीर पर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर आरोपों की जांच की जा रही है।

छड़ायल चौराहे पर विवाद के बाद युवक से की मारपीट, मुकदमा दर्ज

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- बाइक से जा रहा था पीड़ित, ब्रेक लगाने पर पीछे से आ रही महिला से हुआ विवाद

अमृत विचार : छड़ायल चौराहे पर ब्रेक लगाने को लेकर हुए विवाद के बाद एक युवक के साथ मारपीट और धमकी देने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने कोतवाली हल्द्वानी में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पंचवटी कॉलोनी तीनताश देवलचौड़ निवासी विक्रम सिंह देऊपा पुत्र स्व. गोपाल सिंह देऊपा ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 2 जनवरी को वह अपने ममेरे भाई गौरव मेहता के साथ बाइक से छड़ायल चौराहे से अपने घर की ओर जा रहा था। इसी दौरान दोपहर करीब ढाई बजे एक स्कूटी सवार महिला तनुजा ठाकुर अपने पति के साथ पीछे से आ रही थी। वाहन मोड़ते समय ब्रेक लगाने की बात को लेकर महिला ने अभद्र व्यवहार किया गया और विरोध करने पर धमकियां दी गईं। पीड़ित के अनुसार, वह माफी मांगकर आगे बढ़ गया, लेकिन करीब 200 मीटर आगे महिला ने अपने भाई विशाल ठाकुर, अंकित ठाकुर और हेमंत ठाकुर निवासी हल्दूपोखरा नायक आनन्दपुर को मौके पर बुला लिया। आरोप है कि तीनों ने रास्ता रोककर युवक के साथ गाली-गलौच शुरू कर दी और उसके घर लिया और गाली-गलौच करते हुए मारपीट शुरू कर दी। इसके बाद जान से मारने की धमकी देते हुए आरोपी फरार हो गए। कोतवाल विजय मेहता ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

कड़ाके की ठंड में भी स्विमिंग जारी

हल्द्वानी: अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम गौलापार में बने स्विमिंग पूल में कड़ाके की ठंड के बावजूद लोगों का तैराकी के प्रति उत्साह देखने को मिल रहा है। जब तापमान 10 डिग्री सेल्सियस तक गिर चुका है, ऐसे समय में भी युवा और फिटनेस प्रेमी नियमित रूप से स्विमिंग के लिए पहुंच रहे हैं। ठंड में तैराकी करना मुश्किल माना जाता है, वहीं नियमित तैराक इसे स्वास्थ्य के लिए बेहद लाभकारी बता रहे हैं। तैराकों का कहना है कि ठंडे पानी में स्विमिंग करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ती है और मानसिक मजबूती भी मिलती है। इसके साथ ही यह फिट रहने का बेहतर माध्यम भी है।

बांग्लादेश में हिंदुओं संग हिंसा पर आक्रोश

संवाददाता, हल्द्वानी

- हिंदुओं पर अत्याचार का मुद्दा यूएन में उठाए सरकार: सुमित
- कहा, योजनाबद्ध तरीके से हिंदुओं पर बनाया जा रहा है निशाना

अमृत विचार: बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर हो रहे अत्याचारों को रुकवाने की मांग को लेकर कांग्रेस ने राष्ट्रपति को ज्ञापन भेजा। एसडीएम कोर्ट में कांग्रेसियों ने हिंदुओं पर हो रहे अत्याचार के खिलाफ नारेबाजी भी की। ज्ञापन में कहा कि बांग्लादेश में तख्तापलट के बाद अराजक परिस्थितियों के बीच हिंदू समुदाय व अन्य अल्पसंख्यकों पर अत्याचार हो रहे हैं।

विधायक सुमित हृदयेश ने कहा कि बांग्लादेश में असामाजिक तत्व हिंदू समुदाय को योजनाबद्ध तरीके से निशाना बना रहे हैं। यह घटनाएं न केवल मानवाधिकार का घोर उल्लंघन हैं, बल्कि क्षेत्रीय शांति एवं स्थिरता के लिए भी गंभीर खतरा उत्पन्न कर रही हैं। कहा कि केंद्र सरकार इस गंभीर विषय पर तत्काल संज्ञान लेते हुए बांग्लादेश में हिंदू समुदाय एवं समस्त अल्पसंख्यकों के विरुद्ध हो रही हिंसक घटनाओं को रोकने के लिए शीघ्र, ठोस और प्रभावी कदम उठाए। साथ ही मांग रखी कि भारत सरकार संयुक्त राष्ट्र संघ एवं अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग जैसे वैश्विक मंचों पर इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाते हुए बांग्लादेश में पीड़ित हिंदू समुदाय की सुरक्षा एवं संरक्षण हेतु ठोस पहल करे।

इस दौरान जिलाध्यक्ष राहुल छिमवाल, महानगर अध्यक्ष गोविंद सिंह बिष्ट, हरीश मेहता, सतीश नैनवाल, मलय बिष्ट, भोला दत्त भट्ट, राजेन्द्र सिंह बिष्ट रज्जी, सुहैल सिद्दीकी, महिला जिलाध्यक्ष खष्टी बिष्ट, मधु सांगुड़ी, कमला सनवाल, नीमा भट्ट, जया कर्नाटक, शोभा बिष्ट, पार्षद भागीरथी बिष्ट, जाकिर हुसैन, मुकुल बलुटिया, इकराम, सराफत खान, जुबैर, अरमान खान, चंदन भाकुनी, बबलू बिष्ट थे।

ज्ञापन देकर बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा की मांग करते कांग्रेसी।

सख्ती | पहाड़ की महिलाओं और देवी-देवताओं पर अपमान जनक टिप्पणी करने का आरोप, दराती भी की बरामद

सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ज्योति अधिकारी गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- अंकिता भंडारी मर्डर मामले में प्रदर्शन के दौरान लहराई थी दराती

अमृत विचार : अपनी बेबाकी के लिए जानी जाने वाली सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर ज्योति अधिकारी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एक महिला की तहरीर पर ज्योति के खिलाफ मुखानी थाना पुलिस ने कई गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। ज्योति पर पहाड़ की महिलाओं और देवी-देवताओं के अपमान का आरोप है। गुरुवार को पुलिस ने उन्हें थाने बुलाकर करीब साढ़े पांच घंटे तक पूछताछ की और बाद में गिरफ्तार कर लिया।

हिम्मतपुर मल्ला ऊंचापुल मुखानी निवासी जूही चुफाल ने हरिपुर लालमणी, किशनपुर घुड़दौड़ा निवासी ज्योति अधिकारी पत्नी गोपाल सिंह अधिकारी के खिलाफ तहरीर दी। जूही ने आरोप लगाया कि उन्हें सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे विभिन्न वीडियो के जरिये जानकारी में आया कि ज्योति अधिकारी ने सार्वजनिक स्थान पर एक दराती को लहराते हुए उत्तराखंड की महिलाओं, संस्कृति और उत्तराखंड के देवी-देवताओं पर बेहद अपमानजनक कथन, टिप्पणी और भद्दी भाषा का प्रयोग किया। इस प्रकार ज्योति अधिकारी ने खुले आम सार्वजनिक स्थान पर दराती लहराते हुए अपने इस कथन और कृत्य से स्थानीय संस्कृति के प्राचीन हिन्दू भगवान, देवी-देवताओं का घोर अपमान किया है।

मुखानी थानाध्यक्ष सुशील जोशी ने बताया कि तहरीर के आधार पर ज्योति अधिकारी के खिलाफ आर्म्स एक्ट की धारा 27, 192, 196, 299 व 302 के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था। उन्हें नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने व पूछताछ के लिए बुलाया गया था। गुरवार को ज्योति से करीब साढ़े पांच घंटे पूछताछ की गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने ज्योति अधिकारी को गिरफ्तार कर लिया तथा उनके कब्जे से वह दराती भी बरामद कर ली जो कि प्रदर्शन के दौरान उन्होंने कथित रूप से लहराई थी। उल्लेखनीय है कि उत्तराखंड में अंकिता भंडारी ही हत्या के विरोध में जगह-जगह विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। आरोप है कि ऐसे ही एक प्रदर्शन में ज्योति अधिकारी ने अपमानजनक टिप्पणी की थी।

‘बच्ची है, जिगरा है तो मैदान में आना’

हल्द्वानी : पुलिस ने नोटिस ज्योति अधिकारी के घर पहुंच कर उन्हें तामील कराया। इस दौरान ज्योति लगातार लाइव वीडियो बनाती रहीं। जब वह अपने पति के साथ कार में सवार होकर घर से थाने के लिए निकलीं तो उन्हें फिर एक लाइव वीडियो बनाया, जिसमें उन्होंने मुकदमा दर्ज करने वाली जूही को निशाने पर लिया। वीडियो में उन्होंने कहा, “जिसने भी ये केस किया है, सुनने आया है वो भी महिला ही है, बच्ची है। मैं उस महिला से कहना चाहती हूं, बहन आना जरूर सामने। ऐसा न हो ऑनलाइन केस करके फिर आप घर में रहें। तो जिगरा थोड़ा मैदान में भी आकर दिखाओ। तो मैं तो निकल गई बहन अगर तेरे में थोड़ा भी जिगरा है तो सामने आ जाना आज। हम भी देख लेंगे। क्यों, नेताड़ी बनने का ज्यादा शौक चढ़ा है, आजा सारे शौक निकलवाऊं मैं।”

कफ सिरप के कुछ सैंपलों की जांच रिपोर्ट आई, बाकी में लगेगा समय

संवाददाता, हल्द्वानी

- देहरादून में हो रही कफ सिरपों की जांच
- पूरे राज्य से लिए गए हैं कफ सिरपों के सैंपल

अमृत विचार: अक्टूबर माह में उत्तराखंड में कफ सिरपों की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया गया था। देश के कुछ हिस्सों में कफ सिरपों से हुई मौत के बाद यह एक्शन लिया गया था। पूरे राज्य से 350 से ज्यादा कफ सिरपों के सैंपल लिए गए थे। अब इनकी जांच देहरादून में की जा रही है। नैनीताल जिले से भी कई सैंपल भेजे गए थे। हालांकि अभी सबकी रिपोर्ट में आने में समय लगेगा।

अक्टूबर माह में औषधि नियंत्रक विभाग एक्शन मोड में रहा था। बच्चों के साथ ही बड़ों के भी कफ सिरपों की जांच की गई थी। बच्चों को दी जाने वाली दवाओं को बिना डॉक्टर के पर्चे के दिए जाने पर पाबंदी लगा दी गई थी। साथ ही कुछ दुकानों और फर्मों पर कार्रवाई भी की गई। नैनीताल जिले में सरकारी, निजी अस्पतालों, मेडिकल स्टोरों और गोदामों से सैंपल लेकर जांच के लिए भेजे गए थे। सैंपल भेजे गए ढाई माह का समय हो गया है। अभी रिपोर्ट नहीं आ पाई है। इस वजह से कुछ सरकारी अस्पतालों में कफ सिरपों को नहीं दिया जा रहा है क्योंकि वहां से रिपोर्ट आने का इंतजार किया जा रहा है। मेडिकल स्टोर स्वामी भी रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं। औषधि नियंत्रक विभाग के अनुसार देहरादून में सभी सैंपलों की जांच हो रही है। नैनीताल जिले से भेजे गए कुछ सैंपलों की जांच रिपोर्ट आ गई है। अभी तो जो रिपोर्ट आई है वह सही है। वहां पूरे राज्य से सैंपल लेकर जांच की गई है, जिस वजह से पूरी रिपोर्ट आने में समय लग रहा है। औषधि नियंत्रक विभाग की ड्रग इंस्पेक्टर मीनाक्षी बिष्ट ने बताया कि समय आने पर रिपोर्टों की जानकारी दी जाएगी।

सिटी ब्रीफ

9वें ओवर में ही जीत गई विनिंग एज एकेडमी

चोरगलिया: लाखन मंडी चोरगलिया इंटर कॉलेज के प्रांगण में चल रहे मैच के आठवें दिन आज नैनीताल फॉरेस्ट क्लब की टीम पहले खेलते हुए 14 ओवर में 110 रन बनाकर ऑल आउट हो गई। जवाब में विनिंग एज एकेडमी ने 9वें ओवर में पांच विकेट पर 111 रन बनाकर जीत हासिल की। मैन ऑफ द मैच योगेंद्र रहे। आयोजन समिति के अध्यक्ष सुमित खनवाल, सचिव दीपक जोशी, कोषाध्यक्ष सोनू कुमार, पूर्व जिला पंचायत सदस्य प्रदीप फत्याल, विनोद बजेठा, इको टूरिज्म विकास समिति अध्यक्ष विनोद चौसाली, पूर्व बीडीसी पंकज बजेठा, टीकम देउपा, कोषाध्यक्ष कैलाश पनेरु, बीडीसी योगी मेहरा, दीपक चौसाली, कन्नू रूबाली व आनंद तिवारी आदि ने जीतने पर टीम को बधाई दी।

हल्द्वानी से घूमने आया व्यक्ति लापता

रामनगर: पत्नी के साथ घूमने आया एक व्यक्ति के रहस्यमय ढंग से लापता होने का मामला सामने आया है। पुलिस ने पत्नी की तहरीर के आधार पर गुमशुदगी दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ममता देवी पत्नी हरपाल, निवासी राजपुरा, हल्द्वानी ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वह अपने पति हरपाल (उम्र 45 वर्ष) के साथ 4 जनवरी को रामनगर घूमने आई थीं। इसी दौरान उनके पति बिना बताए फाइकस गार्डन से कहीं चले गए। काफी तलाश करने के बावजूद उनका कोई सुराग नहीं लग पाया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया कि मामले में गुमशुदगी दर्ज कर ली गई है और पुलिस गुमशुदा व्यक्ति की तलाश कर रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही लापता व्यक्ति के संबंध में जानकारी मिल जाएगी।

पर्यावरणविद् प्रोफेसर गाडगिल के निधन पर शोक जताया

नैनीताल: इकोलॉजी और पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रख्यात पर्यावरणविद् प्रोफेसर माधव गाडगिल का 83 वर्ष की आयु में पुणे में निधन हो गया। कुमाऊं विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (कूटा) ने प्रोफेसर गाडगिल के निधन पर गहरा शोक व्यक्त करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। कूटा पदाधिकारियों ने कहा कि प्रो. गाडगिल ने भारतीय विज्ञान संस्थान, बेंगलुरु में पारिस्थितिकी विज्ञान केंद्र की स्थापना की थी तथा नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व के गठन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। गाडगिल समिति की रिपोर्ट के माध्यम से उन्होंने पश्चिमी घाट को पारिस्थितिक रूप से संवेदनशील क्षेत्र घोषित करने की सिफारिश की थी। उनके योगदान के लिए उन्हें पद्म श्री, पद्म भूषण और वर्ष 2024 में संयुक्त राष्ट्र का 'चैंपियंस ऑफ द अर्थ' पुरस्कार प्रदान किया गया था। इस मौके पर प्रो. ललित तिवारी, डॉ. नीलू, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. युगल जोशी, डॉ. संतोष कुमार, डॉ. कुबेर गिनती, डॉ. शिवांगी, डॉ. दीपिका गोस्वामी रहे।

कॉर्बेट पार्क में सफारी के दौरान मोबाइल फोन पर लगेगा प्रतिबंध

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद कॉर्बेट पार्क प्रशासन ने कवायद की तेज

विनोद पपने, रामनगर

अमृत विचार: कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के सभी पर्यटन जोनों में अब सफारी के दौरान पर्यटकों को मोबाइल फोन ले जाने पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी की जा रही है। अब पार्क के भीतर किसी भी पर्यटक, वन कर्मी, नेचर गाइड या जिप्सी चालक को मोबाइल फोन रखने की अनुमति नहीं होगी। यह निर्णय सुप्रीम कोर्ट के हालिया आदेश के बाद लिया जा रहा है।

सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि टाइगर रिजर्व के कोर हैबिटेट और पर्यटन क्षेत्रों में सफारी के दौरान मोबाइल फोन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जाए, ताकि वन्यजीवों की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके और प्राकृतिक वातावरण में किसी भी प्रकार का मानवीय हस्तक्षेप रोका जा सके। कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के निदेशक डॉ. साकेत बडोला ने इसकी पुष्टि की है। वहीं उपनिदेशक राहुल मिश्रा ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश में यह स्पष्ट किया गया है कि सफारी के दौरान स्मार्टफोन का उपयोग नहीं किया जाएगा। हालांकि पर्यटक प्रोफेशनल कैमरे, जैसे डीएसएलआर कैमरा अपने साथ ले जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पार्क प्रशासन कोर्ट के निर्देशों को प्रभावी ढंग से लागू करने की तैयारी कर रहा है और इसके लिए आवश्यक गाइडलाइन तैयार की जा रही हैं। जल्द ही सफारी के दौरान मोबाइल फोन पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिए जाएंगे और पर्यटकों को प्रवेश द्वार पर ही फोन जमा करना होगा।

वन्यजीव प्रेमियों ने किया स्वागत

वन्यजीव प्रेमियों ने इस निर्णय का स्वागत किया है। वन्यजीव प्रेमी एवं नेचर गाइड संजय छिम्वाल का कहना है कि पूर्व में कुछ ऐसी घटनाएं सामने आई हैं, जिनके बाद न्यायालय द्वारा मोबाइल फोन पर प्रतिबंध का निर्णय लिया गया। संजय छिम्वाल का कहना है कि मोबाइल फोन से वीडियो या फोटो बनाने के दौरान कई बार पर्यटक या गाइड अत्यधिक नजदीक चले जाते हैं, जिससे उनकी जान को खतरा होता है और वन्यजीव भी तनाव में आ जाते हैं। इसके अलावा, कुछ प्रतिबंधित क्षेत्रों में नेटवर्क उपलब्ध होने के कारण पार्क के भीतर जानवरों की मूवमेंट की जानकारी आपस में साझा की जाती है, जिससे किसी विशेष स्थान पर जिप्सियों की भीड़ बढ़ जाती है। यह स्थिति न केवल वन्यजीवों बल्कि पर्यटकों की सुरक्षा के लिए भी जोखिमपूर्ण है। वन्यजीव फोटोग्राफर दीप रजवार का कहना है कि मोबाइल फोन से जंगलों में रील बनाना और रील बनाने के लिए वन्यजीवों के पास तक चले जाना गलत है। इससे पर्यटक वन्यजीवों को असहज तो करते ही हैं, साथ ही अपनी जान को भी खतरे में डाल देते हैं। मोबाइल पर प्रतिबंध स्वागत योग्य कदम है।

पर्यटकों के साथ ही स्टाफ भी नहीं रख सकेगा मोबाइल

प्रस्तावित व्यवस्था के तहत देश-विदेश से आने वाले पर्यटक, पंजीकृत टूर गाइड, जिप्सी एवं सफारी वाहन चालक, नेचरलिस्ट, कोर जोन में कार्यरत होटल एवं लॉज संचालक तथा पार्क के भीतर प्रवेश करने वाला कोई भी स्टाफ मोबाइल फोन अपने पास नहीं रख सकेगा। नियम का उल्लंघन करने पर संबंधित व्यक्ति के विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व में ढिकाला, सर्पदुली, गैरल, सुल्तान, बिजरानी, झिरना, गर्जिया, सोनानदी, दुर्गा देवी, पाखरो, मुंडिया पानी, तराई पश्चिमी का फाटो जोन सहित रामनगर वन प्रभाग के सितावनी, पवलगढ़ और कॉर्बेट हेरिटेज सफारी जोन शामिल हैं, जहां से सफारी और नाइट स्टे की सुविधा उपलब्ध है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद इन सभी पर्यटन जोनों में सफारी के दौरान मोबाइल फोन उपयोग पर जल्द ही पूर्ण प्रतिबंध लागू किया जाएगा।

मारपीट के मामले में मुकदमा दर्ज

नैनीताल: नैनीताल के समीपवर्ती मंगोली गांव निवासी गजेंद्र सिंह मेहरा के साथ हुई मारपीट के मामले में पुलिस ने प्रारंभिक जांच के बाद मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीड़ित गजेंद्र सिंह मेहरा के अनुसार बीते दिनों वह अपने कार्य निपटाकर गांव मंगोली लौट रहे थे। इसी दौरान गांव के प्राथमिक विद्यालय के समीप एक व्यक्ति ने उन पर अचानक हमला कर दिया, जिससे उनके सिर में गंभीर चोट आई। आरोप है कि हमलावर ने उनके पास मौजूद न्यायालय से संबंधित महत्वपूर्ण दस्तावेज फाड़ दिए, मोबाइल फोन तोड़ दिया तथा सोने की अंगूठी और चेन छीन ली। इसके साथ ही उन्हें और उनके परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी गई। घटना की सूचना तत्काल 112 पर दी गई, लेकिन अगले दिन मंगोली चौकी तथा बाद में नैनीताल कोतवाली पहुंचने पर भी शिकायत दर्ज नहीं किए जाने का आरोप पीड़ित ने लगाया था। मामले के संज्ञान में आने के बाद पुलिस द्वारा प्रारंभिक जांच की गई। कोतवाली प्रभारी निरीक्षक हेम चंद्र पंत ने बताया कि जांच के उपरांत मंगोली निवासी किशन सिंह मेहरा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

कैंचीधाम क्षेत्र के अग्निशमन उपकरणों की सघन जांच की

संवाददाता, नैनीताल

- अग्निशमन विभाग ने स्टाफ को दिया फायर सेफ्टी का प्रशिक्षण

अमृत विचार: अग्निशमन केंद्र नैनीताल ने अग्नि सुरक्षा को लेकर क्षेत्र में सघन अभियान चलाया। गुरुवार को अग्निशमन अधिकारी देवेंद्र सिंह नेगी के नेतृत्व में कैंचीधाम में स्थित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों का अग्नि सुरक्षा व्यवस्था के दृष्टिकोण से निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान अग्निशमन अधिकारी ने प्रतिष्ठानों में उपलब्ध अग्नि सुरक्षा उपकरणों, फायर एक्सटिंग्यूशर, आपातकालीन निकास मार्ग, विद्युत वायरिंग एवं गैस सिलेंडरों की स्थिति का बारीकी से अवलोकन किया। इस अवसर पर प्रतिष्ठानों में कार्यरत स्टाफ को फायर एक्सटिंग्यूशर के माध्यम से आग बुझाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी दिया गया। प्रशिक्षण के दौरान आग लगने की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया, प्राथमिक उपाय तथा जान-माल की सुरक्षा के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारियां साझा की गईं। अग्निशमन अधिकारी नेगी ने निरीक्षण के दौरान कई प्रतिष्ठानों में पाई गई अग्नि सुरक्षा संबंधी कमियों की ओर ध्यान दिलाया और उन्हें शीघ्र दुरुस्त करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही संबंधित प्रतिष्ठान संचालकों को आवश्यक सुधार को सुझाव दिए गए तथा नियमों का पालन सुनिश्चित करने के लिए नोटिस भी निर्गत किए गए।

अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि कैंचीधाम जैसे भीड़-भाड़ वाले धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों पर अग्नि सुरक्षा अत्यंत आवश्यक है। समय रहते सुरक्षा मानकों का पालन करने से संभावित हादसों को रोका जा सकता है। उन्होंने सभी व्यापारियों एवं संस्थानों से अपील की कि वे अग्नि सुरक्षा नियमों का कड़ाई से पालन करें और आवश्यक उपकरण सदैव क्रियाशील अवस्था में रखें। अग्निशमन विभाग की इस कार्रवाई से क्षेत्र में अग्नि सुरक्षा के प्रति जागरुकता बढ़ी है और भविष्य में भी ऐसे निरीक्षण अभियान जारी रखने की बात कही गई।

पानी के टैंकों में दो साल से नहीं हुआ संयोजन, जनता परेशान

संवाददाता, भीमताल

भीमताल नगर क्षेत्र में निर्मित सूखे पेयजल टैंक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: भीमताल नगर क्षेत्र में लाखों रुपये की लागत से निर्मित पेयजल टैंक योजना फिलहाल निष्प्रभावी बनी हुई है। करीब दो वर्ष पूर्व, जब भीमताल नगर पालिका नगर पंचायत हुआ करती थी, उस समय पानी की समस्या को देखते हुए नगर क्षेत्र में 30 केएल और 40 केएल क्षमता के चार पेयजल टैंकों का निर्माण किया गया था, लेकिन आज तक इनमें पानी का संयोजन नहीं किया जा सका है।

नगर पालिका सूत्रों के अनुसार प्रत्येक पेयजल टैंक पर पेयजल लाइन सहित लगभग 14 से 15 लाख रुपये की लागत आई थी। क्षेत्रवासियों का आरोप है कि टैंकों का निर्माण होने के बावजूद पानी की कोई व्यवस्था नहीं की गई, जिससे पूरी योजना बेकार पड़ी है। विशेषज्ञों का कहना है कि लंबे समय तक टैंक खाली रहने से उनके क्षतिग्रस्त

सीमा टम्टा।

मनोज भट्ट।

या फटने की आशंका बढ़ जाती है। मामले को लेकर क्षेत्रवासियों ने भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश को अवगत कराते हुए जांच की मांग की है। नगर पालिका के अवर अभियंता महेंद्र धोनी ने बताया कि उनके स्तर से निर्माण भुगतान नहीं किया गया है तथा भुगतान संबंधी जानकारी उन्हें उपलब्ध नहीं है। नगर पालिका अध्यक्ष सीमा टम्टा ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है और संबंधित ठेकेदारों को नोटिस जारी कर टैंकों में पानी की व्यवस्था कराने व निरीक्षण के निर्देश दिए गए हैं। वहीं भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट ने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

युवती की शिकायत पर युवक के खिलाफ केस

नैनीताल: तल्लीताल थाना क्षेत्र निवासी एक युवती ने एक युवक पर लगातार परेशान करने के आरोप लगाए हैं। युवती की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पीड़िता के अनुसार वह युवक को स्कूल के समय से जानती थी और दोनों के बीच पूर्व में मित्रता व संपर्क रहा है। एक विवाद के बाद युवती ने उससे संबंध समाप्त कर लिए, लेकिन इसके बावजूद युवक लगातार उससे बात करने और मिलने का दबाव बना रहा था। युवती का आरोप है कि मना करने के बाद भी युवक जबरन संपर्क करने की कोशिश करता रहा। युवती ने बताया कि आरोपी प्रतिदिन अलग-अलग मोबाइल नंबरों से सैकड़ों बार फोन करता है। कई बार बिना सूचना उसके घर पहुंचकर परेशान किया गया तथा घर के बाहर खड़े होकर इंतजार भी किया गया। तल्लीताल थाने की एसआई बबीता ने बताया कि शिकायत के आधार पर थाना क्षेत्र निवासी रजत के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।

बिंदुखत्ता को राजस्व गांव घोषित करने को लेकर सीएम को ज्ञापन भेजा

संवाददाता, लालकुआं

राजस्व गांव की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बिंदुखत्ता को राजस्व गांव घोषित किए जाने की मांग को लेकर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बिंदुखत्ता ने मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन तहसील प्रशासन को सौंपा। कांग्रेस नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि फरवरी माह के प्रथम सप्ताह तक राजस्व गांव की अधिसूचना जारी नहीं की गई, तो कांग्रेस जन आंदोलन के लिए बाध्य होगी।

स्थानीय तहसील में वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष पुष्कर सिंह दानू ने कहा कि बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित करने की मांग वर्षों से लंबित है, जिसके कारण लोगों को केंद्र और राज्य सरकार की कई जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा कि एक ओर मुख्यमंत्री द्वारा की गई राजस्व ग्राम घोषणा को निरस्त किया जाना और दूसरी ओर वनाधिकार कानून के अंतर्गत पहले से स्वीकृत सामुदायिक दावों पर आपत्ति लगाकर उन्हें पुनः परीक्षण के लिए अधीनस्थ समितियों को भेजा जाना आम जनता को स्वीकार नहीं है। इससे ग्रामवासियों में भारी रोष व्याप्त है। पुष्कर सिंह दानू ने कहा कि यदि फरवरी के प्रथम सप्ताह तक राजस्व गांव की अधिसूचना जारी नहीं की गई, तो कांग्रेस सर्वदलीय आंदोलन खड़ा करेगी और जनसंघर्ष के माध्यम से सड़कों पर उतरेगी, जिसकी पूरी जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी। ज्ञापन सौंपने वालों में ब्लॉक अध्यक्ष पुष्कर दानू, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता हरेंद्र बोरा, वीना जोशी, हेमवती नंदन दुर्गापाल, राजेंद्र खनवाल, कुंदन सिंह मेहता, लक्ष्मण धपोला, रमेश कुमार, बालम बिष्ट, गुरुदयाल मेहरा, प्रदीप बथ्याल, मोहन कुड़ाई, गोविंद बल्लभ भट्ट, सोनू टाकुली, नारायण बिष्ट, अर्पित बिसोती, चंदन बोरा, भगवत शरण, शहीद सिद्दीकी, गंगा सिंह मेहता रहे।

जिला जज को ट्रांसफर पर दी विदाई

संवाददाता, नैनीताल

जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरीश कुमार गोयल को विदाई देते हुए बार संघ पदाधिकारी।

अमृत विचार: जिला एवं सत्र न्यायाधीश हरीश कुमार गोयल के स्थानांतरण पर जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने भावभीनी विदाई समारोह आयोजित किया गया। अधिवक्ताओं ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए कहा कि उनके कुशल नेतृत्व में बार और बेंच के बीच समन्वय और संवाद को नई मजबूती मिली।

बार एसोसिएशन अध्यक्ष भगवत प्रसाद ने अपने संबोधन में कहा कि जिला जज हरीश कुमार गोयल का कार्यकाल न्यायप्रिय संतुलित एवं अधिवक्ताओं के हितों के प्रति संवेदनशील रहा। वहीं बार संघ के सचिव ने कहा कि वे सदैव बार के संरक्षक की भूमिका में रहे और अधिवक्ताओं को हर स्तर पर सहयोग प्रदान किया। उनके मार्गदर्शन में न्यायिक प्रक्रिया के साथ व्यवहारिक पहलुओं को समझने का भी अवसर मिला। बार संघ की ओर से जिला जज गोयल को स्मृति चिन्ह भेंट कर एवं शाल ओढ़ाकर सम्मानित किया गया। डीजीसी सुशील कुमार शर्मा, संजय सुयाल, नीरज साह, प्रदीप परगाई, शंकर चौहान, शिवांशु जोशी, रवि आर्य, पंकज कुमार, हितेश पाठक, मुकेश कुमार, अनिल बिष्ट, राजेश त्रिपाठी, एमबी सिंह रहे।

क्षतिग्रस्त जालियों से बढ़ा दुर्घटना का खतरा

नैनीताल: नगर के मल्लीताल क्षेत्र में बलरामपुर से सांई मंदिर तक जाने वाले घनी आबादी वाले मार्ग पर लंबे समय से क्षतिग्रस्त पड़ी जालियों के कारण दुर्घटना की आशंका बढ़ती जा रही है। स्थानीय लोगों ने इसे गंभीर समस्या बताते हुए लोक निर्माण विभाग (लोनिवि) से शीघ्र कार्रवाई की मांग की है। मामले को लेकर क्षेत्रवासियों ने लोनिवि के अधिशासी अभियंता (ईई) को ज्ञापन सौंपा। भाजपा मंडल के पूर्व उपाध्यक्ष एवं सामाजिक कार्यकर्ता भूपेंद्र सिंह बिष्ट ने बताया कि मल्लीताल के शेरवानी क्षेत्र अंतर्गत बलरामपुर से सांई मंदिर तक सड़क के दोनों ओर लगी जालियां क्षतिग्रस्त हैं, जिससे आए दिन दुर्घटनाएं हो रही हैं। यह मार्ग क्षेत्रवासियों के आवागमन का मुख्य रास्ता है।

ब्लॉक प्रमुख बिष्ट ने सुनीं समस्याएं

संवाददाता, भीमताल

खुर्पाताल के बजून-फगुनिया में भ्रमण करते ब्लॉक प्रमुख व अधिकारी।

अमृत विचार: भीमताल ब्लॉक प्रमुख डॉ. हरीश बिष्ट ने अधिकारियों के साथ न्याय पंचायत खुर्पाताल अंतर्गत बजून, फगुनिया खेत व आधोड़ा क्षेत्र का भ्रमण कर प्रस्तावित मोटर मार्ग का निरीक्षण किया।

फगुनिया खेत में हुए कार्यक्रम में ग्रामीणों ने बजून-फगुनिया खेत-आधोड़ा मोटर मार्ग की वर्षों पुरानी मांग को प्रमुखता से उठाया। ग्रामीणों ने बताया कि वर्ष 1980 से सड़क की मांग की जा रही है, लेकिन अब तक मार्ग का निर्माण नहीं हो पाया है। सड़क न होने से बच्चों की शिक्षा, बीमार व गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाने तथा कृषि उत्पादों को बाजार तक ले जाने में भारी परेशानी हो रही है। ग्रामीणों ने जंगली जानवरों के बढ़ते आतंक की समस्या भी रखी। उन्होंने जल संस्थान को पेयजल समस्या के समाधान और वन विभाग को जंगल किनारे घरों में सोलर लाइट लगाने के निर्देश दिए। यहां ग्राम प्रधान जानकी कोटलिया, हेमचंद्र जोशी, किशन चंद, भोपाल सिंह, देवेंद्र सिंह, हेम बहुखंडी, राज्य आंदोलनकारी संगठन जिलाध्यक्ष गणेश सिंह बिष्ट के अलावा लोक निर्माण विभाग के एई गोविंद सिंह जनौटी, पीएमजीएसवाई के प्रमोद जोशी, नेहा आमरीन मंसूरी रहे।

उत्तराखंड मुक्त विवि का 10वां दीक्षांत समारोह 12 को

हल्द्वानी: यूओयू का दसवां दीक्षांत समारोह आगामी 12 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। इस समारोह में राज्यपाल एवं विवि के कुलाधिपति लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह (सेवानिवृत्त) मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि उच्च शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत अति विशिष्ट अतिथि होंगे। विवि प्रबंधन के अनुसार दीक्षांत समारोह में शैक्षणिक उत्कृष्टता के लिए विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा। स्नातक स्तर पर 10 तथा स्नातकोत्तर स्तर पर 18 छात्र-छात्राओं को गोल्ड मेडल प्रदान किए जाएंगे। इसके अलावा दो प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को कुलाधिपति मेडल दिया जाएगा, जिसमें एक स्नातक और एक स्नातकोत्तर श्रेणी के विद्यार्थी शामिल होंगे। समारोह के दौरान चुनिंदा विषयों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को चार प्रायोजित मेडल भी प्रदान किए जाएंगे।

पहल | पीएचडी शोधार्थियों एवं रिसर्च एसोसिएट्स के साथ ओपन हाउस संवाद का आयोजन

कुलपति ने शोधार्थियों से शोध से जुड़ी समस्याओं पर की चर्चा

संवाददाता, नैनीताल

शोधार्थियों के साथ संवाद कार्यक्रम के दौरान कुलपति व अन्य। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कुमाऊं विश्वविद्यालय में कुलपति प्रो. दीवान सिंह रावत ने विश्वविद्यालय के दोनों परिसरों के पीएचडी शोधार्थियों एवं रिसर्च एसोसिएट्स के साथ एक ओपन हाउस संवाद का आयोजन किया। यह संवाद पूर्णतः शोधार्थी-केंद्रित रहा, जिसमें आंतरिक संकाय सदस्यों की उपस्थिति नहीं रखी गई, ताकि शोधार्थी बिना किसी संकोच के अपनी समस्याएं, सुझाव और अनुभव साझा कर सकें।

संवाद में बड़ी संख्या में शोधार्थियों ने सहभागिता करते हुए शोध से जुड़ी शैक्षणिक, प्रशासनिक एवं आधारभूत सुविधाओं से संबंधित विभिन्न मुद्दे उठाए। शोधार्थियों ने पेयजल की नियमित उपलब्धता, विद्युत आपूर्ति में व्यवधान, वाई-फाई कनेक्टिविटी की समस्याएं, शोध संबंधी सॉफ्टवेयर प्रशिक्षण की आवश्यकता तथा फैलोशिप में विलंब और प्रक्रियागत कठिनाइयों को प्रमुखता से रखा। इस दौरान कुलपति प्रो.डीएस रावत ने शोधार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शोध के लिए विश्वविद्यालय की कार्य-संस्कृति में निरंतर सुधार आवश्यक है। उन्होंने शोध की गुणवत्ता और अकादमिक उत्पादकता बढ़ाने पर जोर देते हुए छात्रों को अनुशासित ढंग से निरंतर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने शोध प्रकाशनों के संदर्भ में स्कोपस-सूचीबद्ध जर्नल्स में प्रकाशन को प्राथमिकता देने का आह्वान किया। कुलपति ने शोधार्थियों से प्राप्त फीडबैक को गंभीरता से सुनते हुए सभी बिंदुओं पर सकारात्मक एवं संवेदनशील दृष्टिकोण अपनाया।

उन्होंने आश्वासन दिया कि विश्वविद्यालय प्रशासन शोध-अनुकूल वातावरण के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है तथा संवाद में सामने आई समस्याओं के समाधान हेतु ठोस और व्यावहारिक कदम उठाए जाएंगे। कहा कि विश्वविद्यालय का भविष्य उसके शोधार्थियों की गुणवत्ता, प्रतिबद्धता और नवाचार क्षमता पर निर्भर करता है। उन्होंने शोध में अकादमिक अनुशासन और नैतिक शोध-आचरण को अपनाने पर भी विशेष बल दिया।

संवाद के दौरान शोधार्थियों ने विश्वविद्यालय प्रशासन द्वारा विगत दो वर्षों में उठाए गए विभिन्न कदमों की सराहना की। उन्होंने आंतरिक शोध अनुदान तथा राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों में सहभागिता हेतु प्रदान की गई वित्तीय सहायता को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे उनके शोध कार्य की गुणवत्ता और दृश्यता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। साथ ही शोध परिवेश को और सुदृढ़ बनाने के लिए शोधार्थियों ने कई रचनात्मक सुझाव भी प्रस्तुत किए।

रामनगर-देहरादून सीधी रेल सेवा शुरू होने की उम्मीदों को लगे पंख

संवाददाता, रामनगर

दिल्ली में केंद्रीय रेल मंत्री से वार्ता करते सांसद अनिल बलूनी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: गढ़वाल लोकसभा क्षेत्र के सांसद अनिल बलूनी ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव से मुलाकात करते हुए रामनगर से देहरादून के लिए सीधी रेल सेवा शुरू किए जाने की मांग की है। सांसद बलूनी ने रेलमंत्री को अवगत कराया कि रामनगर से देहरादून राजधानी तक सीधी रेल सेवा न होने तक कामकाजी लोगों के अलावा आम जनमानस को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है इसलिए रामनगर से देहरादून के लिए सीधी रेल सेवा शुरू किए जाने की नितांत आवश्यकता है। इसके अलावा उत्तराखंड संपर्क क्रांति एक्सप्रेस का पीरुमदारा स्टेशन पर दो मिनट ठहराव सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। केंद्रीय रेल मंत्री ने इस दिशा में शीघ्र कार्रवाई किए जाने का आश्वासन दिया है। बता दें कि रामनगर से देहरादून के लिए सीधी रेल सेवा शुरू किए जाने की मांग राज्य बनने के तुरंत बाद से की जा रही थी। लोगों को इस बात की भी नाराजगी थी कि रेलवे विभाग ने हरिद्वार को जाने वाली ट्रेन भी बंद कर दी है। अब सांसद बलूनी की पहल पर रामनगर से देहरादून के लिए रेल सेवा शुरू होने की स्थानीय नागरिकों की उम्मीदों को पंख लगते दिखने लगे है। विधायक दीवान सिंह बिष्ट ने सांसद अनिल बलूनी का आभार जताया है।

सिटी ब्रीफ

गौलापार बिजलीघर में लाइन मेंटेनेंस, छह घंटे बिजली आपूर्ति बंद

हल्द्वानी : लाइन मेंटेनेंस के लिए गुरुवार को गौलापार बिजलीघर से सुबह 9 बजे से शाम 3 बजे तक बिजली आपूर्ति ठप रही। इस दौरान क्षेत्रवासियों को छह घंटे तक कठिनाई का सामना करना पड़ा, वहीं ट्यूबवेल नहीं चलने से पानी की आपूर्ति भी प्रभावित हुई। ऊर्जा निगम के ईई प्रदीप कुमार ने बताया कि कार्य पूरा होते ही बिजली सप्लाई बहाल कर दी गई। उन्होंने कहा कि कटौती से पहले उपभोक्ताओं को सूचना दी जाती है।

जम्मू और कानपुर जाने वाली ट्रेनें निरस्त

हल्द्वानी : काठगोदाम से जम्मू तवी और कानपुर को जाने वाली साप्ताहिक ट्रेनें 31 मार्च तक के लिए निरस्त कर दी गई हैं। इज्जतनगर मंडल के वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक संजीव शर्मा ने जानकारी दी कि उत्तर रेलवे के जम्मूतवी मंडल में पुलों पर आवश्यक इंजीनियरिंग कार्य किया जा रहा है। इस कार्य के चलते रेल यातायात प्रभावित हुआ है और सुरक्षा कारणों से कई ट्रेनों को निरस्त किया गया है। इसी क्रम में काठगोदाम स्टेशन से संचालित साप्ताहिक काठगोदाम–जम्मूतवी एक्सप्रेस और काठगोदाम–कानपुर सेंट्रल एक्सप्रेस को 31 मार्च तक निरस्त रखा जाएगा। उल्लेखनीय है कि काठगोदाम से जम्मूतवी और कानपुर तक ट्रेन से सीधे जाने के लिए यही ट्रेनें हैं।

उत्तरायणी महोत्सव में गोल्डन झुमका गीत ने मचाया धमाल

उत्तरायणी महोत्सव में खेल प्रतियोगिताओं, स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक व्यंजनों की रही धूम, लोकसंगीत और स्थानीय संस्कृति से ओतप्रोत कार्यक्रमों की धूम

संवाददाता, हल्द्वानी

पर्वतीय उत्थान मंच में उत्तरायणी मेले का दीप जलाकर शुभारंभ करते मेयर गजराज सिंह बिष्ट। ● अमृत विचार

पर्वतीय उत्थान मंच में उत्तरायणी कौतिक में उपस्थित लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचारः पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच, हीरानगर में आयोजित नौ दिवसीय उत्तरायणी मेला (घुघुतिया त्यार) का गुरुवार को विधिवत शुभारंभ हुआ। मेले का उद्घाटन मेयर गजराज सिंह बिष्ट ने संरक्षक हुकुम सिंह कुंवर और अध्यक्ष खड़क सिंह बगड़वाल के साथ फीता काटकर और दीप प्रज्वलित कर किया। इस अवसर पर मेयर ने कुमाऊनी संस्कृति को नई ऊंचाइयों तक ले जाने और विश्व मंच पर पहचान दिलाने का आह्वान किया।

उद्घाटन समारोह में मेयर गजराज बिष्ट ने कहा कि कुमाऊनी संस्कृति को संरक्षित करने और युवा पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए समाज के सभी वर्गों को सामूहिक प्रयास करने होंगे। उन्होंने मंच के संस्थापक स्वर्गीय बलवंत सिंह चुफाल के योगदान को याद करते हुए कहा कि विषम परिस्थितियों में भी उन्होंने वर्ष 1982 में पर्वतीय सांस्कृतिक उत्थान मंच की नींव रखी। तब से आज तक मंच कुमाऊनी संस्कृति और लोक कला को सशक्त मंच प्रदान करता आ रहा है। मेयर ने मंच के पदाधिकारियों के अथक प्रयासों की सराहना की और मेले के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। महोत्सव में स्थानीय उत्पादों और पारंपरिक व्यंजनों की भी धूम रही। मेले में दूर-दराज़ क्षेत्रों से लोग भारी संख्या में पहुंचे और उन्होंने स्थानीय वस्तुएं खरीदीं तथा कुमाऊनी व्यंजनों का स्वाद लिया। सांस्कृतिक संध्या में लोकगायक जगदीश कांडपाल और राकेश जोशी ने अपनी प्रस्तुतियों से दर्शकों का मन मोह लिया। जगदीश कांडपाल ने "लछिमा", "गोल्डन क झुमका", "नैट में देखैंछे", "चाहा की चुस्की" और "देहरादून की भौजी" जैसे गीतों से दर्शकों की खूब वाहवाही लूटी। वहीं, राकेश जोशी ने "हिट दे साली म्यार दगड़", "समधी ज्यू", "राम सीता लखना" और "सुवा मेरी ड्राइवरा" जैसे गीतों पर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया।

उत्तरायणी महोत्सव के अंतर्गत खेल प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया। बालकों की जूनियर वर्ग की दौड़ में अनंत आर्य प्रथम, मो. अरहम द्वितीय और कुश पाठक तृतीय स्थान पर रहे। बालिकाओं की जूनियर वर्ग में दीक्षा रावत ने पहला, योगिता सुयाल ने दूसरा और मानवी भैसोड़ा ने तीसरा स्थान हासिल किया। सीनियर बालिकाओं में बबीता तिवारी प्रथम, आरती द्वितीय और प्रियांशी चौधरी तृतीय स्थान पर रहीं। बालकों के सीनियर वर्ग की दौड़ में दिव्यांशु कालाकोटी ने पहला, हरेंद्र बिष्ट ने दूसरा और जीत सिंह राणा ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इसके अलावा जूनियर वर्ग की शंख बजाओ प्रतियोगिता में काश्वी बोरा, वैभव पाठक और दिव्यांशी पाण्डे ने क्रमशः पहला, दूसरा और तीसरा स्थान प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में शौर्य सिंह अधिकारी प्रथम, यर्थाथ पंत द्वितीय और कपित बिष्ट तृतीय स्थान पर रहे।

उत्तरायणी कौतिक में अपनी प्रस्तुति देते जगदीश कांडपाल और राकेश जोशी।

उत्तरायणी महोत्सव ने पारंपरिक संस्कृति, लोक कला और खेल प्रतियोगिताओं को एक मंच पर प्रस्तुत कर लोगों को आनंद और उत्साह का अवसर प्रदान कर रहा है। यह आयोजन न केवल सांस्कृतिक विरासत को जीवंत रख रहा है, बल्कि युवाओं को अपनी जड़ों से जोड़ने का भी माध्यम बन रहा है। मेले में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। प्रमुख उपस्थितियों में हुकुम सिंह कुंवर, खड़क सिंह बगड़वाल, लक्ष्मण सिंह लमगड़िया, देवेंद्र तोलिया, गोपाल सिंह बिष्ट, त्रिलोक बनौली, शोभा बिष्ट, रत्ना श्रीवास्तव, भुवन चंद्र जोशी, धर्म सिंह बिष्ट, मोहन सिंह बोरा, हेम चंद्र भट्ट, तरुण नेगी, ललित बिष्ट, पुष्पा सम्मल, चंद्रशेखर परगांई, नीरज बगड़वाल, कमल किशोर, संदीप भैसोड़ा, कैलाश जोशी, मधु सांगुड़ी, मनोज जोशी, शैलेन्द्र दानू, एनबी गुणवंत, गोविंद बगड़वाल, मोहन पाठक और रितिक आर्या शामिल थे।

लीकेज सही करने पहुंची विभाग की टीम

संवाददाता, हल्द्वानी

गांधी नगर में निरीक्षण करते हुए जल संस्थान की टीम और ईई आरएस लोशाली।

अमृत विचारः गांधीनगर और बनभूलपुरा क्षेत्र के निवासियों के लिए राहत भरी खबर है। पिछले लंबे समय से घरों में गंदे और बदबूदार पानी की आपूर्ति से परेशान लोगों की शिकायतों का संज्ञान लेते हुए गुरुवार को जल संस्थान की टीम निरीक्षण के लिए मौके पर पहुंची। टीम ने प्रभावित इलाकों में पाइपलाइन के लीकेज सुधारने और नई लाइन बिछाने का काम शुरू कर दिया है।

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि क्षेत्र में बिछी पाइपलाइनें काफी पुरानी और जर्जर हो चुकी हैं। कई जगहों पर लीकेज होने के कारण सीवर और नालियों का गंदा पानी पीने के पानी में मिल रहा है। बदबूदार और मटमैले पानी के सेवन से स्थानीय लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है और क्षेत्र में संक्रमण फैलने का भय बना हुआ है। जल संस्थान के अधिशासी अभियंता आरएस.लोशाली ने बताया कि विभाग की प्राथमिकता हर उपभोक्ता तक नियमित और स्वच्छ पेयजल पहुंचाना है। उन्होंने कार्य की प्रगति साझा करते हुए कहा कि बनभूलपुरा में लीकेज पॉइंट चिह्नित करने के लिए खोदाई का काम तेजी से चल रहा है, वहीं गांधीनगर में जर्जर लाइनों को बदलने के लिए नई पाइपलाइन डालने का कार्य शुरू कर दिया गया है। इसके अलावा, जहां भी छोटे-मोटे लीकेज पाए जा रहे हैं, उन्हें तत्काल दुरुस्त किया जा रहा है। मरम्मत कार्य जल्द पूरा कर लिया जाएगा, जिससे उपभोक्ताओं को स्वच्छ और सुरक्षित जल की आपूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी।

खान विभाग का सर्वर ठप, सैकड़ों वाहन फंसे

- रवन्ना नहीं कटने से वाहन मालिकों को हो रही परेशानी

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

गौला नदी में फंसे वाहन। ● अमृत विचार

अमृत विचार : खनन विभाग का सर्वर ठप होने से रवन्ना नहीं कट सका जिस वजह से सैकड़ों वाहन नदी में फंस गए।

गौला नदी में 11 गेटों से उपखनिज निकासी होती है, नियमानुसार वाहन नदी से आरबीएम ढोकर पहुंचते हैं फिर इलेक्ट्रॉनिक कांटे पर तुलाई होती है। आरबीएम के वजन के अनुसार रॉयल्टी वसूली जाती है, जिसका रवन्ना काटा जाता है। यह रवन्ना खनन विभाग के सर्वर से काटा जाता है। गुरुवार को वाहन खनन के लिए नदी में गए लेकिन जैसे ही गेट पर पहुंचे। कुछ देर सर्वर ने काम भी किया लेकिन फिर ठप हो गया। इससे सैकड़ों वाहन नदी में ही फंस गए।

गौला खनन संघर्ष समिति अध्यक्ष रमेश चंद्र जोशी ने बताया कि गौला व नंधौर नदी में खनन व्यवस्था बदहाल है। उन्होंने आरोप लगाया कि वन विकास निगम की लापरवाही से वाहन बामुश्किल दो दिन में एक बार ही चक्कर लगा पा रहे हैं। कभी इलेक्ट्रॉनिक कांटों पर बार-बार आरबीएम उतारना पड़ता है, कभी सर्वर ठप हो जाता है। इसका सीधा नुकसान वाहन स्वामियों को होता है। वन निगम को खनन शुरू करने से पूर्व सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त करनी चाहिए।

गौला खनन मजदूर संघर्ष समिति अध्यक्ष राजेंद्र बिष्ट ने कहा कि कभी नया वर्ष हो तो पुलिस वाहनों को गेटों से बाहर नहीं निकलने देती है। अब खनन सुचारू हुआ तो सर्वर ठप हो गया और वाहन नदी में ही फंस गए। ऐसे में वाहन स्वामी को आर्थिक दिक्कतें होती हैं।

साढ़े चार हजार से अधिक वाहन नदी में फंसे

आंकड़ों के अनुसार गुरुवार सायं 5 बजे तक शीशमहल गेट पर 525, इंदिरा नगर 600, आंवला चौकी 540, गोरापड़ाव 900, लालकुआं 650, देवरामपुर 350, हल्दूचौड़ 400, बेरीपड़ाव 600 एवं मोटाहल्दू उपखनिज निकासी गेट पर 569 खनन वाहन नदी में फंस गए।

> खनन विभाग का सर्वर सुबह कुछ समय के लिए चला था लेकिन फिर ठप हो गया जिस वजह से नदी में वाहन फंस गए। इस बाबत जिला खनन अधिकारी से वार्ता की और उन्हें पत्र लिखा है। देहरादून भी वार्ता की गई है। देर सायं सर्वर चालू हो गया था, संभावना है कि शुक्रवार से नियमानुसार खनन होगा। **-धीरेश बिष्ट**, डीएलएम वन विकास निगम हल्द्वानी

151 वाहन अंदर फंसने से वाहन स्वामी परेशान

गौलापारः नन्धौर प्रथम गेट पर खान विभाग की लापरवाही के चलते आज भी 151 वाहन गेट के अंदर फंसे रहे, जिससे वाहन स्वामियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। गेट इंचार्ज टिटगाई ने बताया कि खान विभाग की कमी के कारण रमन्ना (परमिट) नहीं कट पाने से यह समस्या हो रही है। बताया कि कई बार संबंधित विभाग को फोन किया गया, लेकिन अब तक कोई परिणाम नहीं निकला। वहीं वाहन स्वामियों का कहना है कि इस तरह की अव्यवस्था के कारण उन्हें बार-बार चक्कर काटने पड़ रहे हैं। इससे समय और आर्थिक नुकसान दोनों हो रहे हैं। वाहन स्वामियों ने सवाल उठाया कि यदि इसी तरह उन्हें परेशान किया जाता रहा, तो उनके हो रहे नुकसान की भरपाई कौन करेगा। वाहन स्वामियों ने समस्या का स्थायी समाधान निकालने की मांग की है।

चित्रशिला घाट पर सफाई करते मेयर गजराज बिष्ट व अन्य।

चित्रशिला घाट में नगर निगम का सफाई अभियान

हल्द्वानी, अमृत विचार : मकर संक्रांति की तैयारियों के तहत नगर निगम ने गुरुवार को रानीबाग स्थित चित्रशिला घाट में सफाई अभियान चलाया। अभियान मेयर गजराज बिष्ट की मौजूदगी में संपन्न हुआ। इस दौरान घाट और आसपास के क्षेत्रों से कूड़ा हटाया गया और रास्तों की मरम्मत भी की गई। मेयर गजराज बिष्ट ने लोगों से अपील की कि वे घाट पर साफ-सफाई बनाए रखें और पर्यावरण को स्वच्छ रखने में सहयोग करें। इस अवसर पर पार्षद बबली वर्मा, सचिन साह, नीरज बिष्ट, सूरज रमोला, महेश भंडारी, गणेश आर्य, चंचल पांडे, भुवन शाह, पंकज सूर्या, शांति भट्ट, आशा नेगी, पदमा थापा सहित अन्य लोग मौजूद रहे। नगर आयुक्त परितोष वर्मा ने बताया कि अभियान का उद्देश्य मकर संक्रांति पर श्रद्धालुओं के लिए स्वच्छ और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करना है।

ग्रामीणों ने एसडीएम को बताईं समस्याएं

संवाददाता, हल्द्वानी

एसडीएम को ज्ञापन सौंपते अखिल भारतीय किसान महासभा बागजाला के सदस्य।

अमृत विचारः अखिल भारतीय किसान महासभा की बागजाला ग्राम कमेटी के प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी से मुलाकात कर गांव की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग की।

प्रतिनिधिमंडल ने 24 नवंबर 2025 को एसडीएम की मध्यस्थता में हुई बैठक के अनुरूप घरों व शौचालयों के निर्माण-मरम्मत की सूची व गांव की सड़कों के किनारे स्ट्रीट लाइट और सोलर लाइट लगाने संबंधी ज्ञापन सौंपा। इसके साथ ही भारत सरकार की जल जीवन मिशन योजना के तहत बागजाला में हर घर जल योजना के कार्य में आ रही बाधाओं को दूर कर पेयजल समस्या के समाधान की मांग की गई। भाकपा माले जिला सचिव डॉ. कैलाश पाण्डेय ने कहा कि स्ट्रीट लाइट न होने से रात में महिलाओं व बच्चों की सुरक्षा पर खतरा बना रहता है और जंगली जानवरों की मौजूदगी से समस्या और गंभीर हो गई है। उन्होंने शौचालय निर्माण पर लगी रोक हटाने की भी मांग की। सचिव डॉ. कैलाश पाण्डेय ने बताया कि गुरुवार को उपजिलाधिकारी से मिलकर उन्हें गांव की समस्याओं के बारे में अवगत कराया गया। उपजिलाधिकारी राहुल शाह ने बताया कि पेयजल आपूर्ति के लिए प्रस्ताव तैयार है और वन विभाग की स्वीकृति के बाद जल जीवन मिशन योजना शुरू कर दी जाएगी। उन्होंने निर्माण कार्यों की सूची पर विचार करने का आश्वासन दिया। प्रतिनिधिमंडल में वेद प्रकाश, विमला देवी, मीना भट्ट सहित अन्य लोग शामिल रहे।

श्रीकृष्ण की लीलाओं से भक्त हुए मंत्रमुग्ध

हल्द्वानीः श्री गिरिजा देवी सनातन सेवा समिति की ओर से आयोजित श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का पांचवा दिन गुरुवार को व्यास डॉ. नवीन जोशी ने भगवान के कृष्णावतार की कथा सुनाई। कहा कि जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान अवतार धारण करते हैं।

कथा में भगवान की माखन चोरी की लीलाओं का वर्णन करते हुए उन्होंने बताया कि भगवान को निर्मल हृदय वाले भक्त प्रिय हैं। कथा में मुख्य यजमान लाखन सिंह बिष्ट और सोवन सिंह बिष्ट रहे। भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष राजेन्द्र सिंह बिष्ट, डॉ. नीलाम्बर भट्ट और नवीन चन्द्र भट्ट ने व्यास पूजन किया। आचार्य प्रमोद जोशी, आचार्य प्रकाश चन्द्र जोशी, हेम चन्द्र शास्त्री, प्रशांत जोशी, शानू जोशी, आचार्य गोविन्द बल्लभ जोशी रहे।

मल्टी स्पेशलिटी अस्पताल की रिपोर्ट पेश करें : हाईकोर्ट

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार : हाईकोर्ट में प्रदेश भर के सरकारी अस्पतालों में बदहाल स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर दायर जनहित याचिका पर सुनवाई हुई। मामले की सुनवाई के मुख्य न्यायधीश जी नरेंद्र व न्यायमूर्ति सिद्धार्थ साह की खंडपीठ ने अगली सुनवाई के लिए 13 फरवरी 2026 की तिथि नियत की है।

गुरुवार को हुई सुनवाई पर राज्य सरकार ने पूर्व के आदेश की अनुपालन रिपोर्ट खंडपीठ के सम्मुख पेश की। जिसमें कहा गया कि नैनीताल के भवाली टीबी अस्पताल, मल्टी स्पेशलिस्ट अस्पताल बनाए जाने के लिए उपर्युक्त है। कार्यदायी संस्था ने भूमि का जमीनी सर्व कर लिया है। अब उसे धरातल पर लाने के लिए शासन स्तर पर कार्यवाही चल रही है। अभी उसकी डीपीआर की रिपोर्ट भी आनी है। मामले की सुनवाई के बाद खंडपीठ ने राज्य सरकार से कहा है कि इसकी प्रगति रिपोर्ट 23 फरवरी से पहले कोर्ट में पेश करें। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण ने हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर कर कहा है कि प्रदेश भर के सरकारी अस्पतालों में मरीजों को मूलभूत सुविधाएं मिल रही है और न ही अस्पतालों मे बेहतर ईलाज की सुविधाएं उपलब्ध है। स्टॉफ की कमी और खराब पड़ी मशीनों के चलते मरीजों को हायर सेंटर रेफर कर दिया जाता है।

कूड़ा निस्तारण

कुल 400 मीट्रिक टन कचरे की जरूरत है प्रोसेसिंग यूनिट को, अभी 230 मीट्रिक टन तक कचरा हो रहा उपलब्ध

रुद्रपुर–किच्छा से कूड़ा आएगा तब चलेगी प्रोसेसिंग यूनिट

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचारः गौलापार स्थित ट्रेंचिंग ग्राउंड में लगे वेस्ट-टू-एनर्जी प्लांट या प्रोसेसिंग यूनिट को पूरी क्षमता से चलाने के लिए अब बाहरी शहरों से कूड़ा मंगाया जाएगा। नैनीताल, भीमताल, भवाली और हल्द्वानी का कुल कूड़ा गौलापार में लगे प्रोसेसिंग यूनिट को चलाने के लिए पर्याप्त नहीं है। लक्ष्य तब पूरा होगा जब रुद्रपुर और किच्छा से भी कूड़ा आने लगेगा।

नगर निगम के अनुसार कूड़ा निस्तारण प्लांट को सुचारू रूप से संचालित करने के लिए प्रतिदिन लगभग 400 मीट्रिक टन कचरे की आवश्यकता है। वर्तमान में हल्द्वानी शहर से निकलने वाला कचरा इस लक्ष्य को पूरा नहीं कर पा रहा है। हल्द्वानी के साथ नैनीताल, भीमताल और भवाली से जो कूड़ा आता है उसका वजन 230 मीट्रिक टन के आसपास है। प्लांट की मशीनरी अपनी पूरी क्षमता पर तभी काम कर सकती है जब उसे निर्धारित मात्रा में कूड़ा मिले। नगर निगम के अनुसार हमारे क्लस्टर में रुद्रपुर और किच्छा भी शामिल है हालांकि अभी इन शहरों से कूड़ा नहीं मंगाया जाता है लेकिन जब प्लांट को शुरू किया जाएगा तो इन शहरों से भी कूड़ा आ जाएगा। अनुमान है कि रुद्रपुर और किच्छा से 150 मीट्रिक टन तक कूड़ा आएगा। इससे लक्ष्य पूरा हो जाएगा। साथ ही क्लस्टर में लालकुआं और रामनगर को भी जोड़ा जाएगा। वरिष्ठ नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. मनोज कांडपाल ने बताया कि प्रोसेसिंग यूनिट के लिए पर्याप्त कूड़ा हमें अपने क्लस्टर से मिल जाएगा। जब रुद्रपुर और किच्छा से कूड़ा आएगा तब 400 मीट्रिक टन का लक्ष्य पूरा हो जाएगा।

पता चलेगा, कहां से आ रहा है कितना कूड़ा

नगर निगम के अनुसार अभी कूड़े के वजन को लेकर अनुमान ही जारी है। हल्द्वानी से भी कितना कूड़ा उठता है इसका भी अनुमान है। इसका भी वजन किया जाना है। फिलहाल भविष्य के लिए यह भी योजना है कि किस शहर से कितना कूड़ा आ रहा है, इसका पता चले। इसके लिए हल्द्वानी की सीमा में प्रवेश करने वाले हर कचरे के ट्रक को पहले धर्मकांटे पर तौला जाएगा। वजन सुनिश्चित होने के बाद ही उसे प्लांट तक ले जाने की अनुमति दी जाएगी। इस प्रक्रिया से यह स्पष्ट रहेगा कि किस शहर से कितना कूड़ा आ रहा है और प्लांट की रोजाना की खपत कितनी हो रही है।

पर्यटन जिला होने से भी बढ़ता है कूड़ा

नैनीताल जिले की बात करें इसकी आबादी करीब 10 से 12 लाख के आसपास है लेकिन पर्यटन जिला होने की वजह से यहां कूड़े की मात्रा अधिक रहती है। गर्मियों के सीजन के साथ ही सप्ताहांत में भी पर्यटकों की संख्या बढ़ जाती है। इसलिए गौलापार में कूड़ा निस्तारण के लिए प्रोसेसिंग यूनिट लगाई गई है।

कोल्ट्स क्लब की एकतरफा जीत

संवाददाता, हल्द्वानी

देवानंद, हर्षित और रवि सिंह बने जीत के हीरो, कोल्ट्स विजयी।

अमृत विचारः जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन की ओर से आयोजित सीनियर पुरुष वर्ग की जिला क्रिकेट लीग का मैच गुरुवार को जीएनजी क्रिकेट मैदान में हल्द्वानी कोल्ट्स क्रिकेट क्लब और गट्स एन ग्लोरी के बीच खेला गया।

हल्द्वानी कोल्ट्स क्रिकेट क्लब ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 35 ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 288 रन बनाए। देवानंद जोशी ने 72, हर्षित सदाना ने 71, विशाल कोली ने 50 और कार्तिक जोशी ने 47 रनों का योगदान दिया। गट्स एन ग्लोरी के गेंदबाज वैभव नेगी ने 3, राघव जोशी ने 2, शिवांश, वेदांत और गौरव जोशी ने 1-1 विकेट लिया। निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी गट्स एन ग्लोरी की पूरी टीम 33वें ओवर में 149 रन बनाकर आल आउट हो गयी और 139 रनों से मैच हार गयी। केवल आश्विन जोशी 50, दिवज्योत कोहली 38 और गौरव जोशी 25 रनों का योगदान कर सके। कोल्ट्स क्लब के गेंदबाज रवि सिंह ने 4, राहुल नेगी ने 3 और कार्तिक जोशी ने 2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार कोल्ट्स क्रिकेट क्लब के गेंदबाज रवि सिंह को दिया गया। अंपायर की भूमिका में विजय आर्या और शिवम् पांडे जबकि स्कोरर की भूमिका हरप्रीत सिंह कम्बोज ने निभाई। इस मौके पर जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपनै, लीला कांडपाल, नरेंद्र अधिकारी, जगमोहन बगड़वाल, आंनद बिष्ट, संजय चौधरी रहे। कोषाध्यक्ष कमल पपनै ने बताया कि प्रतियोगिता का अगला मैच आज शुक्रवार को जीएनजी क्रिकेट मैदान में एचसीसी और डीके स्पोर्ट्स के बीच सुबह 9 बजे से खेला जाएगा।

सिटी ब्रीफ

पालिकाध्यक्ष ने सुनीं वार्डवासियों की समस्याएं

खटीमा : नगर पालिका अध्यक्ष रमेश चंद जोशी ने वार्ड संख्या 11 में पहुंचकर वार्डवासियों से मिले और उनकी समस्याओं को सुना। जिसमें ग्रामीणों ने जल भराव सहित पानी और सड़क की समस्या रखी। पालिकाध्यक्ष जोशी ने अवर अभियंता को तलब कर वार्डवासियों की जलभराव की समस्या का तत्काल समाधान करने को कहा। इस दौरान वार्ड की वर्तमान व्यवस्थाओं, नागरिक सुविधाओं एवं जनसमस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस मौके पर नीमा त्रिपाठी, चंचल सिंह, आनंद डसीला, चंद्र पंत, अजहर सिद्दीकी, राहुल सक्सेना, अर्पित कॉलोनी, शुभम पटवा, नरेश गिरी, दीपक सामंत मौजूद रहे।

जनजाति मोर्चा की महामंत्री बनीं ललिता का स्वागत

खटीमा : भारतीय जनता पार्टी जनजाति मोर्चा का प्रदेश महामंत्री बनने पर नौगवां ठग्गू की पूर्व ग्राम प्रधान ललिता राणा का महिलाओं एवं भाजपा कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। इस दौरान कई जनजाति महिलाओं ने प्रदेश अध्यक्ष अनुसूचित जनजाति व पूर्व विधायक डॉ. प्रेम सिंह की देखरेख में भाजपा की सदस्यता भी ग्रहण की। डॉ. राणा ने कहा कि ललिता राणा के प्रदेश महामंत्री बनने से पार्टी को मजबूती मिलेगी। संचालन भाजपा जिला मंत्री किशोर जोशी ने किया। इस अवसर पर जिला मंत्री विमला बिष्ट, भुवन जोशी जिला मंत्री, रमेश जोशी जिला महामंत्री, कमलेश थापा आदि मौजूद रहे।

पंतनगर इलाके में दिखा तेंदुआ, स्थानीय लोग भयभीत

विधायक-डीएफओ ने किया मौका मुआयना, निरीक्षण के दौरान लाइव दिखा तेंदुआ, 40 मिनट तक इधर-उधर घूमता रहा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: थाना पंतनगर इलाके के औद्योगिक आस्थानों में कई बार तेंदुआ देखे जाने के बाद लोगों में भय का माहौल है। जिसके बाद विधायक और डीएफओ ने मौका मुआयना किया और सुरक्षा की व्यवस्था करने पर चर्चा शुरू ही की थी कि अचानक पुनः तेंदुआ दिखाई देने लगा। इसके बाद वन विभाग के अधिकारियों में हड़कंप मच गया और तेंदुए को पकड़ने के लिए रेस्क्यू प्रारंभ कर दिया। तेंदुआ देखे जाने के बाद स्थानीय लोगों और श्रमिक खौफजदा है।

यहां बता दें कि बुधवार की देर रात्रि सिडकुल की अशोका लीलैंड सुरक्षा गार्ड में हड़कंप मच गया। जब बिल्कुल कंपनी मुख्य गेट के नजदीक तेंदुआ देखे जाने लगा। करीब 40 मिनट तक इधर-उधर घूमने के बाद चला गया। गार्ड का कहना था कि छतरपुर थाना पंतनगर इलाके में पहली बार तेंदुआ देखा गया है और वर्करों में भी काफी खौफ है। गुरुवार की दोपहर विधायक शिव अरोरा डीएफओ यूसी तिवारी और वन विभाग की टीम के साथ मौका मुआयना कर ही रहे थे कि दोपहर ढाई बजे के करीब अचानक तेंदुआ छतरपुर मार्ग स्थित खोदे गए नाले में विचारण करता हुआ दिखाई दिया।

जिसे देखकर विधायक समर्थक और वन विभाग की टीम में हड़कंप मच गया और वनकर्मी भीड़ को तितर बितर करने लगे। उनका मानना था कि भीड़ को देखकर तेंदुआ हमलावर हो सकता है। ऐसे में तेंदुए को पकड़ने की कवायद शुरू होने लगे। उधर, विधायक शिव ने डीएफओ से कहा कि अभी तक केवल वायरल वीडियो में तेंदुए के आने की चर्चा थी, लेकिन वास्तविकता सामने आने के बाद वन विभाग तत्काल सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम करे। ताकि समय रहते अप्रिय घटना होने से रोका जा सके। जिसके बाद वन विभाग ने तेंदुए को पकड़ने की कवायद शुरू कर दी।

सिडकुल कंपनी गेट पर दिखा तेंदुआ। ● अमृत विचार

वन विभाग के अधिकारियों के साथ मौका मुआयना करते विधायक शिव अरोरा।

भूख से व्याकुल और लाचार दिखा तेंदुआ

रुद्रपुर : तेंदुए के बारे में कहा जाता है कि तेंदुआ बेहद ही फुर्तीला होता है, लेकिन जिस प्रकार बुधवार की रात्रि और सुबह के वक्त तेंदुए को देखा गया है। उससे यही अंदाजा लगाया जा रहा है कि तेंदुआ भूखा है और कई दिनों से भोजन की कोई व्यवस्था नहीं होने के कारण शारीरिक रूप से कमजोर है। कारण जिस प्रकार तेंदुआ लोगों के सामने ही भयभीत और सहमा हुआ दिखाई दे रहा था और शारीरिक रूप से भी बेहद कमजोर दिख रहा था। उससे साफ है कि अत्यधिक भूखा होने के कारण तेंदुआ बेबस है।

लगे कैमरे, जाल लगाकर पकड़ेगा वन विभाग

रुद्रपुर : बुधवार की देर रात्रि और गुरुवार की सुबह साक्षात तेंदुए के दर्शन होने के बाद वन विभाग के सामने दुविधा की स्थिति इसलिए पैदा हो गई है कि तेंदुआ कुछ पल के लिए दिखाई दिया है और शारीरिक रूप से भी दुर्बल हो चुका है। इसको ध्यान में रखते हुए तेंदुए की जिंदगी बचाना जरूरी है। इससे पहले की भूख की वजह से तेंदुआ कोई घातक कदम उठाए। उसको पकड़ने के लिए वन विभाग ने आसपास के इलाकों में सीसीटीवी कैमरे और शिकार दिखाकर जाल लगाने की तैयारी शुरू कर दी है। ताकि सुरक्षा पूर्वक रेस्क्यू चलाकर तेंदुए की जान बचाने के साथ ही अप्रिय घटना को रोका जा सके।

बुधवार की देर रात्रि मिली सूचना के आधार पर जब गुरुवार की दोपहर को मौका मुआयना किया गया। उस वक्त भी तेंदुए विचारण करता हुआ दिखाई दिया था। प्रबल संभावना यह है कि शिकार की तलाश में तेंदुआ जंगली इलाकों को छोड़कर सिडकुल इलाके में घुसा है और भूख के कारण काफी दुर्बल सा भी दिख रहा है। नियमानुसार तेदुओं को पकड़कर रेस्क्यू किया जाएगा और समय रहते उपचार और खाने की व्यवस्था कर जिंदा रखना भी वन विभाग का दायित्व है। जल्द ही तेंदुए को पकड़ने की व्यवस्था की जा रही है और वन विभाग ने सीसीटीवी कैमरे लगाकर निगरानी भी शुरू कर दी है।

–**यूसी तिवारी**, डीएफओ, तराई केंद्रीय वन प्रभाग रुद्रपुर

बगुलिया में बाघ का आतंक, ग्रामीणों में दहशत

खटीमा : सीमावर्ती छेत्र में इन दिनों बाघ और गुलदार द्वारा आए दिन पालतू जानवरों को निवाला बनाया जा रहा है। जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। बीती रात्रि बाघ गोशाला में खूंटे से बंधी गया को खींचकर अपना निवाला बना डाला। मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मौका मुआयना किया। बगुलिया गांव में बीती रात्रि पूरनपुर रोड के किनारे रहने वाले मानिक हालदार की गाय को बाघ ने अपना निवाला बना डाला। ग्रामीणों ने इसकी सूचना सुरई रेंज के वन अधिकारियों को दी। जिसपर मौके पर पहुंची टीम ने मौका मुआयना किया। उन्होंने ग्रामीणों से सावधानी बरतने और रात्रि में बाहर अकेले न निकलने को कहा। इधर दो दिन पूर्व बड़ी बगुलिया निवासी विजय यादव के घर के पास बाघ ने एक बछड़े को अपना शिकार बना डाला। इधर सप्ताह पूर्व पास गांव नगरा तराई के तिवारी फार्म के पास घर के गेट पर घूमता तेंदुआ सीसी टीवी कैमरे में कैद हुआ था। क्षेत्र में लगातार बढ़ रही बाघ और गुलदार की आवाजाही से ग्रामीणों में भरी दहशत का माहौल है। ग्राम प्रधान सुभावती देवी, पूर्व प्रधान चंदा देवी, रामाधार आदि ने बाघ से निजात दिलाने की मांग की।

पॉश कॉलोनी में घुसे नकाबपोश

रुद्रपुर: शहर की पॉश कॉलोनी में उस वक्त चोरी की बड़ी वारदात विफल हुई। जब तीन जनवरी की रात्रि को सरकारी शिक्षक के घर की छत पर कुछ हलचल होने लगी। शोर शराबा सुनकर चार संदिग्ध फरार हो गए। सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस ने घटना की जानकारी ली और संदिग्धों की तलाश तेज कर दी है।

जानकारी के अनुसार शहर की एलायंस कॉलोनी निवासी सरकारी टीचर अजय कुमार सक्सेना एफ 127 में रहते हैं और तीन जनवरी को परिवार के साथ बरेली गए हुए थे। 3 जनवरी की रात्रि को पड़ोसियों को आहट हुई कि शिक्षक के घर की छत पर कोई संदिग्ध घूम रहे हैं। शोर मचाने पर संदिग्ध फरार हो गए और जब कॉलोनी के सीसीटीवी कैमरों को खंगाला तो देखा कि चार संदिग्ध दीवार फांदकर शिक्षक के घर में घुसे थे।

जब 6 जनवरी को शिक्षक लौटते हैं तो पाया कि चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर अलमारी के अलावा सामान तितर बितर किया है, लेकिन कोई भी कीमती चीज नहीं मिलने पर संदिग्ध फरार हो गए, जबकि इसी कॉलोनी में वर्तमान और निवर्तमान विधायक रहते हैं। सूचना मिलते ही पुलिस ने संदिग्धों की तलाश तेज कर दी है और वायरल वीडियो की जांच शुरू कर दी है।

किच्छा की निर्वाचन नामावलियों का होगा पुनरीक्षण

रुद्रपुर : जिलाधिकारी व जिला निर्वाचन अधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने बताया कि राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार नगर पालिका परिषद किच्छा की निर्वाचन नामावलियों (मतदाता सूचियों) का संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 15 से 21 जनवरी तक दावे व आपत्तियां प्राप्त की जाएगी, जबकि 22 से 25 जनवरी तक प्राप्त दावे व आपत्तियों का निस्तारण किया जाएगा। गुरुवार को जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 12 व 13 जनवरी को निर्वाचन नामावलियों का निरीक्षण कराने एवं दावा व आपत्ति प्राप्त करने के लिए मतदान स्थलवार कार्मिकों की तैनाती व 14 जनवरी को निर्वाचन नामावलियों के आलेख का प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि 27 व 28 जनवरी को पूरक सूचियों की पाण्डुलिपि तैयार की जाएगी, 29 जनवरी से 2 फरवरी तक पूरक सूचियों की डाटा एंट्री व फोटो स्टेट किया जाएगा व 3 फरवरी को निर्वाचन नामावलियों का जनसामान्य के लिए अंतिम प्रकाशन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पुनरीक्षण के लिए निर्वाचकों की संदर्भ तिथि 1 जनवरी निर्धारित करते हुए नगर पालिका परिषद किच्छा की निर्वाचन नामावलियों (मतदाता सूचियों) का संक्षिप्त पुनरीक्षण किया जाएगा।

ट्रस्ट संचालिका को भयभीत कर हड़पे 1.20 करोड़

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: जनपद अल्मोड़ा की रहने वाली नामी ट्रस्ट संचालिका को मनी लांड्रिंग का खौफ दिखाकर साइबर ठगों ने डिजिटल अरेस्ट किया और फिर करोड़ों रुपये की साइबर ठगी कर ली। साइबर क्राइम थाना सेल ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर अपनी तफ्तीश को प्रारंभ कर दिया है। साथ ही दावा किया है कि जल्द ही साइबर क्रिमिनल की गिरफ्तारी कर पर्दाफाश किया जाएगा।

जानकारी के अनुसार मिरतोला आश्रम दन्या अल्मोड़ा की रहने वाली चित्रा अय्यर साह ने बताया कि 11 दिसंबर 2025 से 6 जनवरी 2026 तक उसके मोबाइल नंबर पर अज्ञात कॉलर द्वारा कई व्हाटसअप कॉल की। जब कॉल रिसीव की तो कॉलर ने खुद को टेलीकॉम रेगुलेटरी अर्थोरिटी ऑफ इंडिया का प्रतिनिधि बताया और बताया कि जिस केनरा बैंक में आधार कार्ड से खाता खुला है। उसकी बैंक खाते से मनी लॉन्ड्रिंग हुई है। जिसके चलते खाताधारक यानी चित्रा अय्यर साह के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत है और जल्द ही आप की गिरफ्तारी हो सकती है।

उन्होंने बताया कि कॉलर द्वारा फिर कई पुलिस अधिकारियों से बातचीत कराई और डिजिटल अरेस्ट करने का आदेश देते हुए धमकाया कि यदि तफ्तीश में सहयोग नहीं किया तो मौखिक तौर पर गिरफ्तारी होगी। जिसके बाद साइबर ठगों ने खौफजदा महिला से सभी गोपनीय जानकारी लीं और 31 दिसंबर को बैंक खाते से 1.20 करोड़ रुपये बताए खाते में ट्रांसफर करवा लिए। आश्वासन दिया था कि जांच और मामला रफा दफा करने के बाद रकम वापस खाते में डाल दी जाएगी। कई दिनों तक डिजिटल अरेस्ट होने के बाद उसने परिचित को कॉल की तो पता चला कि साइबर ठगों ने सुनियोजित ढंग से साइबर क्राइम को अंजाम दिया है। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन सेल ने तहरीर के आधार पर तफ्तीश शुरू कर दी है। साइबर क्राइम थाना पुलिस स्टेशन प्रभारी अरुण कुमार ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर वह खुद ही प्रकरण की जांच कर रहे हैं।

मिरतोला आश्रम की संचालिका हैं चित्रा

रुद्रपुर : अन्ना स्वामी स्वामी नाथन की बेटी चित्रा अय्यर साह एक सामाजिक कार्यकत्री हैं और दन्या अल्मोड़ा में ही मिरतोला आश्रम का संचालन करती हैं। नामी ट्रस्टी होने के कारण जनपद में संचालिका को सामाजिक कार्यकत्री से जाना जाता है और खुद चित्रा सामाजिक कार्य भी करती रहती हैं। आश्रम ट्रस्ट बनाकर इलाके का जीर्णोद्धार करती हैं। साइबर ठगों ने जिस खाते से करोड़ों की साइबर ठगी को अंजाम दिया है। वह ट्रस्ट का खाता है। यही कारण है कि साइबर ठगों ने धोखाधड़ी करने से पहले संचालिका के खातों की डिटेल मांगी और जिस खाते में मोटी रकम जमा थी। उसी खाते को खाली कर डाला। जिसके बाद से संचालिका काफी आहत है और मुकदमा दर्ज होने के बाद पर्दाफाश होने की प्रतीक्षा कर रही है।

खाते से हुआ पांच हजार लोगों का ट्रांजेक्शन

रुद्रपुर : महिला ट्रस्टी चित्रा को जिस वक्त साइबर कॉलर ने व्हाटसअप कॉल कर डिजिटल अरेस्ट किया था। उस वक्त कॉलर ने बताया कि मैडम आपके खाते से 5000 लोगों ने पैसा डाला है और 5000 से अधिक लोगों ने मनी लांड्रिंग की शिकायत करते हुए मुकदमा दर्ज करवाया है। मामला ब्लैक मनी खपाने का है और मुकदमा भी दर्ज हो चुका है। मनी लांड्रिंग का खौफ दिखाकर धमकाया कि यदि जांच पूरी होने तक सहयोग नहीं किया तो पुलिस की एक टीम आकर मैनुअल गिरफ्तार करेगी।

विशाखा दिवाकर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते डीएम। ● अमृत विचार

वन दरोगा बनने पर विशाखा को किया सम्मानित

रुद्रपुर : उत्तराखंड सरकार की ओर से अनाथ बच्चों के लिए निर्गत क्षैतिज आरक्षण के तहत जनपद की प्रथम बालिका बन्नाखेड़ा बाजपुर निवासी विशाखा दिवाकर का वन दरोगा के पद पर चयन होने पर जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने विशाखा दिवाकर को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। साथ ही उज्ज्वल भविष्य की कामना की। कैंप कार्यालय में जिलाधिकारी ने कहा कि इस तरह के बच्चे अनेक कठिनाइयों से गुजरते हुए परिश्रम कर इस मुकाम पर हम सबके लिए गर्व की बात है। अन्य बच्चों को भी विशाखा दिवाकर से प्रेरणा लेकर अपने मुकाम को हासिल करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कोई भी कार्य ईमानदारी व लगन से करने पर किसी भी मुकाम पर पहुंचा जा सकता है। सरकार द्वारा असहाय बच्चों के लिए शिक्षा के क्षेत्र में अनेक योजनाएं चलाई जा रही है। इसी कड़ी में जनपद में बच्चों की पढ़ाई के लिए कोचिंग सेंटर व लाइब्रेरी बनायी जा रही है। उन्होंने जिला प्रोबेशन अधिकारी को निर्देश दिये कि इस तरह के बच्चों को चिन्हित कर उन्हें प्रोत्साहित करें। ताकि हर कोई अपना सपना पूरा कर सके।

कार्यालय सहायक अभियन्ता-तृतीय नलकूप खण्ड, हल्द्वानी

पत्रांक : 13/स०अ०तृ०/न०ख०ह०/कोटेशन/2025-26 दिनांक : 08/01/2026

कोटेशन नोटिस

महामहिम राज्यपाल, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा "एक हल्के डीजल चलित व्यवसायिक भार वाहन पिकअप की नलकूप खण्ड, हल्द्वानी मे स्थित उपखण्डो में चल रहे अनुरक्षण / निर्माण कार्यों के लिये भण्डार सामग्री को केन्द्रीय भण्डार / कार्यशाला से कार्यस्थल तक ले जाने व लाने हेतु अनुबन्ध की तिथि से 11 माह तक के लिये आवश्यकता है" इस हेतु इच्छुक वाहन स्वामियों से दिनाक 23-01-2026 को प्रातः 11.00 बजे तक मुहरबन्द कोटेशन दरें प्रति माह की दर से अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में आमत्रित की जाती है, जो कि उसी दिन प्रातः 11.30 बजे अधोहस्ताक्षरकर्ता / समिति द्वारा वाहन स्वामियो अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के सम्मुख कार्यालय उपखण्ड, तृतीय नलकूप खण्ड, हल्द्वानी में खोले जायेंगे। अवकाश की स्थिति में उक्त कार्यवाही अगले कार्यदिवस में होगी। कोटेशन के साथ अधिशासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड, हल्द्वानी के पदनाम से बन्धक की हुई राष्ट्रीय बचत पत्र/राष्ट्रीयकृत बैंक की एफ०डी०आर०/टी०डी०आर० रु० 10000.00 (दस हजार) की संलग्न करनी आवश्यक होगी। जिन कोटेशनों में धरोहर धनराशि संलग्न नही होगी, उनको निरस्त माना जायेगा। वांछित शर्ते एवं नियम किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में देखी जा सकती है।

सहायक अभियन्ता तृतीय
नलकूप खण्ड, हल्द्वानी

उत्तराखण्ड पॉवर कॉरपोरेशन लिमिटेड

(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
विद्युत वितरण खण्ड (ग्रामीण), 33/11 के वी उपसंस्थान परिसर, कमलुवागांजा हल्द्वानी (नैनीताल)
दूरभाष : 05946– 292040 कॉरपोरेट आईडेन्टीटी संख्या: U40109UR2001SGC025867

ई–निविदा सूचना

क्र० सं०	ई निविदा संख्या	सामग्री का नाम	निविदा प्रपत्र मूल्य जी०एस०टी० सहित (रु.) (बैंक ड्राफ्ट)	धरोहर धनराशि (रु. में) (एफडी आर/सीडीआर)	ई निविदा क्रय करने हेतु अन्तिम तिथि एवं समय	ई निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय	ई–निविदा भाग–1 खुलने की तिथि एवं समय
1	ई०डी०डी०आर० (एच०)/ ई–निविदा 65/2025–26	विद्युत वितरण खण्ड (ग्रा), हल्द्वानी के कार्यालय हेतु वाह्य एजेंसी के माध्यम से दो नग मानव श्रम शक्ति उपलब्ध कराने का कार्य।	590.00	18000.00	27/01/2026 (15:00 बजे तक)	28/01/2026 (12:30 बजे तक)	28/01/2026 (02:00 बजे)

कार्य की मदे एवं शर्ते विभागीय वैब साईट www.uktenders.gov.in पर देखी जा सकती है।

पत्रांकः 117/वि0वि0ख0ग्रा(ह0) दिनांकः 08/01/2026 अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचाये, बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं0 1912) विद्युत बिलों के 24X7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाएं। (विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं0 1800 180 4185/ फैक्स संख्या– 0135–2760911 पर दें।)

कार्यालय ग्राम पंचायत हरलालपुर, विकास खण्ड बाजपुर, ऊधमसिंह नगर

पत्रांक : मैमो/ग्रा.पं.भ.नि./अल्पकालीन निविदा/2025-26 दिनांक : 08 जनवरी, 2026

अल्पकालीन निविदा सूचना संख्या-मैमो RGSA / ग्रा०पं० हरलालपुर/2025-26

निम्नलिखित कार्यों हेतु पृथक-पृथक निविदायें उत्तराखण्ड में अधिकृत / पंजीकृत ठेकेदारों / फर्म से उनकी श्रेणी के राज्यपाल महोदय, उत्तराखण्ड/राचिद, पंचायतीराज, उत्तराखण्ड की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा अनुसार दिनांक 15/01/2026 को अपराहन 2.00 बजे तक आमंत्रित की जाती है, जो अधोहस्ताक्षरी द्वारा उसी दिन अपराहन 2.30 बजे उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके द्वारा मनोनित प्रतिनिधियों की उपस्थिति में खोली जायेगी। उक्त तिथि को अवकाश रहने की स्थिति में निविदायें अगले कार्यदिवस में खोली जायेंगी।

आमंत्रित निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 09/01/2026 से 15 /01/2026 तक प्रातः 11:00 बजे से सांय 02:00 बजे तक निर्धारित मूल्य जमा करके प्राप्त किये जा सकते हैं। निविदा प्राप्त बाक से मंगाने पर रू० 100.00 अतिरिक्त जमा करना होगा। डाक में देरी के लिये कार्यालय उत्तरदायी नहीं होगा। निविदा की अन्य शर्तें कार्यालय सूचना पट पर देखी जा सकती है।

कार्य का विवरण निम्न प्रकार है-

क्र० सं०	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख रु० में)	धरोहर धनराशि (रू० में)	कार्य की अवधि	निविदा की वैधता	निविदा प्रपत्रों का मूल्य + GST 18% अतिरिक्त
01	02	03	04	05	06	07
1	ग्राम पंचायत हरलालपुर, विकास खण्ड बाजपुर में सी०एस०सी० / अतिरिक्त कक्ष निर्माण कार्य।	6.00	18000.00	3 माह	30 दिन	500+18%

ग्राम प्रधान
ग्राम पंचायत- हरलालपुर,
विकास खण्ड-बाजपुर, ऊधमसिंह नगर

ग्राम पंचायत विकास अधिकारी
ग्राम पंचायत- हरलालपुर,
विकास खण्ड-बाजपुर, ऊधमसिंह नगर

एनएसएस इकाई का विशेष शिविर शुरू

रुद्रपुर : रुद्रपुर पीएम श्री अटल उत्कृष्ट आदित्यनाथ झा राजकीय इंटर कॉलेज रुद्रपुर की एनएसएस इकाई का सात दिवसीय विशेष शिविर वाणिज्य कृषि फार्म फाजलपुर महरोला में प्रारंभ हुआ। इसका उद्घाटन मुख्य अतिथि पूर्व महापौर व उत्तराखंड अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रामपाल सिंह और विशिष्ट अतिथि विद्यालय के पूर्व प्रधानाचार्य ओम प्रकाश शुक्ला ने संयुक्त रूप से किया। गुरुवार को कार्यक्रम के दौरान मुख्य अतिथि उत्तराखंड अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष रामपाल ने कहा कि वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में देश में अनेक सामाजिक कार्य किये जा रहे हैं। इसमें सभी स्वयंसेवियों को आगे आकर प्रतिभाग करना चाहिए। उन्होंने स्वयंसेवियों का आह्वान किया कि हमें स्व अनुशासन और उच्च चरित्र के व्यक्तित्व को धारण कर समाज में एक आदर्श स्थापित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि आज का स्वयंसेवी कल का एक आदर्श नागरिक बनकर देश के विकास में योगदान दे सकता है। विशिष्ट अतिथि व पूर्व प्रधानाचार्य शुक्ला ने स्वयंसेवियों और एनएसएस के द्वारा राष्ट्र निर्माण में की जाए जा रहे कार्यों के बारे में बताया। साथ ही कहा कि प्रयाग महाकुंभ में हजारों स्वयंसेवियों ने प्रशासन के साथ महत्वपूर्ण योगदान दिया। कार्यक्रम अधिकारी गिरीश शर्मा ने कहा कि इस शिविर में इस वर्ष साइबर जागरूकता, मतदाता जागरूकता, पॉलीथिन उन्मूलन, नशा उन्मूलन इत्यादि विषयों पर स्वयं सेवियों के द्वारा अनेक कार्य किए जाने हैं। इस अवसर पर नर नारायण वर्मा, विशाल सरकार, सुदीप मंडल, ललित जोशी, जगदीश चंद्र भट्ट, कलावती, शु भांगी पांडे, पवन कुमार सहित सभी स्वयंसेवी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्वयं सेवी विष्णु सिंह राठौर ने किया।

विवादित स्थल से हटा अतिक्रमण

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: गंगापुर रोड शैलजा फार्म स्थित विवादित स्थल से नगर निगम की टीम ने भारी पुलिस बल की मौजूदगी में करीब 6 एकड़ भूमि को अवैध कब्जे से मुक्त करा लिया है। इस दौरान महापौर विकास शर्मा ने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि धार्मिक स्थल की आड़ में सरकारी भूमि पर कब्जा जमाना लैंड जिहाद की श्रेणी में आता है। जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

गुरुवार को कार्रवाई के बाद महापौर शर्मा ने बताया कि इस 6 एकड़ बेशकीमती भूमि पर वर्षों से कब्जा जमाया गया था। इस मामले में आरोपी कालनेमि बाबा ने न केवल पुलिस और प्रशासन को चुनौती दी, बल्कि न्यायालय को भी गुमराह करने का प्रयास किया। उन्होंने स्पष्ट किया कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में पूरे प्रदेश में अतिक्रमण और लैंड जिहाद और कालनेमि बाबाओं के विरुद्ध जो अभियान चलाया जा रहा है। आज की कार्रवाई उसी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पहले ही कई बार नोटिस जारी कर कब्जा छोड़ने की हिदायत दे चुका था, लेकिन हठधर्मिता के चलते अंततः यह सख्त कदम उठाना पड़ा। उन्होंने कहा कि पिछले दिनों कुछ लोग नगर निगम की कार्रवाई को धर्म विशेष के विरुद्ध बता रहे थे।

कार्रवाई के दौरान महापौर और नगर निगम की टीम। ● अमृत विचार

कार्रवाई राइस मिलर्स को मिला था धान कुटाई का टेंडर, 98 .47 लाख की है रिकवरी, प्रबंधक ने सौंपी तहरीर

2811 .34 कुंतल सरकारी धान में घपला, राइस मिलर पर मुकदमा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचारः शहर के नामी गिरामी राइस मिलर्स पर सरकारी धान में घपला करने का मामला सामने आया है। जब अधिकृत राइस मिलर्स ने विभाग को लाखों रुपये का भुगतान नहीं दिया तो प्रबंधक कोऑपरेटिव की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने गबन का मुकदमा दर्ज कर डाला और राइस मिल के दो निदेशक के अलावा लेखाकार के खिलाफ तफ्तीश शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार शिव विहार लोहरियासाल मल्ला मुखानी हल्द्वानी निवासी धीरज कुमार ने बताया कि उत्तराखंड प्रादेशिक कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड देहरादून द्वारा धान खरीद वर्ष 2023-24 में संचालित धान क्रय केंद्रों से कुटाई के लिए गांव बिंदुखेड़ा दानपुर रोड स्थित स्वास्तिक राइस लैंड प्राइवेट कंपनी को 4462.00 कुंटल सरकारी धान कुटाई के लिए अधिकृत किया था और 67 फीसदी रिकवरी के साथ सरकारी चावल को राजकीय गोदाम में जमा करने का आदेश दिया था, लेकिन 15 सितंबर 2024 को महज 178.20 कुटल चावल ही गोदाम पर उतारा गया और 2811.34 सरकारी चावल उतारना बाकी था। कई बार नोटिस भेजने के बाद भी जब राइस मिलर ने सरकारी चावल नहीं उतारा तो 98.47 लाख रुपये की रिकवरी का नोटिस भेजा गया, लेकिन अधिवक्ता नोटिस का भी कोई जवाब नहीं दिया। स्वास्तिक राइस मिल के निदेशक पुरुषोत्तम अग्रवाल, लक्ष्मी अग्रवाल और कंपनी के लेखाकार राजेंद्र सिंह टालमटोल करते रहे। कई बार नोटिस भेजकर रिकवरी या फिर शेष सरकारी चावल उतारने का नोटिस दिया। जिसके बाद प्रबंधक ने कोतवाली पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने राइस मिल के दो निदेशक और एक लेखाकार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

नायब तहसीलदार की जांच में हुआ खुलासा

रुद्रपुर : उत्तराखंड प्रादेशिक कोऑपरेटिव यूनियन लिमिटेड ने जब डीएम से प्रकरण की शिकायत की तो 18 अक्टूबर 2024 की दोपहर 12 बजे नायब तहसीलदार सुरेश चंद्र बुढलाकोटी भौतिक सत्यापन को अधिकृत स्वास्तिक राइस लैंड पहुंचे। प्रारंभिक तफ्तीश में पाया कि मिल में 23 कट्टा टूटा चावल, 320 कट्टे एफआरके, दस हजार एक बार प्रयोग किए गए बोरे, छह हजार नये बोरे, एक हजार पीपी बोरा के अलावा राइस मिल में धान का कोई स्टॉक नहीं था, जबकि 2811.34 कुंतल सरकारी धान होना चाहिए था और सरकारी चावल घोटाले की सच्चाई सामने आने लगी। जांच रिपोर्ट आने के बाद से राइस मिलर को नोटिस भेजना शुरू हो गया था और घपला प्रकरण सामने आया।

अधिकारियों को देते रहे झूठा आश्वासन

रुद्रपुर : शिकायतकर्ता प्रबंधक धीरज कुमार ने इस बात का भी जिक्र किया है कि जब सरकारी धान कुटाई में घपला पकड़ा गया तो 15 अप्रैल 2025 को वह खुद राइस मिल पहुंचे। राजकीय चावल व अनुषांगिक मदों की धनराशि की रिकवरी को लेकर वार्ता की और अधिकांश बार कंपनी के निदेशक पुरुषोत्तम अग्रवाल यही आश्वासन देते रहे कि वह जल्द ही राइस मिल की नई फर्म बना रहे हैं। जिसका संचालन बेटे द्वारा किया जाएगा और नई फर्म के आधार पर बैंक से ऋण स्वीकृति हो जाएगी। लोन स्वीकृत होते ही रिकवरी का भुगतान हो जाएगा। बार–बार आश्वासन के बाद भी रिकवरी नहीं हुई तो आखिरकार प्रबंधक ने मुकदमा पंजीकृत कराने का निर्णय लिया।

तफ्तीश शुरू, जल्द हो सकती है कार्रवाई

रुद्रपुर : कोतवाल मनोज रतूड़ी ने बताया कि प्रादेशिक कोऑपरेटिव यूनियन कंपनी के शाखा प्रबंधक की तहरीर पर सरकारी धान घपला प्रकरण में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जांच अधिकारी भी नियुक्त हो चुका है। शिकायतकर्ता द्वारा धान कुटाई के अधिकृत राइस मिलर्स के खिलाफ सभी दस्तावेज भी सौंप दिए हैं और अब पुलिस जल्द ही नामजद पुरुषोत्तम अग्रवाल को बुलाकर पूछताछ करेगी।

ब्रीफ न्यूज

मानसिक रूप से कमजोर युवक के साथ मारपीट

बाजपुर : मानसिक रूप से कमजोर युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। पीड़िता ने कोतवाली में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम नंदपुर नरकाटोपा निवासी रजिया पत्नी स्व. नईम ने पुलिस को बताया कि उनका पुत्र आसिफ मानसिक रूप से कमजोर है। गुरुवार की सुबह करीब आठ बजे आसिफ नाश्ता करने के बाद घर से बाहर निकला था। आरोप है कि इसी दौरान पड़ोसी युवक ने आसिफ के साथ मारपीट शुरू कर दी। शोर सुनकर जब रजिया अपने पुत्र को बचाने पहुंची तो आरोपी युवक और उसके स्वजन ने उनके साथ भी मारपीट की और अभद्र भाषा का प्रयोग किया। पीड़िता ने आरोप लगाया कि घटना से वह और उसका पुत्र काफी डरे हुए हैं।

बुजुर्ग को घर से निकालना पड़ा भारी, कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज

गदरपुर : ग्राम पिपलिया नंबर-01 (ग) में एक बुजुर्ग को घर से जबरन निकालने का मामला अब कानूनी मोड़ ले चुका है। पीड़ित विलास गोसाई की शिकायत पर प्रथम न्यायिक मजिस्ट्रेट के आदेश के बाद गदरपुर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। पीड़ित का आरोप है कि 9 अगस्त 2025 को गांव के ओमियो विश्वास, जीवन विश्वास और अन्य लोगों ने उनके घर में घुसकर मारपीट की और उन्हें धक्का देकर बेघर कर दिया। दबंगों ने उनके घरेलू सामान पर भी कब्जा कर लिया। पीड़ित द्वारा पुलिस में सुनवाई न होने पर उन्होंने न्यायालय की शरण ली। कोर्ट ने मामले को गंभीर मानते हुए एफआईआर के आदेश दिए, जिसके बाद पुलिस जांच में जुट गई है।

आपसी विवाद को लेकर युवकों में मारपीट

बाजपुर : आपसी विवाद को लेकर फोन पर हुई कहासुनी और गाली-गलौज के बाद युवकों के बीच मारपीट हो गई। घटना में एक युवक घायल हो गया, जिसे पुलिस के माध्यम से सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया। गुरुवार को घायल अवस्था में कोतवाली पहुंचे ग्राम चकरपुर निवासी 38 वर्षीय गौरव सागर ने पुलिस को मौखिक शिकायत दी। उसने बताया कि किसी परिचित युवक से फोन पर कहासुनी हो गई थी, जिसके बाद उसे देख लेने की धमकी दी गई। आरोप है कि दोपहर बाद करीब एक बजे आरोपित अपने दो-तीन साथियों के साथ चीनी मिल क्षेत्र में पहुंचा और मारपीट की।

व्यापार मंडल : 10 व 11 को लें सदस्यता

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: व्यापार मंडल चुनाव की तैयारियों के तहत एक माह तक चले सदस्यता अभियान के बाद लोगों के वंचित रहने की शिकायतों के बाद व्यापारियों को अंतिम अवसर दिया जा रहा है। सदस्यता से वंचित व्यापारी 10 और 11 जनवरी को सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं।

व्यापार मंडल चुनाव को संपन्न करने के तहत आठ सितंबर से आठ अक्टूबर तक सदस्यता अभियान चलाया गया था। जिसमें 2600 व्यापारियों से सदस्यता ग्रहण की थी। इधर कुछ व्यापारियों द्वारा सदस्यता से वंचित रहने की लिखित शिकायत की गई। जिसपर पर्यवेक्षक महेश जोशी और मुख्य चुनाव अधिकारी अनिल बत्रा, दिनेश अग्रवाल, अमित वर्मा, रमेश अग्रवाल ने वंचित व्यापारियों को सदस्यता ग्रहण करने के लिए अंतिम अवसर दिया है। यह भी कहा है कि जो भी व्यापारी सदस्यता नहीं ले पाए हैं वह 10 और 11 जनवरी को प्रातः 11 बजे से 3 बजे तक घनश्याम अग्रवाल के कार्यालय गुरुद्वारा गेट के पास पीलीभीत रोड में पहुंचकर आयोजित सदस्यता शिविर में सदस्यता ले सकते हैं। उन्होंने सदस्यता के लिए दुकान या प्रतिष्ठान के किसी भी सरकारी विभाग के लाइसेंस की मूल प्रति की फ़ोटो स्टेट, दो फोटो और 150 रुपए शुल्क देना होगा।

मौके पर भरवाए सैंपल, कहा-बिना ट्रीट किए पानी को कल्याणी या अन्य नदियों में छोड़ा तो होगी कार्रवाई

ईएसटीपी प्लांट और एसटीपी प्लांट का निरीक्षण किया

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: कल्याणी नदी को प्रदूषण मुक्त बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया ने सिडकुल पंतनगर में स्थापित ईएसटीपी प्लांट व रॉकेट इंडिया कंपनी में स्थापित एसटीपी प्लांट का स्थलीय निरीक्षण किया। साथ ही मौके पर ही पानी के सैंपल भरवाए व परीक्षण के लिए लैब में भेजने के निर्देश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी को दिए।

गुरुवार को जिलाधिकारी ने क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को सख्त निर्देश दिए कि यदि बिना ट्रीट किये पानी को कल्याणी या अन्य नदियों में छोड़ा जाता पाया गया तो कठोर कार्रवाई अमल में लायी जाएगी। उन्होंने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए कहा कि प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारियों को कंपनियों में सीईटीपी व ईटीपी लाइन स्थापित किये जाने व प्रदूषित जल नदियों में न निस्तारित किये जाने संबंधित जांच रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश पूर्व में दिये गये थे जो आज तक प्रस्तुत नहीं की गयी है।

उन्होंने प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड अधिकारियों को कंपनियों में इएसटीप व इटीपी लाइन स्थापित किये जाने व उसके बाद दूषित व रसायनिक जल निस्तारण के संबंध में सुस्पष्ट जांच रिपोर्ट शीघ्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। सिडकुल क्षेत्र के निरीक्षण के दौरान सिडकुल ढाल के पास सिडकुल क्षेत्र में जगह-जगह कूड़ा व गंदगी पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए तत्काल कूड़े की सफाई कराने के निर्देश नगर आयुक्त को दिए और आरएम सिडकुल को नोटिस भेजने के निर्देश नगर आयुक्त को दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने कल्याणी नदी उद्गम स्थल पत्थरचट्टा, सिडकुल प्रारंभिक स्थल, सिडकुल का अंतिम स्थल अटरिया पुल व शहर के अंतिम छोर यूपी बार्डर पर कल्याणी नदी के पानी के सैंपल जांच कराने के निर्देश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के अधिकारी को दिए।

निरीक्षण के दौरान अपर जिलाधिकारी पंकज उपाध्याय, कौस्तुभ मिश्र, उप जिलाधिकारी गौरव पांडेय, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी, क्षेत्रीय अधिकारी प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड एसपी सिंह, तहसीलदार दिनेश कुटौला आदि मौजूद थे।

ईएसटीपी प्लांट के निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी नितिन सिंह भदौरिया।

अंकिता मामले को लेकर निकाला कैंडल मार्च

महिलाओं ने अंकिता की हत्या की जांच का मुद्दा उठाया, पूर्व विधायक की मौजूदगी में निकाला विरोध जुलूस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: अंकिता भंडारी हत्याकांड की सीबीआई जांच का मुद्दा उठाते हुए पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल और व्यापार मंडल ट्रांजिट कैंप अध्यक्ष संजीव गुप्ता की मौजूदगी में बड़ी संख्या में महिलाओं ने कैंडल मार्च निकाला। साथ ही प्रदेश सरकार से जल्द सीबीआई जांच की स्वीकृति देते हुए वीआईपी का नाम उजागर करने की मांग की। आगाह किया कि यदि सरकार ने जन भावनाओं की कद्र नहीं की तो उग्र आंदोलन होगा।

बुधवार की देर शाम को कैंडल मार्च के दौरान पूर्व विधायक ठुकराल ने कहा कि अंकिता हत्याकांड के संदर्भ में हाल ही में पूर्व भाजपा विधायक और उनकी पत्नी के बीच हुई कथित बातचीत में वीआईपी का नाम उजागर होने के बाद से पूरे प्रदेश की जनता स्तब्ध है। उन्होंने कहा कि इस नए खुलासे ने जनता के आक्रोश को और भड़का दिया है। ठुकराल ने जोर देकर कहा कि उत्तराखंड की धामी सरकार को अपनी छवि स्पष्ट रखने और खुद को संदेह के घेरे से बाहर निकालने के लिए तत्काल भारत सरकार से इस पूरे प्रकरण की सीबीआई जांच कराने की संस्तुति करनी चाहिए। ताकि वीआईपी के नाम पर बना संशय समाप्त हो सके और मृतका को न्याय मिल सके।

व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजीव गुप्ता ने कहा कि अंकिता भंडारी उत्तराखंड की बेटी थी और उसकी निर्मम हत्या के बाद से समाज का हर वर्ग दुखी है। जब तक इस मामले की तह तक जाकर वीआईपी का चेहरा बेनकाब नहीं किया जाता, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। इस मौके पर विकास बंसल, ललित बिष्ट, रजत गुप्ता, केरू मंडल, रामकुमार गुप्ता, सोनू सक्सेना, कुलदीप गंगवार, जयप्रकाश प्रजापति, गौरव दीक्षित, बाबू राम प्रजापति, राजकुमार, राकेश अधिकारी, जितेंद्र राठौर, अरविंद गंगवार, कमल दीप सोनकर, सजीव लाला, रविंद्र गुप्ता, मनोज वर्मा, अनिल गुप्ता, यक्ष गुप्ता, राकेश कोली, विजेंद्र पाल, सुरजीत, संजय कुमार, सुरजीत गुप्ता, उमा सरकार, सचिन, सुमित गुप्ता, सुरजीत शर्मा, प्रीति साना, मोनिका ढाली आदि मौजूद रहे।

ट्रांजिट कैंप में कैंडल मार्च निकालते पूर्व विधायक ठुकराल व स्थानीय लोग। ● अमृत विचार

शांतिपुरी में सीबीआई जांच की मांग को लेकर कैंडल मार्च निकालते ग्रामीण।

अंकिता हत्याकांड को लेकर शांतिपुरी में ग्रामीणों ने निकाला कैंडल मार्च

शांतिपुरी : अंकिता हत्याकांड में न्याय की मांग को लेकर शांतिपुरी और जवाहरनगर के ग्रामीणों का आक्रोश फूट पड़ा। सैकड़ों ग्रामीणों ने जवाहरनगर से गोल गेट मुख्य चौराहे तक विशाल कैंडल मार्च निकालकर प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मामले की सीबीआई जांच कराने और दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की। सभा को संबोधित करते हुए पूर्व दर्जा राज्य मंत्री डॉ. गणेश उपाध्याय व अन्य वक्ताओं ने आरोप लगाया कि सरकार वीआईपी आरोपियों को बचाने के लिए जांच से कतरा रही है। ग्रामीणों ने शिव मंदिर में कैंडल जलाकर अंकिता को श्रद्धांजलि दी और निष्पक्ष न्याय की मांग उठाई। इस दौरान सुरक्षा के दृष्टिगत भारी पुलिस बल तैनात रहा। इस अवसर पर हेम सिंह नेगी, हीरा सिंह कोरंगा, अतुल वर्मा, धीरेंद्र पांडा, राजू पटवाल, शांति लता, भगवती, पुष्पा, चंपा राठौर आदि मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिस सुरक्षा बल तैनात रहा।

भाजपा सरकार किसानों की सच्ची हितैषी : हुड़िया

प्रदेश महामंत्री नरेश हुड़िया व जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह का स्वागत करते कार्यकर्ता।

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: भाजपा किसान मोर्चा के नवनिर्वाचित प्रदेश महामंत्री नरेश हुड़िया और जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह का दिनेशपुर आगमन पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया। गुरुवार को पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष सीमा सरकार के आवास पर आयोजित सम्मान समारोह में नरेश हुड़िया ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र और प्रदेश सरकार किसानों के कल्याण के लिए समर्पित है।

उन्होंने किसान सम्मान निधि, कृषि यंत्रों पर सब्सिडी और पशुपालन व मत्स्य पालन के लिए मिलने वाले ऋण का उल्लेख करते हुए किसानों से इन योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। जिलाध्यक्ष सुरजीत सिंह ने कहा कि "सरकार जन-जन के द्वार" अभियान के जरिए किसानों की समस्याओं का मौके पर ही समाधान किया जा रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता मंडल अध्यक्ष विश्वजीत मंडल और संचालन प्रकाश कोश्यारी ने किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू, प्रदेश उपाध्यक्ष हिमांशु सरकार, जिला मीडिया प्रभारी योगेश पानू, संजीव भटेजा, सरिता गोस्वामी, गोविंद सिंह चौहान, गोपाल सिंह ठठोला, राजेंद्र सिंह पानू, नित्यानंद मंडल, तरुण दुबे, सुभाष हालदार, विकास राय आदि सहित दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

निर्मलनगर में बनेगा स्पॉन आरसीसी सेतु

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार: कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने, शक्तिफार्म वासियों को एक और सौगात दी। जनता के मांगों के अनुरूप अब, निर्मल नगर में सूखी नदी पर 11.40 करोड़ लागत से स्पॉन आरसीसी सेतु (पुल) का निर्माण किया जाएगा, जिसके लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा ई- निविदा जारी की गई है।

शक्तिफार्म क्षेत्र के लोगों द्वारा कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के समक्ष, निर्मल नगर में सूखी नदी पर पुल निर्माण किए जाने की मांग रखी गई थी। कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा के प्रयासों से अब निर्मल नगर में सुखी नदी पर पुल निर्माण का सपना साकार होता हुआ दिख रहा है। लोक निर्माण विभाग ने पुल निर्माण के लिए कवायद तेज कर दी। इसके लिए ई- निविदा भी जारी कर दी गई है। लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता सत्यपाल सिंह ने कहा कि, निर्मल नगर में 11.40 करोड़ लागत से 150 मीटर पुल एवं छः सौ मीटर सड़क का निर्माण, राज्य योजना से किया जाएगा। इसके लिए उच्च अधिकारियों के निर्देश पर ई- निविदा जारी कर दी गई है, जिसे आने में अभी समय लगेगा, परंतु वित्तीय अनुशंसा मिल गई हैं। विधिवत कार्यवाही एवं अनुबंध के पश्चात 18 महीने में पुल का निर्माण कार्य पूर्ण होगा।

पिटारे में अभी बहुत कुछ: सौरभ बहुगुणा

शक्तिफार्म: कैबिनेट मंत्री सौरभ बहुगुणा ने कहा कि, विधानसभा क्षेत्र के लिए अभी भी उनके पिटारे में बहुत कुछ है। चुनाव के दौरान उन्होंने निर्मल नगर में पुल बनाए जाने का वादा किया था। जिसके लिए टेंडर भी जारी कर दिया गया है। यह पुल ग्राम निर्मलनगर और राजनगर को सीधे सिरसीना से जोड़ेगा। पुल निर्माण के पश्चात महाविद्यालय में अध्ययनरत बच्चों का आवागमन भी सुगम हो सकेगा। उन्होंने कहा कि विपक्ष का काम केवल कमियां निकालना और विकास की राह में रोड़ा अटकाना रहा है, लेकिन उनके पास विकास का विजन और उसे पूरा करने का सामर्थ है। उन्होंने कहा कि चुनाव में किए गए एक-एक वादे पर काम चल रहा है, अन्य सभी विकास कार्य भी इसी तरह धरातल पर उतरेंगे।

किच्छा में 10 से शतरंज प्रतियोगिता

किच्छा: देवभूमि चेस एसोसिएशन के तत्वाधान में किच्छा में प्रथम उत्तराखंड फीडे रेपिड रेटिंग इंटरनेशनल दो दिवसीय शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन आगामी 10 जनवरी से किया जाएगा तथा प्रतियोगिता में देश विदेश के तमाम शतरंज खिलाड़ी प्रतिभाग कर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। देवभूमि चेस एसोसिएशन के महासचिव संजीव चौधरी ने बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन रुद्रपुर मार्ग लालपुर स्थित भारतीयम इंटरनेशनल स्कूल में कराया जाएगा। दो दिवसीय प्रतियोगिता में कुल नौ राउंड होंगे एवं फाइनल मैच 11 जनवरी को खेले जाएंगे। विजयी खिलाड़ियों को तीन लाख रुपये की नगद धनराशि के अलावा प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह दिए जाएंगे।

कॉलोनाइजर की लापरवाही से ग्रामीण परेशान

संवाददाता, गदरपुर

अमृत विचार: मजरा शीला गांव में मानकों को ताक पर रखकर काटी गई एक नई कॉलोनी ग्रामीणों के लिए आफत बन गई है। कॉलोनी में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने के कारण नालियों का गंदा पानी ग्रामीणों के घरों और आंगनों में घुस रहा है। इससे क्षेत्र में संक्रामक बीमारियों के फैलने का खतरा पैदा हो गया है, जिसे लेकर ग्रामीणों में भारी आक्रोश है।

ग्रामीणों का आरोप है कि कॉलोनाइजर ने बुनियादी सुविधाओं जैसे पक्की सड़क और नालियों का निर्माण किए बिना ही प्लॉट काट दिए हैं। गंदा पानी जमा होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ गया है, जिससे बच्चों और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर संकट मंडरा रहा है।

गदरपुर में मुख्य विकास अधिकारी को शिकायत करते करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

ग्रामीणों का यह भी कहना है कि यदि कॉलोनाइजर नियोजित तरीके से नालियों का निर्माण कराए, तो पूरे गांव की जल निकासी की समस्या हल हो सकती है। इस गंभीर समस्या को लेकर ग्राम प्रधान प्रतिनिधि हारिश के नेतृत्व में ग्रामीणों ने मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) को शिकायती पत्र सौंपा। ग्रामीणों ने कॉलोनाइजर पर करीब दो से तीन बीघा सरकारी भूमि पर अवैध कब्जे का भी गंभीर आरोप लगाया है। मामले का संज्ञान लेते हुए सीडीओ ने एडीओ पंचायत और विद्युत विभाग को संयुक्त जांच के आदेश दिए हैं।

किंग्स एवं बालाजी इलेवन ने जीते मैच

शक्तिफार्म: राजकीय इंटर कॉलेज में आयोजित शक्तिफार्म प्रीमियर लीग क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबले में किंग्स इलेवन सितारगंज और बालाजी इलेवन ने अपने अपने मैच जीते। अर्द्धशतकीय पारी खेलने वाले किंग्स इलेवन के सिमरनजीत सिंह और बालाजी इलेवन के सौरभ राणा को प्लेयर आफ दी मैच की ट्रॉफी दी गई। बृहस्पतिवार को पहले मैच में बल्लेबाजी करते हुए किंग्स इलेवन ने सात विकेट गंवाकर 129 रन बनाए। सिमरनजीत सिंह ने 24 गेंदों में ताबड़तोड़ 79 रन बनाए। जवाब में बालाजी इलेवन 108 रन ही बना पाई। किंग्स के उमेद ने चार और सिमरनजीत सिंह ने तीन विकेट चटकाए। किंग्स इलेवन के सरोनजीत और सेंटी ने तीन-तीन विकेट चटकाए।

समझौते का प्रयास

प्रभावित परिवारों के एक- एक सदस्य को मिल्क प्लांट में नौकरी का दिया प्रस्ताव

डेयरी एवं राजस्व अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से की वार्ता

संवाददाता शक्तिफार्म

अमृत विचार: राजनगर में प्रस्तावित मिल्क प्लांट के विरोध में प्रभावित परिवारों का विरोध एवं धरना प्रदर्शन चौथे दिन भी जारी रहा। डेयरी विभाग के अधिकारियों एवं तहसीलदार ने परिवारों से वार्ता की। इस दौरान अधिकारियों ने चारों परिवारों से एक- एक व्यक्ति को मिल्क प्लांट में नौकरी देने का प्रस्ताव दिया। लेकिन, ग्रामीण जमीन के बदले जमीन दिलाने की मांग पर अड़े रहे। प्रभावित परिवारों का कहना है कि ग्राम राजनगर में उनके पूर्वजों ने रतिकांत मिस्त्री से उसकी पांच एकड़ जमीन को खरीदा था। दावा किया कि उक्त भू- अभिलेखों में जमीन उनके नाम पर वर्ग 20 में दर्ज है। वह कई सालों से उक्त जमीन में खेती कर रहे हैं। आरोप लगाया कि उन्हें जानकारी दिए बिना, प्रशासन ने उनकी जमीन को डेयरी विभाग को हस्तांतरित कर दिया। उन्हें कोई नोटिस अथवा सूचना तक नहीं दी गई। ग्रामीणों ने कहा कि उक्त जमीन पर उन्होंने सरसों की फसल लगाई थी। डेयरी विभाग ने फसल को नष्ट कर मिल्क प्लांट का निर्माण कार्य शुरू करा दिया। इधर, धरने के चौथे दिन डेयरी विभाग के सहायक निदेशक राजेंद्र चौहान, तहसीलदार हिमांशु जोशी, राजेश मेहता, कानूनगो वीरेंद्र लाल, पटवारी दीपक मेहर ने प्रभावित परिवार से वार्ता की। विभाग ने प्रभावित परिवारों के एक सदस्य को मिल्क प्लांट में नौकरी देने का प्रस्ताव दिया। लेकिन, परिवारों ने प्रस्ताव को ठुकरा दिया। उन्होंने जमीन के बदले जमीन देने की मांग की। इस मौके पर कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष उत्तम आचार्य, विश्वजीत मंडल आदि मौजूद रहे।

राजनगर में आंदोलित परिवारों के साथ वार्ता करते अधिकारी। ● अमृत विचार

कृषि पट्टे की शर्तों का हुआ उल्लंघन

शक्तिफार्म: तहसीलदार हिमांशु जोशी ने कहा कि कृषि पट्टे की शर्तों का उल्लंघन करने पर, वर्ष 2003 में प्रशासन द्वारा पट्टा निरस्त कर दिया गया था। जिला प्रशासन ने वर्ष 2023 में उक्त जमीन को, डेयरी विकास विभाग को हस्तांतरित कर दिया है।

नौकरी व कैंटीन देने का रखा प्रस्ताव

शक्तिफार्म: डेयरी विभाग के सहायक निदेशक राजेंद्र चौहान ने कहा कि, डेयरी विभाग को हस्तांतरित जमीन पर दावा करने वाले, चारों परिवारों से वार्ता की गई है। प्रत्येक परिवार के एक- एक सदस्य को मिल्क प्लांट में नौकरी अथवा कैंटीन या दुकानें देने का प्रस्ताव दिया है। उन्होंने कहा कि विरोध करने वाले लोगों को, इस प्रस्ताव पर विचार करने के लिए समय दिया गया है।

नाटक में डायनेस्टी को विशेष पुरस्कार

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: नेशनल काउंसिल ऑफ साइंस म्यूजियम व मिनिस्ट्री ऑफ कल्चरल के तत्वाधान में आयोजित "राष्ट्रीय विज्ञान नाटक महोत्सव" में डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी ने विशेष पुरस्कार हासिल कर क्षेत्र को गौरवान्वित किया है।

छह-सात जनवरी को "बिरला इंडस्ट्रियल एंड टेक्नोलॉजिकल म्यूजियम" कोलकाता में आयोजित विज्ञान नाटक महोत्सव में विद्यालय की टीम को विशेष पुरस्कार के रूप में 10 हजार, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। जीतकर विद्यालय व राज्य उत्तराखंड को गौरवान्वित किया है। टीम में डायरेक्टर सुरेश ओली, स्क्रिप्ट राइटर वैष्णवी विश्वकर्मा,

डायनेस्टी मॉडर्न गुरुकुल एकेडमी छिनकी फार्म की विजेता टीम। ● अमृत विचार

प्रतिभागी वंश भंडारी, दिव्यांशु पोखरिया, राहुल जोशी, शगुन चड्ढा, प्रज्ञा भट्ट, नंदिनी जोशी, खुशी बिष्ट और हिमांशी जोशी शामिल रहे। टीम की इस विशेष उपलब्धि पर प्रबंध निदेशक धीरेंद्र चंद्र भट्ट ने समस्त विद्यार्थियों व दल शिक्षकों को शुभकामनाएं दीं। महोत्सव से वापस लौटी टीम का स्वागत किया गया। इस अवसर पर निदेशिका प्रेमा भट्ट, प्रधानाचार्य चंद्रकांत पनेरू, मनीष चंद, विक्टर आईवन, हरीश भट्ट, दिगंबर भट्ट, अशोक जोशी, रमेश जोशी, मनीष ठाकुर, शिल्पा सक्सेना, ऊषा भट्ट, हेमलता बोरा, कल्पना चंद, भरत बिष्ट, केशव जोशी, प्रियंका पाठक, दीपा डसीला, विनीता भट्ट, राधा चंद आदि रहे।

सिटी ब्रीफ

13 लीटर कच्ची शराब के साथ एक गिरफ्तार

काशीपुर : कुंडेश्वरी पुलिस चौकी प्रभारी चंदन सिंह बिष्ट पुलिसकर्मियों के साथ क्षेत्र में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान ग्राम कुंडेश्वरा में बरसाना पेपर मिल से कुछ दूरी पर एक संदिग्ध व्यक्ति को सड़क किनारे बैठे देखा। पुलिस ने तलाशी लेने पर उसके पास से तीस पाउच लगभग 13 लीटर कच्ची शराब बरामद की। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम सतनाम सिंह निवासी ग्राम सिसईखेड़ा, तहसील खैराना थाना नानकमत्ता, हाल निवासी ग्राम नंदरामपुर बताया। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया।

12 जनवरी को लगेगा दिव्यांगों के लिए शिविर

जसपुर : समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत आगामी 12 जनवरी को भारतीय कृत्रिम अंग निर्माण निगम एलिम्को द्वारा दिव्यांग एवं वरिष्ठ नागरिकों को उपकरण देने को पंजीकरण के लिए ब्लॉक सभागार में कैंप लगेगा। बीडीओ केके कांडपाल ने बताया कि कैंप सुबह 11 बजे से लगेगा। इसके तहत अधिक से अधिक पात्र व्यक्तियों को लाभ मिल सकेगा।

13 जनवरी को मेघावाला में लगेगा कैंप

जसपुर : जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार कार्यक्रम के तहत 13 को मेघावाला एवं 23 को पूरनपुर और 31 जनवरी को अहमद नगर में कैंप लगाये जायेंगे। एसडीएम ने विभागीय अफसरों से इन कैंपों के लिए तैयारी करने को कहा है।

बुद्ध वंदना कार्यक्रम का होगा आयोजन

काशीपुर : अंबेडकर पार्क जनकल्याण सेवा समिति अध्यक्ष चंद्रहास गौतम ने बताया कि 11 जनवरी की सुबह दस बजे से ग्राम रैहटा बन्नाखेड़ा बाजपुर निवासी रज्जन सिंह बौद्ध के निवास पर धम्म देशना और बुद्ध वंदना कार्यक्रम का आयोजन होगा। इसमें धम्म देशना, बुद्ध वंदना और गौतम बुद्ध और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर की शिक्षाओं के प्रचार के बारे में जानकारी दी जाएगी। उन्होंने इसमें शामिल होने के लिए अधिक से अधिक अनुयायियों से पहुंचने का आह्वान किया है।

स्वयं सेवियों ने किया ग्रामीणों को जागरूक

काशीपुर : अटल उत्कृष्ट राजकीय इंटर कॉलेज प्रतापपुर की एनएसएस शाखा इकाई की ओर से आयोजित सात दिवसीय विशेष शिविर के छठे दिन स्वयंसेवियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर ग्रामीणों को जागरूक किया। बृहस्पतिवार को राजकीय प्राथमिक विद्यालय प्रतापपुर में स्वयंसेवियों ने एसआईआर पर नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर ग्रामीणों को जागरूक किया। बौद्धिक सत्र में डॉ. पीके वर्मा ने दांतों का परीक्षण कर होने वाली बीमारियों से बचने के बारे में जानकारी दी। पूर्व प्रधानाचार्य जेके कटियार ने एनएसएस के महत्व के बारे में बताया। वहां पर कार्यक्रम अधिकारी कमलेश ऐरी, राजेंद्र सिंह रावत, एलडी कबड़वाल, जीवन सिंह आदि मौजूद रहे।

मंडल महामंत्री ने सीएम को सौंपा मांग पत्र

जसपुर : भाजपा के भरतपुर मेघावाला मंडल महामंत्री हरप्रीत सिंह हैप्पी ने सीएम से मिलकर तीन सूत्रीय मांगों का पत्र सौंपा। साथ ही मांगों का निराकरण कराने की मांग की। गुरुवार को सीएम पुष्कर सिंह धामी से देहरादून जाकर मिले मंडल महामंत्री ने कहा कि जसपुर आगमन पर भोगपुर डैम को राजस्व ग्राम घोषित करने का वादा किया था। लेकिन अभी तक भोगपुर डाम राजस्व ग्राम नहीं बना है। गांव में आंगनबाड़ी भवन की सख्त जरूरत है। छोटे बच्चे और गर्भवती महिलाएं परेशान रहती है। साथ ही श्रेणी 6/4 की भूमि पर काबिज लोगों का नियमितीकरण किया जाए।

काशीपुर से जुड़ी विकास की समस्याएं उठाई गईं

जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के वाइस चेयरमैन को सौंपा ज्ञापन

- केडीएफ ने वाइस चेयरमैन से प्रस्तावों पर चर्चा की

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: शहर के समग्र विकास के लिए काशीपुर डेवलपमेंट फोरम का एक प्रतिनिधिमंडल जिला स्तरीय विकास प्राधिकरण के वाइस चेयरमैन जय किसन से मिला। नगर से जुड़ी विभिन्न महत्वपूर्ण विकास की समस्याओं एवं प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की।

इस अवसर पर केडीएफ के अध्यक्ष राजीव घई ने वाइस चेयरमैन को बताया कि द्रोणा सागर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का ड्रीम प्रोजेक्ट है। उसको 13 डेस्टिनेशन, 13 डिस्ट्रिक्ट योजना के अंतर्गत पर्यटन विभाग की ओर से विकसित किया जा रहा है। इस परियोजना के प्रथम चरण का कार्य कुमाऊं मंडल विकास निगम की ओर से सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। द्रोणा सागर के प्रथम चरण के स्थायी रखरखाव एवं संचालन के लिए नगर निगम काशीपुर को अधिकृत किए जाने की मांग की है। इससे

वाइस चेयरमैन को ज्ञापन सौंपते केडीएफ के पदाधिकारी। ● अमृत विचार

न केवल संपत्ति का बेहतर संरक्षण हो सके बल्कि लंबित द्वितीय चरण का कार्य भी शीघ्र प्रारंभ किया जा सके। प्रतिनिधि मंडल ने बाजपुर रेलवे फाटक पर रेलवे विभाग की ओर से स्वीकृत अंडरपास के निर्माण कार्य का विषय उठाया।

उन्होंने बताया कि भूमि विवाद के कारण यह अत्यंत आवश्यक परियोजना लंबे समय से लंबित है, जिससे आम नागरिकों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। इस अवसर पर केडीएफ के उपसचिव चक्रेश जैन ने वाइस चेयरमैन से काशीपुर मास्टर प्लान को शीघ्र लागू किए जाने की मांग रखी। वाइस चेयरमैन जय किसन ने अवगत कराया कि काशीपुर में शीघ्र कई महत्वपूर्ण राज्य स्तरीय विकास योजनाएं प्रारंभ होने जा रही हैं, जो नगर के विकास को नई गति प्रदान करेंगी। उन्होंने काशीपुर में सकारात्मक पूर्ण सहयोग देने का आश्वासन दिया।

हरियाणा से दबोचा डकैती का इनामी बदमाश

किच्छा : कोतवाली पुलिस ने लंबे समय से फरार चल रहे डकैती के वांछित अभियुक्त राहुल सिंह को हरियाणा के सोनीपत से गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। आरोपी पर ढाई हजार रुपये का इनाम घोषित था। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) मणिकांत मिश्रा ने इस सराहनीय कार्य के लिए पुलिस टीम को 5 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि देने की घोषणा की है। जानकारी के अनुसार, राहुल सिंह किच्छा और खटीमा में डकैती सहित कई गंभीर धाराओं में वांछित था। इस मामले में छह आरोपी पहले ही जेल जा चुके थे, जबकि सातवां आरोपी राहुल लगातार फरार चल रहा था। न्यायालय द्वारा गैर-जमानती वारंट और कुर्की की कार्यवाही के बावजूद वह पेश नहीं हो रहा था। एसएसपी के निर्देश पर गठित पुलिस टीम ने सोनीपत के सेक्टर-27 क्षेत्र में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार किया। एसएसपी मणिकांत मिश्रा ने कहा कि उसे न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पचपेड़ा में लगा जागरूकता कैंप

खटीमा : बाल अधिकार संरक्षण विषय पर कंचनपुरी ग्राम पचपेड़ा में जागरूकता कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें पीएलवी विमल कुमार द्वारा बच्चों के लिए बाल संरक्षण अधिनियम में बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए राष्ट्रीय और राज्य में आयोग बनाए गए। लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम 2012 यौन हिंसा से बच्चों की सुरक्षा और इसी के साथ बाल श्रम अधिनियम 1986 के अंतर्गत कल्याण एवं बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करना के बारे में विस्तार से बताया।

चार बाइकों के साथ चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

काशीपुर में चोरी की बाइक के साथ गिरफ्तार आरोपी। ● अमृत विचार

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: कोतवाली पुलिस ने दो शातिर वाहन चोरों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी की चार मोटरसाइकिलें बरामद की हैं। पकड़े गए दोनों आरोपियों का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है।

प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र चौधरी ने बताया कि बीती शाम पुलिस टीम ने सीसीटीवी फुटेज और मुखबिर की सूचना पर नौगजा मजार के पास घेराबंदी की। इस दौरान पुलिस ने बिना नंबर प्लेट की मोटरसाइकिल के साथ दो संदिग्धों को दबोच लिया। जब मोटरसाइकिल के चेचिस नंबर का मिलान किया गया, तो वह उदयराज मैदान से चोरी हुई बाइक निकली, जिसकी चोरी की रिपोर्ट कोतवाली में दर्ज थी। पूछताछ में दोनों ने अपना नाम बलदेव सिंह उर्फ बिरजू निवासी रम्पुरा व मलखान सिंह निवासी कुमाऊं कॉलोनी, कचनालगाजी बताया। बताया कि सख्ती से पूछताछ करने पर आरोपियों की निशानदेही पर पुलिस ने नौगजा मजार के पास झाड़ियों में छिपाकर रखी गई तीन अन्य मोटरसाइकिलें भी बरामद की। इनमें से एक बाइक कुंडेश्वरी चौराहे से चोरी हुई थी, जबकि अन्य दो बाइकों के विषय में पुलिस जांच कर रही है।

पकड़े गए आरोपियों का है आपराधिक इतिहास

काशीपुर : प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र चौधरी ने बताया कि पकड़े गए दोनों आरोपी हिस्ट्रीशीटर हैं। मलखान सिंह पर चोरी और आर्म्स एक्ट के 10 मुकदमें और बलदेव सिंह उर्फ बिरजू पर भी चोरी और आर्म्स एक्ट के पांच मुकदमे पूर्व में दर्ज हैं।

अपना घर अपार्टमेंट में चोरों का धावा

काशीपुर: कुंडेश्वरी पुलिस चौकी क्षेत्र के अंतर्गत ''अपना घर'' अपार्टमेंट में बुधवार रात चोरों ने दो बंद घरों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। चोरों ने अपार्टमेंट निवासी तौरन सिंह के घर से लगभग डेढ़ तोला सोने के आभूषण और चांदी के सिक्के चोरी कर लिए।इसके अलावा, चोरों ने सुधीर कुमार के घर में एक महिला किराएदार के बंद कमरे को भी खंगाला, हालांकि वहां से कोई सामान चोरी होने की सूचना नहीं है। घटना का पता बृहस्पतिवार सुबह चला, जिसके बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस अब चोरों की तलाश में आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है।

पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाकर किए चालान

काशीपुर : कुंडा कोतवाली पुलिस द्वारा क्षेत्र में कानून-व्यवस्था और यातायात सुरक्षा को मजबूत करने के उद्देश्य से सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया।गुरुवार को कुंडा कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत पुलिस चौकी मंडी पर अभियान संचालित किया गया। जहां नियमों की अनदेखी करने वाले दोपहिया वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की गई। चेकिंग के दौरान बिना हेलमेट, बिना ड्राइविंग लाइसेंस, तीन सवारी तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले दर्जनों वाहन चालकों के नगद एवं ऑनलाइन चालान किए गए।

रंगयात्रा के साथ आज से 'उत्तरायणी कौतिक'

खटीमा: कुमाऊं सांस्कृतिक उत्थान समिति के तत्वावधान में सात दिवसीय उत्तरायणी कौतिक का शुभारंभ आज शुक्रवार से होगा। सुबह 10 बजे तराई बीज विकास निगम परिसर से न्याय देवता गोल्ज्यू महाराज की अगुआई में भव्य सांस्कृतिक रंगयात्रा निकाली जाएगी। रंगयात्रा में थारू जनजाति के नृत्य, छोलिया कलाकार और पारंपरिक वेशभूषा में कलश लिए महिलाएं आकर्षण का केंद्र रहेंगी। शाम को सांस्कृतिक संध्या में प्रसिद्ध गायक जितेंद्र तोमक्याल और सुंदर सिंह कफलिया अपनी प्रस्तुतियों से समां बांधेंगे। समिति अध्यक्ष ठाकुर सिंह खाती और सचिव भुवन चंद्र भट्ट ने बताया कि मेले में स्थानीय लोक कला और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी।

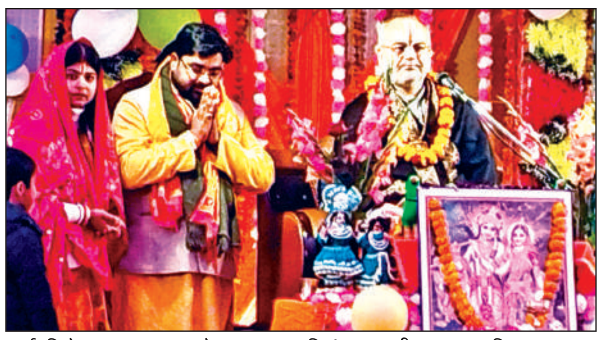
पूर्णाहुति के पश्चात कथा करते कथावाचक रवि नंदन शास्त्री। ● अमृत विचार

पूर्णाहुति एवं यज्ञ के साथ भागवत कथा का समापन

शक्तिफार्म : नगर के राधे-राधे मंदिर में आयोजित, संगीतमय श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का, पूर्णाहुति एवं महायज्ञ के साथ समापन हुआ। इसके पश्चात महा भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु पहुंचकर प्रसाद ग्रहण किया। पूर्णाहुति एवं महायज्ञ के पश्चात आयोजित भागवत श्रद्धालुओं को प्रवचन देते हुए कथावाचक पंडित रविनंदन शास्त्री ने कहा कि, मन में अटूट आस्था लेकर चलने वाले प्रत्येक व्यक्ति पुण्य के भागी होते हैं। भागवत श्रवण एवं भक्ति, प्रभु मिलन का सशक्त माध्यम है। इस मौके पर नगर पंचायत चेयरमैन सुमित मंडल, आयोजन समिति अध्यक्ष रिपु सुदन मंडल, विपिन डालमिया, किशन शर्मा, सुमिरन मंडल, रंजीत, अजीत हालदार, नारायण खान, अप्पू हालदार, हजारी कीर्तनीय, डॉ नारायण सरकार, गोविंद पोखरिया, सूरज देवनाथ, रविंद्र अग्रवाल, तारक प्रमाणिक, प्रकाश सरकार, अजय मल्लिक, निखिल कुमार, सुनील विश्वास आदि मौजूद रहे।

डंपर चालक के खिलाफ केस दर्ज

काशीपुर: कुंडेश्वरी मार्ग पर तेज रफ्तार डंपर ने मोटरसाइकिल सवार युवक को सामने से जोरदार टक्कर मार दी थी। जिसमें युवक की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने तहरीर के आधार पर अज्ञात डंपर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। ग्राम चांदपुर निवासी राहुल सिंह ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनका 26 वर्षीय भाई रोहित सिंह, जो एक निजी अस्पताल में कार्यरत था, बीते एक जनवरी की रात करीब 9:30 बजे कुंडेश्वरी से वापस अस्पताल लौट रहा था। जैसे ही रोहित मालवा फार्म मोड़ के पास पहुंचा, तो चैती चौराहे की ओर से आ रहे डंपर के अज्ञात चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए गलत दिशा में आकर रोहित की मोटरसाइकिल को सामने से टक्कर मार दी।

शिविर में 33 शिकायतों का निस्तारण

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: बहुउद्देशीय शिविर में 64 शिकायतों में से 33 शिकायतों का मौके पर निस्तारण किया गया। इस दौरान सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं की लोगों को जानकारी दी गई।

गुरुवार को किसान इंका में जन-जन की सरकार जन-जन के द्वारा कार्यक्रम के तहत एडीएम पंकज उपाध्याय की अध्यक्षता में बहुउद्देशीय शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान लोगों ने बिजली, पानी, राशन कार्ड, आधार कार्ड की शिकायतों को प्रमुखता से रखा। शिविर के दौरान गर्भवती महिलाओं को महालक्ष्मी किट का वितरण किया गया। वहीं 168 स्थायी जाति, आय व दाखिल खारिज पत्रावलियों का भी निस्तारण किया गया। वहीं एक हजार से अधिक लाभार्थियों को विभिन्न विभागों की योजनाओं से लाभान्वित किया गया। श्रम विभाग ने श्रमिक कार्ड बनाने के साथ टूल किट का वितरण किया। शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा स्टॉल लगाकर लोगों को विभागों में संचालित योजनाओं की जानकारी दी गई।

काशीपुर में लगे बहुउद्देशीय शिविर का निरीक्षण करते अधिकारी। ● अमृत विचार

यहां एसडीएम अभय प्रताप सिंह, तहसीलदार पंकज चंदोला, ब्लॉक प्रमुख चंद्रप्रभा, कुंडेश्वरी ग्राम प्रधान पायल चौधरी, राजेश कुमार, शिवलालपुर ग्राम प्रधान शौर्य दत्त लखेड़ा, सुशील कुमार, सृष्टि बंसल, तरसेम सिंह, बीडीओ कमल किशोर पांडे, धर्म पाल, अमित मनचंदा आदि मौजूद रहे।

हादसे में ट्रैक्टर चालक के खिलाफ केस दर्ज

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: मार्केट से सामान लेकर लौट रहे दो दोस्तों को एक अनियंत्रित ट्रैक्टर ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में एक युवक की जान चली गई, जबकि बाइक चला रहा उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर ट्रैक्टर चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

उत्तर प्रदेश के जिला रामपुर, थाना स्वार के ग्राम मिलक नोखरीद निवासी करन सिंह ने पुलिस को तहरीर देकर बताया कि उनका पुत्र केशव बीते 05 जनवरी की शाम करीब 5:30 बजे अपने दोस्त प्रदीप के साथ मोटरसाइकिल यूके 18 यू 1205 पर सवार होकर काशीपुर बाजार से सामान लेकर घर लौट रहा था। जैसे ही वह एक ढाबे के पास पहुंचे, पीछे से आ रहे ट्रैक्टर के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए उनकी बाइक को जोरदार टक्कर मार दी।

टक्कर इतनी भयानक थी कि केशव और प्रदीप दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद अशोक दिवाकर व अन्य लोगों ने तुरंत दोनों को सरकारी अस्पताल काशीपुर पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने केशव को मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर आईटीआई थाना पुलिस ने ट्रैक्टर और मोटरसाइकिल को कब्जे में ले लिया।

8 मेधावी छात्रों का पुलिस कांस्टेबल की लिखित परीक्षा के लिए हुआ चयन

संवाददाता, किच्छा

अमृत विचार: नगर स्थित दिशा शिक्षण संस्थान के 8 छात्रों का चयन पुलिस कांस्टेबल की लिखित परीक्षा के लिए हुआ है। इस दौरान संस्थान के छात्र-छात्राओं ने मिष्ठान वितरण कर खुशी का इजहार किया। दिशा शिक्षण संस्थान की प्रबंधिका अंजिता सिंह ने बताया कि संस्थान में शिक्षा ग्रहण कर रहे नगला बायपास, पंतनगर निवासी विनीत यादव पुत्र राजीव यादव, शांतिनगर बिंदुखत्ता, लालकुआं निवासी सुमित कुमार पुत्र कुंदन कुमार, ट्रांजिट कैंप, रुद्रपुर निवासी चंदन थापा पुत्र राजू थापा, ग्राम भंगा, थाना

अयान।

चंदन।

हिमांशु।

शोएब।

पुलभट्टा निवासीगण अयान सैफी पुत्र अकील सैफी, रवि कुमार पुत्र चित्रलेश कुमार व अरबाज सिद्दीकी पुत्र साबिर सिद्दीकी, ग्राम गऊघाट, किच्छा निवासी शोएब अहमद पुत्र

हिमांशु।

तसलीम अहमद तथा आदर्श कॉलोनी, किच्छा निवासी हिमांशु जोशी पुत्र भुवन चंद जोशी का चयन पुलिस कांस्टेबल की लिखित परीक्षा के लिए हो गया है। उन्होंने बताया कि इससे पूर्व भी तमाम सरकारी विभागों में संस्थान के मेधावी छात्र-छात्राओं का चयन हो चुका है। इस मौके पर प्रियंका मिश्रा, शालिनी श्रीवास्तव, जाह्नवी, मंजरी, पलक, ज्योति शर्मा, पूजा चौहान, नेहा हसन, एलिस, पलक, खुशबू, प्रीति पवार, अनीता आदि मौजूद रहे।

डग्गामार वाहन लगा रहे रोडवेज को चूना

- डग्गामारी से परिवहन निगम को हो रहा घाटा

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: डग्गामार वाहनों की समस्या से रोडवेज बसों को निजात नहीं मिल पा रही है। हालात ऐसे हैं कि निजी टैक्सियां दिल्ली की सवारियों को लेकर जा रही हैं और रोडवेज बसें खाली जा रही हैं। हालांकि परिवहन विभाग इस ओर कार्रवाई कर रहा है, लेकिन फिर भी इन पर लगाम नहीं लग पा रहा है।

काशीपुर डिपो की बात करें तो यहां से प्रतिदिन 15 रोडवेज की बसें दिल्ली को जाती हैं। काशीपुर के महाराणा प्रताप चौक और टांडा मोड़ से निजी टैक्सियां दिल्ली की सवारियां ढो रही हैं। आलम यह है कि निजी टैक्सियां एक ऑनलाइन एप के माध्यम से संचालित हो रही हैं और आसानी से सवारियों को लेकर जा रही हैं। दिल्ली के अलावा यह टैक्सियां देहरादून और हरिद्वार की सवारियों को ले जाती हैं। ऐसे में रोडवेज बसें खाली जा रही हैं। परिवहन विभाग ने अभियान चलाकर डग्गामार वाहनों के खिलाफ कार्रवाई की। लगातार अभियान के बाद भी इन पर लगाम नहीं लग पा रहा है। काशीपुर डिपो के सहायक महाप्रबंधक नवीन आर्य ने बताया कि परिवहन विभाग को ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने को पत्र लिखा गया है।

आयोजन

11 विश्वविद्यालयों के खिलाड़ी करेंगे प्रतियोगिता में प्रतिभाग

पंत विवि में खेलकूद प्रतियोगिता 23 फरवरी से

- राज्यपाल और मुख्यमंत्री भी रहेंगे प्रतियोगिता के दौरान मौजूद

संवाददाता, पंतनगर

अमृत विचार: गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में प्रवेश के अंतर विश्वविद्यालय खेलकूद प्रतियोगिता 2026 की मेजबानी के लिए तैयारी पूरी कर ली है। प्रतियोगिता 23 से 26 फरवरी को विश्वविद्यालय के स्टीवेंसन स्टेडियम में आयोजित की जाएगी।

गुरुवार को कुलपति प्रोफेसर डॉ.मनमोहन सिंह चौहान की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। इसमें खेल-कूद प्रतियोगिता आयोजित करने के

बैठक को संबोधित करते कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान। ● अमृत विचार

संबंध में उपस्थित अधिष्ठाता एवं निदेशकों से साथ विस्तृत चर्चा की गयी। कुलपति ने बताया कि इस प्रतियोगिता में उत्तराखंड के 11 विश्वविद्यालयों के खिलाड़ी विभिन्न खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। वहीं राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भी उपस्थित रहेंगे।इसके अलावा सभी विश्वविद्यालयों के कुलपति एवं कुलसचिव की भागीदारी के लिए निमंत्रण दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम को सफल बनाने के उद्देश्य से विभिन्न समितियों का गठन किया गया है। साथ ही संबंधित अधिकारियों को उनके दायित्व सौंपे दिए गए हैं। कुलपति ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी विभागों के बीच समन्वय, समयबद्ध योजना और सक्रिय सहभागिता पर विशेष बल दिया। बैठक का संचालन अधिष्ठाता छात्र कल्याण डॉ.एएस जीना ने किया।

डॉ.मोहम्मद यासिर बेग को मिली डिग्री

बाजपुर: नगर निवासी डॉ.मोहम्मद यासिर बेग ने चिकित्सा शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए एमसीएच सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलाजी की डिग्री प्राप्त की है। इसके साथ ही वह पूरे कुमाऊं मंडल के पहले एमसीएच सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलाजिस्ट बन गए हैं। एमसीएच सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलाजी का परिणाम हाल ही में घोषित हुआ है। डा.यासिर बेग की प्रारंभिक शिक्षा सेंट मेरीज सीनियर सेकेंडरी स्कूल बाजपुर से हुई। इसके बाद उन्होंने डीपीएस आरके पुरम, नई दिल्ली जैसे प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान से स्कूली शिक्षा पूर्ण की।

नेता प्रतिपक्ष का जन्मदिन मनाया

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य के जन्मदिन के अवसर पर उनकी दीर्घायु की कामना को लेकर बाजपुर में विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए।

गुरुवार को रामराज रोड स्थित तीन मूर्ति मंदिर में पं.शिवकुमार शास्त्री ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ विधि-विधान से हवन-यज्ञ संपन्न कराया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं व समर्थकों ने आहुतियां देकर आर्य की दीर्घायु की कामना की तथा प्रसाद वितरित किया गया। इस मौके पर उत्तराखंड किसान कांग्रेस के प्रदेशाध्यक्ष हरमिंदर सिंह ढिल्लो, नगरपालिकाध्यक्ष गुरजीत सिंह गित्ते, वरिष्ठ कांग्रेस नेता डा.नरेंद्र खत्री, विधायक प्रतिनिधि डीके जोशी, संजय मित्तल, कांग्रेस नगराध्यक्ष सत्यवान गर्ग, ब्लाक अध्यक्ष पवन शर्मा, किसान प्रकोष्ठ के प्रदेश उपाध्यक्ष नवदीप सिंह कंग मौजूद रहे। वहीं नेता प्रतिपक्ष के आवास पर बाजपुर के कार्यकर्ताओं ने हरमिंदर सिंह ढिल्लो की अगुवाई में पहुंचकर केक काटकर जन्मदिन मनाया।

अपने जन्मदिन पर केक काटते नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य। ● अमृत विचार

ब्रीफ न्यूज

12 को आईटीआई में होगा अप्रेंटिसशिप मेला

टनकपुर : स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पं स्वर्गीय पूर्णानंद जोशी राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान में 12 जनवरी को प्रधानमंत्री नेशनल अप्रेंटिसशिप मेले का आयोजन किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए प्रधानाचार्य लोकेश चन्द्र भट्ट ने बताया कि मेले में सिडकुल सितारगंज और पंतनगर की विभिन्न कंपनियों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस अप्रेंटिसशिप मेले में हाई स्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई एवं डिप्लोमा पास अभ्यर्थी आवेदन कर सकते हैं।

किशोरी ने गटका विषाक्त पदार्थ, भर्ती

टनकपुर : नगर निवासी एक किशोरी ने अज्ञात कारणों के चलते विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। तबियत बिगड़ने पर स्वजन आनन-फानन में उसे उपचार के लिए उप जिला अस्पताल ले गए। उपचार के बाद हालत में सुधार है। गुरुवार सुबह एसबीआई मार्ग निवासी एक किशोरी ने घर में ही विषाक्त पदार्थ का सेवन कर लिया। डॉ. जितेंद्र जोशी ने बताया कि किशोरी की हालत में सुधार हो रहा है। जल्द उसे घर भेज दिया जाएगा। किशारी के विषाक्त पदार्थ का सेवन करने के कारणों का पता नहीं चल सका है। अलबत्ता स्वास्थ्य में सुधार होने पर स्वजनों ने राहत की सांस ली है।

अंकिता को न्याय दिलाने की मांग को लेकर आक्रोश रैली निकाली

विभिन्न संगठनों ने मामले की सीबीआई जांच व दोषियों को सजा देने की मांग उठाई

- विभिन्न संगठनों ने शक्ति प्रदर्शन कर विरोध किया

संवाददाता, अल्मोड़ा

अल्मोड़ा में गुरुवार को आक्रोश रैली निकालते विभिन्न संगठनों से जुड़े लोग। ● अमृत विचार

अमृत विचार: अंकिता भंडारी हत्याकांड में सीबीआई जांच की मांग को लेकर गुरुवार को विभिन्न संगठनों ने शक्ति प्रदर्शन किया। इस दौरान बड़ी संख्या में लोगों ने मॉल रोड से मुख्य बाजार तक आक्रोश रैली निकाली। रैली के दौरान पूरा शहर अंकिता को न्याय दो, सीबीआई जांच कराओ और दोषियों को सजा दो के नारों से गूंज उठा।

आक्रोश रैली में महिलाओं, युवाओं और विभिन्न सामाजिक संगठनों की बड़ी भागीदारी देखने को मिली। हाथों में तख्तियां और बैनर लिए प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। रैली में लोगों का आक्रोश साफ तौर पर नजर आया। वक्ताओं ने कहा कि अंकिता भंडारी के माता-पिता लगातार सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं, लेकिन सरकार उनकी आवाज को दबाने का काम कर रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि हत्याकांड की सीबीआई जांच कराने से साथ ही जब तक दोषियों को सजा नहीं कराई जाती, तब तक आम जनता चुप नहीं बैठने वाली। कहा कि यह लड़ाई केवल अंकिता के लिए नहीं, बल्कि उत्तराखंड की हर बेटी के न्याय और सुरक्षा की लड़ाई है। विभिन्न संगठनों की आक्रोश रैली को लेकर सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस बल तैनात रहा।

इस मौके पर पीसी तिवारी, विनय किरौला, मौहम्मद शाकिब, नारायण राम गोपाल राम किरन आर्य, प्रकाश चंद्र हेमचंद्र पांडे, राजू गिरी, भावना पांडे, भारती पांडे, जीवन चंद्र, ईश्वरी दत्त जोशी, सुनीता पांडे दयाकृष्ण कांडपाल जगत रौतेला विनोद तिवारी-संचालक राष्ट्रनीति यूट्यूब चैनल, गिरीश नाथ गोस्वामी-केन्द्रीय सचिव उत्तराखंड क्रांति दल, भास्कर भौर्याल, मनोज बिष्ट, भुवन कठैत, नीमा आर्या, आशीष जोशी, नीरज पंत, वैभव जोशी, सुशील शाह, ललित मोहन जोशी समेत कई लोग मौजूद रहे।

नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशिप में बिट्टू कनवाल का चयन

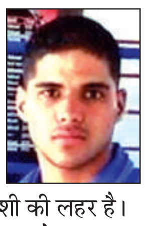

अल्मोड़ा : सीनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशीप बिट्टू कनवाल का चयन हुआ हैं। उनकी इस उपलब्धि पर खेल प्रेमियों में खुशी की लहर है।

बीते दिनों रामनगर में हुए ट्रायल में बिट्टू ने शानदार खेल का प्रदर्शन किया था। जिसकी बदौलत उनका चयन सीनियर नेशनल बॉक्सिंग चैंपियनशीप के लिए हुआ हैं। यह प्रतियोगिता नोएडा में आयोजित होनी हैं। वही, बीते ने अब तक ऑल इंडिया नेशनल मेडल, इंडिया कैंप, थाई बॉक्सिंग में स्वर्ण पदक के साथ ही कई राष्ट्रीय वह राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर चुके है।

उनकी इस उपलब्धि पर राज्य बॉक्सिंग संघ के सचिव गोपाल खोलिया, बैडमिटन संघ के सचिव बीएस मनकोटी, देव सिंह, वीरेंद्र कनवाल, पुष्कर सिंह, दीपक आर्य, अक्कू कनवाल, गोलू, राजेंद्र कनवाल, संजीव, विनय, विजय, चंदन, अभिषेक राणा, नवनीत जोशी, सुंदर कनवाल समेत कई खेल प्रेमियों ने खुशी जताई है।

जनता से किए गए सभी वादे हो रहे पूरे: कर्नाटक

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: पूर्व दर्जा मंत्री और भाजपा नेता बिट्टू कर्नाटक ने कहा कि प्रदेश की धामी सरकार समूचे प्रदेश के समग्र विकास को लगातार संकल्पबद्ध है। उन्होंने कहा कि धामी सरकार द्वारा जनता से किए गए समस्त वादों को पूरा किया जा रहा है।

उन्होंने जारी एक बयान में कहा कि चौखुटिया में जनता की मांग पर चिकित्सालय में बाल रोग विशेषज्ञ एवं महिला रोग विशेषज्ञ की नियुक्ति कर दी गई है। साथ ही राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत यू कोट, वी पे मॉडल के तहत चयनित इन सात विशेषज्ञ चिकित्सकों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चौखुटिया, डीडीहाट, बीरोंखाल और उप जिला चिकित्सालय गैरसैण में तैनाती दी गई है।ताकि मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया हो सके। कहा कि राजकीय चिकित्सा इकाईयों में आधुनिक उपकरणों से लेकर चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टॉफ व अन्य सपोर्टिंग स्टॉफ की तैनाती लगातार कर रही है। प्रदेश में विशेषज्ञ चिकित्सकों की कमी को भी चरणबद्ध तरीके से दूर करने के प्रयास के तहत राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत 'यू कोट, वी पे' मॉडल के तहत सात विशेषज्ञ चिकित्सकों का चयन किया गया है, जिनमें एनेस्थेटिस्ट व पीडियाट्रिशियन के दो दो जबकि ऑब्स्टेट्रीक एंड गायनी के तीन विशेषज्ञ चिकित्सक शामिल है। विभागीय अनुबंध के तहत चयनित इन विशेषज्ञ चिकित्सकों को विभिन्न जनपदों की चिकित्सा इकाईयों में तैनाती दे दी गई है। विशेषज्ञ चिकित्सकों के आने से मरीजों को और बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी। कर्नाटक ने कहा कि धामी सरकार द्वारा सीमांत और दूरदराज क्षेत्रों में रहने वाली जनता तक सरकारी योजनाओं को सीधे पहुंचाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा जन-जन की सरकार जन-जन के द्वार कार्यक्रम को सफलतापूर्वक आगे बढ़ाया जा रहा है। कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि सरकार द्वारा राज्य में किये जा रहे चहुंमुखी विकास से विपक्षी पार्टी कांग्रेस के पास अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है। इस कारण कांग्रेस पार्टी मुद्दों से भटक कर आंदोलन की राह पकड़ रही है।

टनकपुर में टैक्सी और बाइक संचालकों का जोरदार प्रदर्शन

संवाददाता, टनकपुर

टनकपुर में सीएम कैंप गेट के पास प्रदर्शन करते वाहन संचालक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: बैराज मार्ग में टैक्सी एवं बाइक संचालन पर लगी रोक हटाने की मांग को लेकर गुरुवार को संचालकों ने प्रदर्शन किया। साथ ही मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन की चेतावनी दी।

दोपहर में टैक्सी एवं बाइक संचालक सीएम कैंप कार्यालय पहुंचे और मुख्य गेट के बाहर नारेबाजी के साथ प्रदर्शन शुरू कर दिया। कहा कि टनकपुर-बैराज मार्ग से नेपाल के ब्रह्मदेव में भारतीय सीमा तक लंबे समय से टैक्सी व बाइक का संचालन किया जाता है, इससे उन्हें रोजगार मिलता है। लेकिन बीते बुधवार दोपहर से बैराज मार्ग पर टैक्सी एवं बाइक संचालन पर रोक लगा दी गई है। उन्होंने कहा कि रोक लगने से पांच दर्जन टैक्सी तथा बाइक संचालकों के सामने रोजी का संकट पैदा हो गया है। कहा कि ये कदम क्षेत्र के युवाओं के खिलाफ ज्यादती है। प्रदर्शन करने वालों में मनोज कुमार, फहीम खान, विजय, रोहित, विक्रम राय, भूरा अंसारी आदि शामिल रहे।

जौलकांडे में एक साथ दिखे तीन गुलदार, दहशत

बागेश्वर: विकास खंड के जौलकांडे में सुबह के समय एक साथ तीन तीन गुलदार दिखने से गांव में दहशत का माहौल है। ग्रामीणों ने गुलदार को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने व सुबह व सायं गश्त बढ़ाने की मांग की है।

ग्रामीण बसंत शर्मा, ललित लोहनी ने बताया कि गांव के अधिकांश बच्चे पैदल सुबह व सायं स्कूल आते जाते हैं। इनदिनों उनके स्कूल से आने में शाम हो जाती है जिस कारण गांव में खतरा बना हुआ है।

बताया कि इन दिनों गांव में तीन तीन गुलदार देखे जा रहे हैं। आज सुबह लगभग आठ बजे गांव के रास्ते में तीन गुलदार देखे गए। उन्होंने गुलदार के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

पेयजल योजना के निर्माण में देरी पर रोष

संवाददाता,लोहाघाट/चम्पावत

लोहाघाट में पेयजल लाइन के निर्माण में देरी के विरोध में प्रदर्शन करते ग्रामीण। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ग्राम पंचायत पाटन-पाटनी के कनेड़ा व प्रेमनगर तोक के लिए बन रही हर घर नल, हर घर जल योजना के कार्य में हो रही देरी से क्षुब्ध ग्रामीणों ने जल संस्थान के विरूद्ध नारेबाजी कर प्रदर्शन किया। ग्रामीणों ने जल्द योजना का काम पूरा न होने पर आंदोलन की चेतावनी दी। कहा कि पेयजल की व्यवस्था न होने से लोग दूर दराज से पानी ढोने को मजबूर हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि लगभग तीन साल पहले साढ़े चार करोड़ रुपये की लागत से शुरू हुई इस योजना के तहत क्षेत्र के करीब 400 परिवारों को नल से जल पहुंचाया जाना था। इसके लिए रोडवेज क्षेत्र के नीचे गधेरे में ट्यूबवेल और पाटन गांव के ऊपर पानी की टंकी बनाने का प्रस्ताव था। इस योजना से प्रेमनगर में पाइप लाइन के जरिए जलापूर्ति होनी थी। लेकिन अब तक पाइप लाइन बिछाने का कार्य शुरू नहीं हुआ है। बताया कि छह माह पहले ग्रामीणों के धरना-प्रदर्शन के बाद विभाग ने कनेड़ा तोक में पंप हाउस बनवाया और बिजली लाइन बिछाई, लेकिन इसके बाद कोई प्रगति नहीं हुई। विभाग बार-बार टालमटोल कर रहा है। योजना न बनने से क्षेत्रवासी गदेरों, गाड़-गधेरों और अन्य स्रोतों से पानी लाने को मजबूर हैं। ग्रामीणों ने निर्णय लिया कि आगामी सोमवार को ग्राम प्रधान प्रतिनिधि प्रदीप कुमार और क्षेत्र पंचायत सदस्य सोबन सिंह के नेतृत्व में ग्रामीण जनता मिलन कार्यक्रम में जिलाधिकारी मनीष कुमार के सम्मुख इस समस्या को रखेंगे। प्रदर्शन करने वालों में भूपेश सिंह देव, आनंद सिंह ओली, मोहन जोशी, हयात सिंह तड़ागी, हरीश अधिकारी, सुंदर नाथ गोस्वामी, अमरनाथ, नरेंद्र चौधरी रहे।

चम्पावत में निर्माणाधीन जिला जेल का निरीक्षण करते डीएम मनीष कुमार।

डीएम ने किया निर्माणाधीन जिला जेल का निरीक्षण

चम्पावत, अमृत विचार : जिला मुख्यालय के फूंगर क्षेत्र में 103 नाली भूमि पर लगभग 56 करोड़ की लागत से निर्माणाधीन जिला जेल का डीएम मनीष कुमार ने स्थलीय निरीक्षण कर कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का जायजा लिया। प्रस्तावित जिला जेल में हास्पिटल ब्लाक, दो पुरुष बैरक, एक महिला बैरक, एक सोलिटरी सेल, एक माइनर सेल, वर्कशाप सहित अन्य प्रशासनिक एवं सुरक्षा संबंधी आधुनिक सुविधाएं तैयार की जा रही हैं। लगभग 196 बंदियों की क्षमता वाली इस जेल में 156 पुरुष, 20 महिला बंदियों के साथ 20 सोलिटरी सेल की व्यवस्था की जाएगी। जिलाधिकारी ने कार्यदायी संस्था ब्रिडकुल, पिथौरागढ़ को सभी निर्माण कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर एवं गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पूर्ण करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान तहसीलदार बृजमोहन आर्या सहित ब्रिडकुल के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

17 किलो गांजे के साथ दो दबोचे

संवाददाता, अल्मोड़ा

सल्ट पुलिस की गिरफ्त में गांजा तस्करी के आरोपी युवक। ● अमृत विचार

अमृत विचार: ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत पुलिस का जिलेभर में चेकिंग अभियान जारी है। चेकिंग के दौरान सल्ट पुलिस ने डोटियाल से मानिला के पास दो तस्करो को गांजे के साथ दबोच लिया। आरोपियों के कब्जे से वाहन में रखा 17 किलो गांजा बरामद किया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है।

पुलिस से मिली जानकारी अनुसार सल्ट पुलिस और एसओजी की संयुक्त टीम ने क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाया। इस दौरान डोटियाल गांव के पास मोटर साइकिल में सवार मुनाजिर और शहनशाह निवासी मिलक खोद, स्वार रामपुर यूपी के कब्जे से 17 किलो गांजा बरामद किया। मौके पर पुलिस ने आरोपियो के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर गिरफ्तार किया। पुलिस ने बताया कि बरामद गांजे की कीमत तीन लाख रुपये से अधिक आंकी गई। टीम में एएसआई लखविन्दर सिंह, हेड कांस्टेबल राजकुमार, अवधेश कुमार, कांस्टेबल गणेश पाण्डेय शामिल रहे।

तराई क्षेत्र में खपाने ले जाया जा रहे थे गांजा

सल्ट थानाध्यक्ष कश्मीर सिंह ने बताया कि आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि व लोग गांजा सराईखेत से खरीदकर रामपुर ले जा रहे थे। जिसे वहां युवाओं को ऊंचे दामों में बेचकर मुनाफा कमाने का इरादा था। चेकिंग के दौरान गिरफ्त में आया। बताया कि आरोपियों के बारे में पुलिस द्वारा आवश्यक जानकारी जुटाई जा रही है।

चोरगलिया पुलिस ने किए कच्ची शराब के साथ दो गिरफ्तार

हल्द्वानी: चोरगलिया पुलिस ने कच्ची शराब के साथ दो लोगों को गिरफ्तार किया है। प्रभारी निरीक्षक चोरगलिया हरपाल सिंह के मुताबिक, पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान 2 अभियुक्तों को अलग-अलग स्थानों में अवैध कच्ची शराब की तस्करी करते हुए गिरफ्तार किया है।

आरोपियों में जगदीश सिंह पुत्र मलकीत सिंह निवासी धौराडाम नजीमाबाद किच्छा ऊधमसिंह नगर से 130 पाउच कच्ची शराब और धर्मवीर सिंह पुत्र वचन सिंह निवासी धौराडाम नजीमाबाद किच्छा ऊधमसिंह नगर से 145 पाउच कच्ची शराब बरामद की है। दोनों आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर न्यायालय के आदेश पर जेल भेज दिया गया है।

नॉर्थ जोन हॉकी के लिए क्षेत्र के दो युवा चयनित

संवाददाता, रानीखेत

नॉर्थ जोन हॉकी के लिए चयनित छात्र।

अमृत विचार: ताडीखेत गांव के दो खिलाड़ियों का नॉर्थ ज़ोन हॉकी प्रतियोगिता के लिए चयन हुआ। जिसमें एरोड़ गांव निवासी अनुज बिष्ट पुत्र बिशन सिंह बिष्ट एवं हितेश मेहरा पुत्र देव सिंह मेहरा का चयन अंतर विश्वविद्यालयी हॉकी प्रतियोगिता (नॉर्थ ज़ोन) के लिए हुआ है।

क्षेत्र पंचायत सदस्य शोभा मेहरा ने दोनों खिलाड़ियों को हार्दिक बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में खेल एवं शारीरिक फिटनेस को बढ़ावा देने के लिए भविष्य में विभिन्न खेल कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, ताकि ग्रामीण प्रतिभाओं को उचित मंच मिल सके। उल्लेखनीय है कि इससे पूर्व भी एरोड गांव के कई खिलाड़ी विभिन्न हॉकी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर क्षेत्र का नाम रोशन कर चुके हैं। इनमें प्रमुख रूप से गौरव मेहरा, योगेश मेहरा, आदित्य मेहरा, हर्षित मेहरा, गोकुल मेहरा, सौरव मेहरा, नवनीत मेहरा, पारस नेगी, दिक्षांत मेहरा, ईशांत मेहरा, करण नेगी, नैतिक मेहरा एवं निकिता मेहरा शामिल हैं।

सेहत के लिए

जिलाधिकारी मनीष कुमार ने किया नि :शुल्क मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ

चम्पावत में बच्चों के लिए विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित

- पात्र बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र मौके पर ही तैयार किए गए

संवाददाता, टनकपुर/चम्पावत

चम्पावत में स्वास्थ्य शिविर का शुभारंभ करते डीएम मनीष कुमार। ● अमृत विचार

अमृत विचार : जनपद चम्पावत में बच्चों के स्वास्थ्य संरक्षण एवं समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जिलाधिकारी मनीष कुमार द्वारा रेन बसेरा, नगर पालिका परिसर चम्पावत में राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों के लिए नि:शुल्क मल्टी-स्पेशलिटी स्वास्थ्य शिविर का शुभारम्भ किया गया।

इस विशेष स्वास्थ्य शिविर का उद्देश्य बच्चों की प्रारम्भिक अवस्था में स्वास्थ्य समस्याओं की पहचान कर समयबद्ध उपचार एवं परामर्श उपलब्ध कराना रहा। शिविर में बच्चों की समग्र स्वास्थ्य जांच के लिए विभिन्न विशेषज्ञों की सेवाएं उपलब्ध कराई गईं, जिनमें बाल रोग, हड्डी एवं जोड़ रोग, नाक-कान-गला, मस्तिष्क रोग, नेत्र रोग एवं ऑप्टोमेट्रिस्ट, स्त्री रोग, हृदय रोग, दंत रोग, त्वचा रोग, जनरल फिजिशियन के साथ-साथ फिजियोथेरेपी, स्पीच थेरेपी, ऑडियोलॉजी, मनोचिकित्सा एवं क्लीनिकल साइकोलॉजी जैसी सेवाएँ शामिल रहीं।

इसके अतिरिक्त अर्ली इंटरवेंशन एवं विशेष शिक्षा परामर्शदाताओं द्वारा भी बच्चों एवं अभिभावकों को आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान किया गया। शिविर के दौरान ही पात्र बच्चों के दिव्यांग प्रमाण पत्र मौके पर ही तैयार किए गए, जिससे अभिभावकों को विभिन्न योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में सहूलियत मिल सके।

डीएम ने सीएमओ को निर्देशित किया कि डीडीआरसी के अंतर्गत जनपद के समस्त विद्यालयों में रोस्टर तैयार कर विशेष रूप से सक्षम बच्चों की पहचान की जाए तथा उन्हें नियमित थैरेपी उपलब्ध कराई जाए। साथ ही उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि डाइट शिक्षकों एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जाएँ, ताकि पोषण, व्यवहारिक विकास एवं प्रारम्भिक पहचान के माध्यम से बच्चों के समग्र विकास को सुनिश्चित किया जा सके।

कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष प्रेमा पांडे, ब्लॉक प्रमुख अंचला बोहरा, विधायक प्रतिनिधि प्रकाश तिवारी, नोडल अधिकारी केदार सिंह बृजवाल, राजेंद्र गहतोड़ी, सुशीला तिवारी हॉस्पिटल से मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. युवराज पंत, चंदन हॉस्पिटल से हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ. विकास सिंह, सीएमओ डॉ. देवेश चौहान आदि मौजूद रहे।

प्रथम नियुक्ति में हो रही वेतन विसंगति को दूर करने की मांग

संवाददाता, अल्मोड़ा

चतुर्थ वर्गीय राज्य कर्मचारियों की बैठक में सदस्यों का किया स्वागत। ● अमृत विचार

अमृत विचार: उत्तराखंड चतुर्थ वर्गीय राज्य कर्मचारी महासंघ शाखा अल्मोड़ा की गुरुवार को आम सभा हुई। इस दौरान विभिन्न समस्याओं को लेकर कर्मचारियों ने नाराजगी जताई। प्रथम नियुक्ति में आई वेतन विसंगति को दूर करते समेत अन्य समस्याओं के निदान की मांग की।

नगर के प्रेरणा सदन थपलिया में आयोजित बैठक में पूर्व कोषाध्यक्ष आनन्द बल्लभ काण्डपाल के अधिवर्षिता आयु पूरी करने पर सर्व सहमति से मुकेश नगरकोटी को कोषाध्यक्ष चुना गया। इसके अलावा समस्याओं पर चर्चा कर कहा कि शासन ने फील्ड में कार्यरत कर्मचारियों का ग्रेड वेतन 1900 कर दिया है, लेकिन कार्यालय में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का ग्रेड वेतन 1800 ही अनुमन्य किया जा रहा है। उन्होंने सभी चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का ग्रेड वेतन समान रूप से 19 सौ अनुमन्य करने की मांग की यहां कर्मचारियों ने ग्रेड वेतन संशोधित न करते हुए 18 सौ ही अनुमन्य करने की मांग की। यहां जिलाध्यक्ष ललित तिवारी, महामंत्री महेश आर्या, हुकुम सिंह, हरि प्रसाद, रमेश कनवाल, संतोष बिष्ट, लक्ष्मण गिरी, विकास टम्टा, किशन सिंह, नंदन बिष्ट, सुनीता, पान सिंह, हरीश बिष्ट, महेंद्र कनवाल, मोहनी भट्ट, महेंद्र नेगी, त्रिलोक फर्त्याल, नीमा टम्टा रहे।

आगे बढ़ने का रहस्य शुरुआत करना है।
मार्क ट्वेन, अमेरिकी लेखक

श्वान संकट का समाधान

श्वान और इंसान का संबंध हजारों वर्षों पुराना है। सुरक्षा, सहचर्य, प्रेम और वफादारी का यह रिश्ता आज एक विद्रूप सामाजिक संकट बनकर अदालत के कठघरे तक पहुंच गया है। सवाल यह है कि इस स्थिति का दोषी कौन है- आम आदमी, व्यवस्था या कुत्ता? तो जवाब होगा कि वह सभी जिसने इस संकट को यहां तक आने दिया। कुत्ता स्वभाव से आक्रामक नहीं होता; उसे ऐसा बनाता है अव्यवस्थित शहरीकरण, लापरवाह पालतू-पालन, कमजोर नगर प्रशासन और नीति-क्रियान्वयन की लगातार विफलता। सुप्रीम कोर्ट की चिंता पूरी तरह जायज है। पालक के नियंत्रण से बाहर कुत्ते केवल रेबीज का खतरा ही नहीं बढ़ा रहे, बल्कि सड़क दुर्घटनाओं, बच्चों-बुजुर्गों पर हमलों, स्थायी अपंगता और मौत का कारण भी बन रहे हैंस लेकिन करोड़ों आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान न तो क्रूर हो सकता है, न ही भावुक, इसके लिए वैज्ञानिक, मानवीय और दीर्घकालिक नीति चाहिए।

उत्तर प्रदेश ने आवारा कुत्तों को माइक्रोचिप लगाने, दोबारा काटने पर आजीवन शेल्टर में भेजने जैसे कई नियम बनाए, लेकिन डॉग-बाइट और रेबीज से होने वाली मौतें अभी भी बहुत हैं। यूपी की पहल ठीक है, लेकिन अधिकांश राज्यों की गंभीरता सवालों के घेरे में है। नवंबर में जब सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों को तलब किया, तो कोई उपस्थित नहीं हुआ। हलफनामा मांगा गया- मात्र 10 राज्यों ने दिया। मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, कर्नाटक, पंजाब जैसे बड़े राज्यों की चुप्पी प्रशासनिक उदासीनता को ही दर्शाती है। केंद्र और राज्यों ने पिछले दो दशकों में एनीमल बर्थ कंट्रोल और एंटी-रेबीज कार्यक्रमों के नियम तो बनाए, पर क्रियान्वयन बेहद कमजोर रहा। देशभर में महज 66 एबीसी केंद्र प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं, जबकि कुत्तों की आबादी बेकाबू है। 2024 के आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र और तमिलनाडु में पांच-पांच लाख, गुजरात और कर्नाटक में लगभग चार-चार लाख लोगों को कुत्तों ने काटा। इसके बावजूद इसके लिए बजट, प्रशिक्षित मानव संसाधन और बुनियादी ढांचे का उचित प्रबंध नहीं हुआ। संस्थानों को 'कुत्ता-मुक्त' रखने के लिए फेंसिंग का आदेश व्यावहारिक नहीं। रेलवे स्टेशन बहु-दिशात्मक खुले परिसर हैं, तो 16 लाख से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में से अनेक के पास बिजली-पानी तक का बजट नहीं— वे बाड़बंदी कैसे करें? कुत्तों को शेल्टर होम में रखना भी अव्यावहारिक है। अनुमानित एक लाख शेल्टर होम पर लगभग 30,000 करोड़ की पूंजी, चिकित्सा-खानपान पर सालाना भारी खर्च और बीमारियों का जोखिम। सीएसवीआर मॉडल यानी पकड़ो, नसबंदी करो, वैक्सीन लगाओ और जहां से लाए वहीं छोड़ो— वैज्ञानिक रूप उचित लगता है, बशर्ते इसे बड़े पैमाने, पर्याप्त बजट, सटीक डेटा और कड़ी निगरानी के साथ लागू किया जाए। इसके साथ पालतू कुत्तों के अनिवार्य पंजीकरण, लापरवाही पर जुर्माना, उचित कचरा निस्तारण और समुदाय-स्तरीय जागरूकता अनिवार्य है।

दुनिया के कई देशों— जैसे जापान, नीदरलैंड्स और सिंगापुर ने कड़े पंजीकरण, व्यापक नसबंदी, जिम्मेदार पालतू-पालन और सख्त नगर प्रबंधन से इस समस्या पर प्रभावी नियंत्रण पाया है। भारत, जहां रेबीज से सबसे अधिक मौतें होती हैं, इन अनुभवों से सीख लेनी होगी।

प्रसंगवश

2030 तक रैबीज खत्म करने का लक्ष्य

भारत में रेबीज वायरस एक गंभीर स्वास्थ्य संकट बना हुआ है। हर साल लाखों एनिमल बाइट्स (ज्यादातर कुत्तों के काटने) के मामले दर्ज होते हैं और इससे हजारों मौतें होने का अनुमान है। भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद के राष्ट्रव्यापी सर्वेक्षण के अनुमानित आंकड़ों के अनुसार, साल 2025 में लगभग 5,700 मौतें रेबीज के कारण हुईं, लेकिन पिछले दशकों की तुलना में यह संख्या कम रही है, जो सकारात्मक बदलाव का संकेत देता है।

भारत में रेबीज मुख्य रूप से आवारा कुत्तों के काटने या खरोंचने से फैलती है। वायरस संक्रमित जानवर की लार या थूक के माध्यम से मनुष्य में प्रवेश करता है। भारत में रेबीज के अधिकांश मामले कुत्तों से ही जुड़े होते हैं, हालांकि रेबीज वायरस कुत्ते के अलावा बिल्ली, बंदर और अन्य जानवरों से भी फैल सकता है। जागरूकता की कमी ने भारत में आवारा कुत्तों के प्रति नफरत और डर को काफी बढ़ा दिया है, खासकर 2025-2026 के दौरान जब कुत्तों के काटने के मामले और रेबीज से मौतों की खबरें तेजी से फैलीं। सभी आवारा कुत्ते भी रेबीज से संक्रमित नहीं होते। ज्यादातर काटने की घटना भूख, डर, या क्षेत्र की रक्षा के कारण होते हैं। देश में कुत्तों की छह करोड़ से अधिक संख्या, अपर्याप्त नसबंदी एवं टीकाकरण साथ ही नियमित भोजन न मिलने से भी आक्रामकता बढ़ती है।

अंबिका अंबी
लेखिका

रेबीज वायरस किसी भी कुत्ते के शरीर में जन्मजात पैदा नहीं होता या मां से बच्चे में जन्म से नहीं मिलता। रेबीज एक संक्रामक वायरस है, जो संक्रमित जानवर से दूसरे में फैलता है। प्रकृति में रेबीज वायरस का सबसे पुराना और मूल रिजर्वायर चमगादड़ हैं। वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार, लगभग सभी लिसावायरस चमगादड़ों से शुरू हुए और समय के साथ यह वायरस अन्य जानवरों में फैला। भारत में आवारा कुत्ते ही सबसे बड़ा स्रोत हैं। ज्यादातर कुत्ते दूसरे संक्रमित कुत्तों के काटने से रेबीज ग्रस्त होते हैं और फिर वे और कुत्तों या मनुष्यों को संक्रमित करते हैं। वायरस कुत्तों के केंद्रीय तंत्रिका तंत्र (मस्तिष्क और रीढ़ की हड्डी) को प्रभावित करती है।

इंसानों में भी वायरस संक्रमण मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र पर हमला करता है। यह मुख्य रूप से संक्रमित जानवर कुत्ते या बिल्ली के काटने, खरोंचने या लार के संपर्क से फैलता है। लक्षण दिखने के बाद यह लगभग शत्-प्रतिशत जानलेवा होता है, लेकिन संपर्क के तुरंत बाद घाव की सफाई, एंटी-रेबीज वैक्सीन और पोस्ट-एक्सपोजर प्रोफिलैक्सिस से इसे पूरी तरह रोका जा सकता है।

रेबीज वायरस को रोकने के लिए जागरूकता सबसे महत्वपूर्ण हथियार है, यदि समय पर सही कदम उठाए जाए तो वायरस को पूरी तरह खत्म किया जा सकता है। आवारा कुत्तों में अधिक से अधिक टीकाकरण कवरेज से रेबीज का चेन टूट सकता है। भारत में पशु जन्म नियंत्रण अधिनियम 2023 के तहत कैप्चर-स्टेरलाइज़- वैक्सिनेट- रिलीज़ मॉडल अपनाया जा रहा है। पेट डॉग्स (पालतू कुत्ते) को सालाना रेबीज वैक्सीन और रजिस्ट्रेशन अनिवार्य होना चाहिए। नगर निगम वैक्सीन लगाने की सरकारी नीतियों का पालन अनिवार्यता से करे। चूंकि भारत में रेबीज का मुख्य स्रोत आवारा कुत्ते हैं और पिछले कुछ वर्षों में सरकार, विश्व स्वास्थ्य संगठन और विभिन्न संगठनों द्वारा बड़े पैमाने पर प्रयास किए जा रहे हैं। 2030 तक भारत को डॉग-मीडिएटेड ह्यूमन रेबीज से मुक्त करने का लक्ष्य है। अपवाहों और मिथकों से डरने के बजाय, उन्हें समझकर और जिम्मेदारी से संभालकर हम रेबीज को खत्म कर सकते हैं।

क्या धरती को निगल सकता है ब्लैक होल!

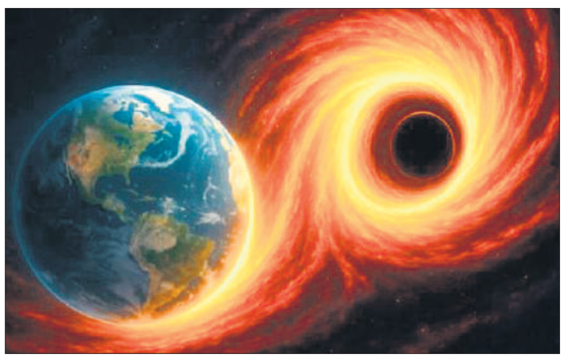

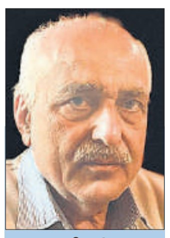

रणबीर सिंह
विज्ञान लेखक

ब्लैक होल्स की जबरदस्त ताकत को देखकर पृथ्वी वासियों में एक अहसास का जन्म होता है कि भविष्य में पृथ्वी या हमारा सौर मंडल क्या कभी एक ब्लैक होल द्वारा निगला जा सकता है? ऐसा न हो इसके लिए हमें एक ब्लैक होल से कितना दूर होना चाहिए? क्या एक ब्लैक होल हमारे सौर मंडल में प्रवेश कर सकता है? ब्लैक होल तब बनता है, जब हमारे सूर्य के द्रव्यमान से कहीं अधिक द्रव्यमान वाले तारे का सारा हाइड्रोजन ईंधन खत्म हो जाए और अत्यधिक गुरुत्व बल उत्पन्न होने से वह एक ब्लैक होल बन जाए। चूंकि सूर्य का द्रव्यमान उस तारे की अपेक्षा 20 गुणा छोटा है, जो एक ब्लैक होल बन सकता है, इसलिए इसके एक ब्लैक होल बनकर धरती को निगलने की संभावना न्यूनतम है।

सूरज लगभग पांच अरब साल बाद अपना हाइड्रोजन फ्यूल खत्म कर देगा और एक रेड जायंट बन जाएगा और शायद बुध और शुक्र को निगल लेगा। रेड जायंट फेज लगभग 10 करोड़ साल तक चलेगा, जिसके बाद सूरज अपनी बाहरी परतें हटा देगा और एक व्हाइट ड्वार्फ बन जाएगा। फिर भी एक विशाल ब्लैक होल से पृथ्वी के लिए न्यूनतम सुरक्षित दूरी घटना क्षितिज अर्थात इवेंट होराइजन से लगभग 70 लाख किलोमीटर होनी चाहिए। इससे कम दूरी होने पर चुंबकीय-ज्वारीय बल मानव शरीर के लिए खतरा पैदा करने के लिए पर्याप्त शक्तिशाली हो जाते हैं। एक ब्लैक होल की ताकत का प्रभाव बहुत होता है। इससे बचने के लिए एक वस्तु को इससे दूरी बनाए रखने के लिए पलायन वेग या एस्केप विलोसिटी प्रकाश की गति के बराबर तो होनी ही चाहिए।

निकटतम ब्लैक होल गेया-1 हमसे 1560 प्रकाश वर्ष और गेया-2 पृथ्वी से 3800 प्रकाश वर्ष दूर स्थित हैं। वे हमारे दरवाजे पर नहीं खड़े हैं। अंतरिक्ष में पिंडों के वजूद में आने की प्रक्रिया के समय एक दूसरे से सुरक्षित दूरी बना कर रखने का गुण गति, गुरुत्व बल और चुंबकत्व जैसी खगोलीय शक्तियों से तय हुआ होगा। ब्लैक होल के बॉर्डर एरिया को अस्थिर माना जाता है। इस ज़ोन में फ्लेयर्स, जेट्स और विकिरण के उफान का खतरा रहता है। इन डायनामिक घटनाओं का अनुमान लगाना मुश्किल है, क्योंकि टेढ़े-मेढ़े अथवा कर्व्ड स्पेस और ब्लैक होल के आस-पास की अंतरिक्ष भौतिकी के बारे में सटीक गणितीय ब्योरा जुटाना चुनौती है।

मसलन, एक सुपरमैसिव ब्लैक होल के मामले में, इवेंट होराइजन एक ऐसी सीमा है, जिसके इस पार की घटनाएं दूसरी ओर मौजूद ऑब्ज़र्वर को प्रभावित नहीं कर सकतीं। यह वह पॉइंट है, जहां ब्लैक होल का ग्रेविटेशनल असर इतना मज़बूत होता है कि रोशनी भी उससे बच नहीं सकती। यह सीमा कोई फिजिकल सतह नहीं है, बल्कि एक मैथमेटिकल निशान है, जो उस पॉइंट को मार्क करता है, जहां से वापस नहीं आया जा सकता। एक बार जब कोई चीज़ इवेंट होराइजन को पार करके ब्लैक होल की तरफ खिंचती चली जाती है, तो वह हर हाल में ब्लैक होल के सेंटर की ओर जाती है। होराइजन के अंदर पैदा होने वाला कोई भी रेडिएशन कभी भी उससे बाहर नहीं निकल सकता। इवेंट होराइजन शांत, अदृश्य और बेरहम होता है। पकड़ में आने के बाद वस्तु का इससे बचना नामुमकिन है। ब्लैक होल का इवेंट होराइजन स्पेसटाइम की ज्योमेट्री में एक ऐसे पॉइंट को परिभाषित करता है, जहां एस्केप वेलोसिटी प्रकाश की गति के बराबर होती है।

अमरीका में फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट की एक रिसर्च टीम द्वारा प्रस्तुत एक नई मॉडलिंग स्टडी सामने आई है, जिसमें अब तक के सबसे डिटेल्ड सिमुलेशन करके, अर्थात ब्लैक होल के निकट की असल स्थितियों के डाटा को सुपरकंप्यूटर में फीड करके देखा गया कि एकल तारे से बने ब्लैक होल अलग-अलग रेट पर मैटर को कैसे निगलते और उगलते हैं। ब्लैक होल को कल्पना में काले भंवर जैसा दिखाया जाता है, लेकिन उसके पार क्या हो रहा है, कैसे हो रहा है और क्यों होता है, इसके बारे में सिर्फ कच्चे अनुमान ही मौजूद हैं।

खास बात यह है कि फ्लैटिरॉन इंस्टीट्यूट की स्टडी पहले के मॉडल्स में इस्तेमाल किए गए सिंपलिफिकेशन पर निर्भर नहीं थी। पहले के प्रयासों के अंतर्गत की जाने वाली कैलकुलेशन से निष्कर्षों को मुमकिन बनाने के लिए शॉर्टकट्स की ज़रूरत होती थी, लेकिन इस नवीनतम सिमुलेशन के लिए बहुत ज़्यादा कॉम्प्लेक्स डेटा को आधार बनाया गया। ब्लैक होल एक्रीशन फ्लो के सर्वे ऑब्ज़र्वेशन को उनके स्पिन और मैग्नेटिक फील्ड के मेज़र के साथ मिलाकर, दो पावरफुल सुपरकंप्यूटर का इस्तेमाल करके, टीम ने जो नया मॉडल पेश किया, उससे सूर्य से थोड़े बड़े द्रव्यमान वाले तारे से बने हुए ब्लैक होल के चारों ओर गैस, लाइट और मैग्नेटिज़्म की मूवमेंट के बारे में पता चला है।

मैग्नेटिक फील्ड में मेजर से अर्थ है, मैग्नेटिक फील्ड की प्रॉपर्टीज़, इलेक्ट्रिक करंट के साथ इनका इंटरेक्शन और अलग-अलग फील्ड में इनके एप्लीकेशन्स आदि। ब्लैक होल एक्रीशन फ्लो वह प्रोसेस है, जिससे गैस, धूल और दूसरे तरह के पदार्थ जो ब्लैक होल के बहुत ज़्यादा ग्रेविटेशनल खिंचाव से उसकी तरफ खिंचे चले जाते हैं। इस प्रोसेस से एक्रीशन डिस्क बनती है और अंदर आने वाली धारा भी।

इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में देखी जाने वाली हाई-एनर्जी उत्सर्जन पैदा करने के लिए यह बहुत ज़रूरी स्टेप्स हैं। जिस एफिशिएंसी से गर्म गैस अपनी थर्मल एनर्जी रेडिएट करती हैं, वह एक्रीशन फ्लो की ज्योमेट्री और डायनामिक्स पर बहुत ज़्यादा असर डालती है, जिससे रेडिएटिव रूप से एफिशिएंट पतली डिस्क और रेडिएटिव रूप से इनएफिशिएंट मोटी डिस्क, दोनों देखी जाती हैं। एक्रीशन प्रोसेस ब्लैक होल फिजिक्स का एक बेसिक पहलू है और गैलेक्टिक इवोल्यूशन और फीडबैक मैकेनिज्म में अहम भूमिका निभाता है।

ब्लैक होल्स की जबरदस्त ताकत देखकर एक अहसास का जन्म होता है कि भविष्य में पृथ्वी या हमारा सौर मंडल क्या कभी एक ब्लैक होल द्वारा निगला जा सकता है? ऐसा न हो इसके लिए हमें एक ब्लैक होल से कितना दूर होना चाहिए?

आमने सामने

कांग्रेस की गलत मंशा के चलते मनरेगा के तहत किए गए अधिकांश कार्य गांवों की समग्र विकास योजनाओं से नहीं जुड़ पाए। नए वीबी-जी-राम जी कानून में इन सभी कमियों को दूर किया गया है। अब सालाना रोजगार की कानूनी गारंटी 100 दिनों से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है।

-भजनलाल शर्मा
मुख्यमंत्री, राजस्थान

'वीबी-जी-राम जी' योजना ग्रामीण लोकतंत्र और मनरेगा के खिलाफ है। जिस पंचायती राज व्यवस्था से मुख्यमंत्री ने अपनी राजनीतिक पहचान बनाई, आज उसी को कमजोर करने के लिए वे केंद्र सरकार के ब्रांड एंबेसडर बने हुए हैं। योजना को नई व्यवस्था से खत्म करने की कोशिश की जा रही है।

-टीकाराम जूली
नेता प्रतिपक्ष, राजस्थान

दूसरे देशों में जबरन घुसपैठ अमेरिकी फितरत

डॉ. शिवम भारद्वाज
असिस्टेंट प्रोफेसर

अमेरिकी हितों, प्राथमिकताओं और स्वार्थों को समझे बिना न तो इतिहास की सही व्याख्या संभव है और न ही वर्तमान वैश्विक राजनीति की। वस्तुतः, 1945 के बाद अमेरिका द्वारा उठाया गया लगभग हर बड़ा सैन्य कदम किसी न किसी रणनीतिक, आर्थिक, वैचारिक या शक्ति-संतुलन से जुड़े उद्देश्य से प्रेरित रहा है। इन उद्देश्यों को सामने लाने से ही यह स्पष्ट होता है कि अमेरिकी विदेश नीति आदर्शों से अधिक हितों द्वारा संचालित रही है।

1940 के दशक के उत्तरार्द्ध में चीन और ग्रीस में अमेरिकी हस्तक्षेप इसी सोच की उपज थे। चीन के गृहयुद्ध में अमेरिका की चिंता लोकतंत्र की रक्षा नहीं, बल्कि यह थी कि कहीं एशिया का एक विशाल भूभाग सोवियत प्रभाव क्षेत्र में न चला जाए। ग्रीस में भी अमेरिकी सहायता का लक्ष्य किसी आंतरिक राजनीतिक समाधान को प्रोत्साहित करना नहीं, बल्कि यह सुनिश्चित करना था कि भूमध्यसागर क्षेत्र में साम्यवादी प्रभाव न फैले। यहीं से यह मानसिकता विकसित हुई, जिसे बाद में 'डोमिनो थ्योरी' कहा गया। यह आशंका कि यदि एक देश हाथ से निकल गया तो पूरा क्षेत्र क्रमशः अमेरिका के प्रभाव से बाहर हो जाएगा।

1950 का दशक इस नीति का औपचारिक विस्तार था। कोरियाई युद्ध में अमेरिका का हित केवल दक्षिण कोरिया की सुरक्षा तक सीमित नहीं था। एशिया में अपनी सैन्य विश्वसनीयता स्थापित करना और यह संदेश देना कि अमेरिका अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए युद्ध करने को तैयार है, इस हस्तक्षेप का केंद्रीय उद्देश्य था। इसी दशक में ईरान और ग्वाटेमाला में हुए तख्तापलट अमेरिकी हितों की और भी स्पष्ट तस्वीर पेश करते हैं।

1960 का दशक आते-आते अमेरिकी हस्तक्षेप और अधिक आक्रामक हो गए। क्यूबा में बे ऑफ पिग्स का असफल अभियान इस बात का प्रमाण था कि अमेरिका अपने प्रभाव क्षेत्र में किसी समाजवादी सरकार के अस्तित्व को स्वीकार करने को तैयार नहीं था। इसके बाद वियतनाम, लाओस और कंबोडिया में हुआ हस्तक्षेप केवल युद्ध नहीं था, बल्कि एक पूरे क्षेत्र को वैचारिक प्रतिस्पर्धा का मैदान बना देना था। उद्देश्य स्पष्ट था- दक्षिण-पूर्व एशिया को सोवियत और चीनी प्रभाव से बचाना, चाहे इसकी कीमत तमाम नागरिकों की जान ही क्यों न हो। डोमिनिकन रिपब्लिक में प्रत्यक्ष आक्रमण और कंबोडिया में व्यापक बमबारी इस भय से प्रेरित थीं कि कहीं क्षेत्रीय सत्ता-संतुलन अमेरिका के नियंत्रण से बाहर न चला जाए। इन हस्तक्षेपों ने यह दिखा दिया कि अमेरिका के लिए क्षेत्रीय प्रभुत्व, मानवीय लागत से कहीं अधिक महत्वपूर्ण था।

1970 के दशक में अमेरिकी स्वार्थों का स्वरूप कुछ बदला, लेकिन मूल तर्क वही रहा। चिली में लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार का पतन इस कारण हुआ कि वह अमेरिकी आर्थिक और वैचारिक ढांचे को चुनौती दे रही थी। अंगोला में प्रत्यक्ष युद्ध के बजाय प्रॉक्सी हस्तक्षेप अपनाया गया, ताकि अफ्रीका में सोवियत प्रभाव को सीमित किया जा सके, बिना अमेरिकी सैनिकों की प्रत्यक्ष भागीदारी के। अमेरिका ने यह सीख ली थी कि परोक्ष हस्तक्षेप न केवल सस्ता पड़ता है, बल्कि घरेलू राजनीतिक असहमति भी कम पैदा करता है।

1980 का दशक मध्य अमेरिका और पश्चिम एशिया में अमेरिकी रणनीतिक हितों का दशक था। एल साल्वाडोर और निकारागुआ में हस्तक्षेप 'कम्युनिज़्म विरोध' के नाम पर किया गया, लेकिन इसके पीछे पनामा नहर जैसे महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक हितों की सुरक्षा और क्षेत्र में अमेरिकी प्रभाव बनाए रखना प्रमुख कारण थे। लेबनान, ग्रेनेडा और पनामा में सैन्य कार्रवाइयों का उद्देश्य यह संदेश देना था कि अमेरिका अपने निकट और रणनीतिक क्षेत्रों में किसी भी चुनौती को स्वीकार नहीं करेगा। लीबिया पर हवाई हमले भी केवल तत्काल प्रतिक्रिया नहीं थे, बल्कि पश्चिम एशिया में अमेरिकी दबदबे का प्रदर्शन थे।

शीतयुद्ध समाप्त होने के बाद यह उम्मीद की गई थी कि अमेरिकी हस्तक्षेपों का दौर समाप्त होगा, लेकिन 1990 का दशक इस भ्रम को तोड़ता है। खाड़ी युद्ध में ईराक के खिलाफ कार्रवाई का केंद्रीय कारण था— तेल आपूर्ति की सुरक्षा और खाड़ी क्षेत्र में शक्ति-संतुलन को अपने पक्ष में बनाए रखना। सोमालिया, बोस्निया और कोसोवो में किए गए हस्तक्षेपों को मानवीय कहा गया, लेकिन इनके पीछे नाटो की प्रासंगिकता बनाए रखना और यूरोप में अमेरिकी नेतृत्व को मजबूत करना भी उतना ही महत्वपूर्ण था।

इक्कीसवीं सदी में आतंकवाद अमेरिकी हस्तक्षेपों का प्रमुख औचित्य बन गया। अफगानिस्तान में युद्ध का उद्देश्य केवल अल-कायदा को खत्म करना नहीं था, बल्कि मध्य एशिया में दीर्घकालिक सैन्य उपस्थिति स्थापित करना और क्षेत्रीय भू-राजनीति को प्रभावित करना भी था। 2003 में ईराक पर किया गया आक्रमण कथित विनाशकारी हथियारों के नाम पर हुआ, लेकिन इसके पीछे पश्चिम एशिया में सत्ता-संतुलन को अपने पक्ष में मोड़ने और ऊर्जा संसाधनों पर प्रभाव बनाए रखने की इच्छा भी स्पष्ट थी।

1945 के बाद अमेरिका द्वारा उठाया गया लगभग हर बड़ा सैन्य कदम किसी न किसी रणनीतिक, आर्थिक या शक्ति-संतुलन से जुड़े उद्देश्य से प्रेरित रहा है।

सोशल फोरम

गोवा में भारतीय कार्रवाई पर खामोश रहा था नाटो

आज जब अमरीका ग्रीनलैंड पर कब्जा करना चाहता है, जो एक नाटो सदस्य देश का अंग है, तो ऐसी एक घटना पर ध्यान देना चाहिए जो भारत से जुड़ी है

प्रवीण झा
लेखक

1961 में जब भारत ने गोवा, दमन और दीव पर सैन्य कार्रवाई कर, उन्हें पुर्तगाली शासन से मुक्त कराया, उस समय पुर्तगाल नाटो (NATO) का सदस्य था। इसके बावजूद नाटो ने भारत के विरुद्ध कोई सामूहिक सैन्य कार्रवाई नहीं की। यह तथ्य अंतर्राष्ट्रीय राजनीति की जटिलताओं और नाटो की वास्तविक प्रकृति को समझने में मदद करता है।

सबसे पहला कारण यह था कि नाटो एक सामूहिक रक्षा संगठन है, आक्रामक युद्धों में हस्तक्षेप करने वाला वैश्विक पुलिस बल नहीं। नाटो की संधि का अनुच्छेद-5 तभी लागू होता है, जब किसी सदस्य देश पर उसके अपने क्षेत्र में सशस्त्र हमला हो। गोवा उस समय यूरोप में स्थित पुर्तगाल का हिस्सा नहीं था, बल्कि एक उपनिवेश था। कई नाटो देशों की नजर में उपनिवेशों की रक्षा को अनुच्छेद 5 के अंतर्गत लाना कानूनी रूप से स्पष्ट नहीं था।

दूसरा महत्वपूर्ण कारण था, औपनिवेशिक व्यवस्था का पतन। 1960 के दशक तक विश्व समुदाय में उपनिवेशवाद के विरुद्ध माहौल बन चुका था। भारत की कार्रवाई को कई देशों ने औपनिवेशिक शासन के अंत के रूप में देखा, न कि एक संप्रभु राष्ट्र पर आक्रमण के रूप में। अमेरिका और ब्रिटेन जैसे नाटो के प्रभावशाली सदस्य भारत को शीत युद्ध के संदर्भ में पूरी तरह विरोधी खेमे में धकेलना नहीं चाहते थे।

तीसरा कारण था रणनीतिक यथार्थवाद। भारत एक बड़ा, स्थिर और क्षेत्रीय रूप से महत्वपूर्ण देश था। गोवा के लिए भारत से युद्ध करना न तो व्यावहारिक था और न ही नाटो के दीर्घकालिक हितों में।

इस प्रकार, कानूनी सीमाओं, बदलते वैश्विक नैतिक दृष्टिकोण और रणनीतिक हितों के कारण नाटो ने पुर्तगाल का साथ देकर युद्ध में उतरने से परहेज़ किया। यह घटना दिखाती है कि अंतर्राष्ट्रीय गठबंधन भी हमेशा अपने घोषित सिद्धांतों से नहीं, बल्कि परिस्थितियों और हितों से संचालित होते हैं।

-फेसबुक वाल से

सामयिकी

महिला सशक्तिकरण की राह खोलेगी पीरियड लीव

हाल ही में कर्नाटक ने महिला कर्मचारियों को पीरियड लीव देने का फैसला किया है। इसके बाद एक बार फिर इस विषय पर बहस छिड़ गई है कि महिलाओं को पीरियड लीव मिलनी चाहिए या नहीं? असल में आधुनिक भारत में जहां महिलाएं अंतरिक्ष से लेकर सीमा सुरक्षा तक हर मोर्चे पर नेतृत्व कर रही हैं, लेकिन वे अपने 'उन दिनों' की परेशानी को लेकर मौन हैं। उनकी एक जैविक प्रक्रिया होती है मासिक धर्म। इसे लेकर आज भी देश और प्रदेश में महिला कर्मचारी कार्यस्थलों पर मौन रहती हैं और अपने इस मौन के कारण पीड़ा को झेलती रहती हैं।

भले ही भारत के केंदीय कानून में इसे जगह नहीं मिल पाई है, लेकिन हाल के वर्षों में महिला सरकारी कर्मचारियों के लिए पीरियड लीव की मांग जोर पकड़ गई है। इस पर बहस भी प्रारंभ हो गई है कि यह अवकाश महिलाओं का अधिकार है। यह केवल एक अवकाश की मांग नहीं है, बल्कि महिलाओं के स्वास्थ्य और गरिमापूर्ण कार्य परिवेश की दिशा में एक बड़ा कदम है। कर्नाटक से पहले बिहार और केरल जैसे राज्यों और कई निजी कंपनियों ने इसे लागू कर रखा है।

डॉ. मोनिका शर्मा
वरिष्ठ पत्रकार

चिकित्सकों के अनुसार, मासिक धर्म केवल रक्तस्राव की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह शरीर में होने वाले तीव्र हार्मोनल बदलावों का समय होता है। एक कामकाजी महिला को इस दौरान कई गंभीर चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। इसमें गर्भाशय में संकुचन के कारण पेट के निचले हिस्से और पीठ में असहनीय दर्द होता है। कई महिलाओं के लिए यह दर्द इतना तीव्र होता है कि सामान्य रूप से खड़ा होना या बैठना भी मुश्किल हो जाता है। भारी रक्तस्राव के कारण शरीर में हीमोग्लोबिन के स्तर में अस्थायी गिरावट होती है। इससे महिलाओं को कमजोरी महसूस होती है। कई महिलाएं प्री-मेंस्ट्रुअल सिंड्रोम का शिकार रहती हैं। ऐसी महिलाओं में चिड़चिड़ापन, एंग्जायटी, और डिप्रेशन जैसी स्थिति पैदा होती है।

वहीं काम के भारी दबाव के बीच मासिक धर्म का दर्द उनकी एकाग्रता में कमी लाता है, जो उनके लिए बड़ी चुनौती बन जाती है। इसके अलावा जी मिचलाना, उल्टी, सिर दर्द और पाचन संबंधी समस्याएं भी पैदा होती हैं। सरकारी कार्यालयों में अक्सर काम का निश्चित समय होता है, इसलिए पीरियड लीव एक जरूरत है। इसके पीछे कई ठोस वजह हैं। जब एक महिला कर्मचारी शारीरिक पीड़ा में होती है, तो उसकी उत्पादकता स्वतः कम हो जाती है। एक या दो दिन का विश्राम उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से पुनर्जीवित करता है, जिससे वे बाद में अधिक ऊर्जा के साथ काम कर पाती हैं।

दरअसल कार्यस्थल को महिलाओं के अनुकूल बनाने का अर्थ है, उनकी जैविक वास्तविकताओं को स्वीकार करना। पीरियड लीव देना भेदभाव नहीं, बल्कि समान अवसर प्रदान करने का एक हिस्सा है। कई पुराने सरकारी कार्यालयों में आज भी महिलाओं के लिए स्वच्छ शौचालय और सैनिटरी पैड डिस्पोजल की उचित व्यवस्था नहीं है। ऐसी स्थिति में दर्द के साथ काम करना उनके संक्रमण के जोखिम को बढ़ा देता है। इस दौरान महिला कर्मचारी अपनी आकस्मिक छुट्टी (सीएल) या मेडिकल लीव (एमएल) का उपयोग करती हैं, जो कि काफी नहीं है।

भारत में पीरियड लीव (मासिक धर्म अवकाश) को लेकर कोई केंद्रीय कानून नहीं है, लेकिन 'पेड पीरियड लीव' और 'मुफ्त सैनिटरी उत्पाद' के लिए एक विधेयक साल 2022 में पेश किया गया था जो कानून नहीं बन सका। इस पर कर्नाटक और बिहार जैसे कुछ राज्यों और कई निजी कंपनियों ने अपनी नीतियां बनाई हैं।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा* 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

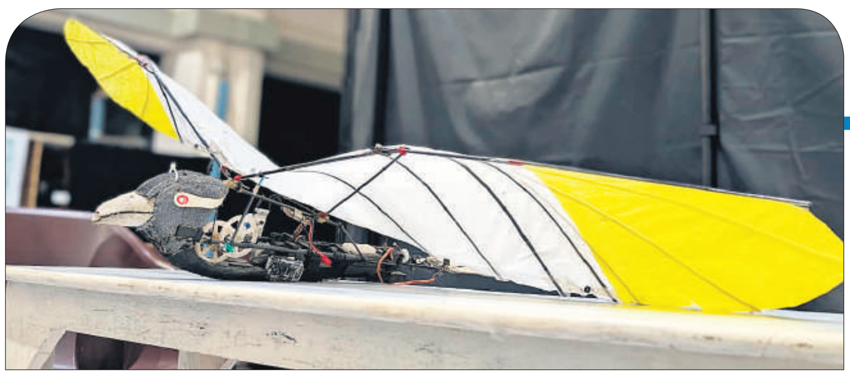

सूक्ष्म निगरानी के साथ सीक्रेट मिशन तक

बर्ड ड्रोन का सबसे बड़ा मॉडल 1.6 मीटर आकार का है, जबकि सबसे छोटा मॉडल केवल 5 इंच का है। छोटे मॉडल का इस्तेमाल माइक्रो निगरानी और सीक्रेट मिशनों में किया जा सकता है, जबकि बड़े मॉडल को लंबी रेंज के लिए डिजाइन किया गया है। बड़ा मॉडल 800 ग्राम से 1 किलो तक पेलोड उठा सकता है। छोटा मॉडल 100 से 200 ग्राम तक पेलोड उठाने में सक्षम है। स्वायत्त संचालन जीपीएस आधारित प्रणाली के साथ, ये बिना पायलट के उड़ सकते हैं।

खोज

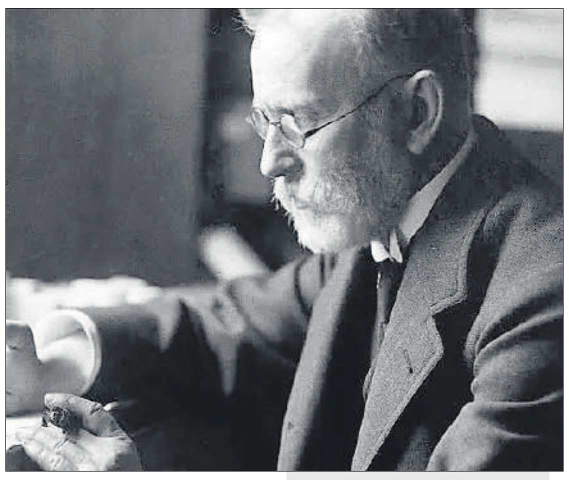

एंटीबायोटिक्स का खोज

माइक्रोबायोलॉजी सोसायटी के अनुसार , मनुष्य हजारों वर्षों से किसी न किसी रूप में एंटीबायोटिक्स का उपयोग करते आ रहे हैं। हाल के इतिहास में ही मनुष्यों को यह एहसास हुआ कि बैक्टीरिया कुछ संक्रमणों का कारण बनते हैं और अब हम आसानी से उपलब्ध उपचार प्रदान कर सकते हैं। 1909 में, जर्मन चिकित्सक पॉल एर्लिच ने देखा कि कुछ रासायनिक रंग कुछ जीवाणु कोशिकाओं को वैसे रंग नहीं देते जैसे वे अन्य को देते हैं। इसी कारण, उन्हें विश्वास हुआ कि आसपास की अन्य कोशिकाओं को नुकसान पहुंचाए बिना कुछ जीवाणुओं को मारना संभव होगा। एर्लिच ने आगे चलकर सिफलिस का इलाज खोजा, जिसे वैज्ञानिक समुदाय में कई लोग पहला एंटीबायोटिक मानते हैं। हालांकि एर्लिच ने अपनी खोज को कीमोथेरेपी कहा, क्योंकि इसमें एक बीमारी के इलाज के लिए रसायनों का उपयोग किया गया था। अपनी खोजों के लिए एर्लिच को 'प्रतिरक्षा विज्ञान का जनक' कहा जाता है।

वैज्ञानिक परिचय

पॉल एर्लिच का जन्म 14 मार्च, 1854 को ब्रेस्लाउ (उस समय जर्मनी का हिस्सा, लेकिन अब पोलैंड का हिस्सा) के पास स्ट्रेहलेन में हुआ था। वे एक यहूदी शराब निर्माता और शाही लॉटरी विजेता के पुत्र थे। उन्होंने ब्रेस्लाउ, स्ट्रासबर्ग (फ्रांस), फ्रीबर्ग और लिपजिंग (दोनों जर्मनी) में चिकित्सा का अध्ययन किया। 1878 में, 24 वर्ष की आयु में, उन्होंने जर्मनी के लिपजिंग विश्वविद्यालय के चिकित्सा संकाय में 'Beitrge fr Theorie und Praxis der histologischen Frbung'/'हिस्टोलॉजिकल स्टेनिंग के सिद्धांत और अभ्यास में योगदान' शीर्षक से अपना शोध प्रबंध प्रस्तुत किया।

चिड़िया-चमगादड़ जैसा ड्रोन रडार के लिए अननोन

आईआईटी कानपुर ने चिड़िया जैसे दिखने वाले और पंख फड़फड़ाकर उड़ने वाले ऑर्निथॉप्टर ड्रोन विकसित किए हैं। धातु का उपयोग काफी कम होने के कारण ये ड्रोन आसानी से दुश्मन के रडार को चकमा देने में सक्षम हैं। इन ड्रोन को एक किलोमीटर की ऊंचाई पर 400 मीटर की दूरी में लगातार उड़ाया जा सकता है। इसके संचालन के लिए न तो किसी मानवीय कंट्रोल की जरूरत होती है, न ही उड़ान के दौरान किसी लगातार मिलने वाले सिग्नल की। सिग्नल कटने पर भी यह ड्रोन अपना मिशन पूरा करके वापस लौटने की तकनीक से लैस है। इस ड्रोन को भविष्य के युद्ध के लिए नया हथियार माना जा रहा है। इस तरह के ड्रोन सेना के लिए सीमा सुरक्षा, निगरानी और अन्य मिशनों जैसे बचाव अभियान, पर्यावरणीय डेटा संग्रह के लिए क्रांतिकारी साबित हो सकते हैं।

- राजीव त्रिवेदी, कानपुर

बर्ड ड्रोन में पंखे नहीं, फिर भी पंख फड़फड़ाकर उड़ता

भारत की रक्षा व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में आईआईटी कानपुर लगातार प्रयासरत है। इसी कड़ी में संस्थान की अनस्टेडी एयरोडायनेमिक्स लैब द्वारा प्रो. देवोपम दास, पूर्व छात्र जयदीप भौमिक और शरमन दास के नेतृत्व में एक ऐसा अनोखा ड्रोन तैयार किया गया है, जो दुश्मन को बिना पता चले उसकी निगरानी कर सकता है। इस बर्ड ड्रोन में पंखे नहीं, बल्कि पंख लगे हैं। पक्षियों या चमगादड़ों की तरह पंख फड़फड़ाकर उड़ने के कारण ये ड्रोन बहुत शांत और रडार अभेद्य हैं। सेंसर व कैमरों से लैस इन ड्रोन को खासतौर पर निगरानी के लिए डिजाइन किया गया है।

आवाज नहीं करता, एनर्जी सेव करने से उड़ता है लंबे समय तक

साधारण ड्रोन जहां चार मोटरों और प्रोपेलरों के सहारे उड़ान भरते हैं। वहीं आईआईटी कानपुर का यह ऑर्निथॉप्टर बिल्कुल अलग तरह से काम करता है। इसमें न तो प्रोपेलर लगाए गए हैं और न ही चार मोटरों की जरूरत पड़ती है। इसके पंख एक ही मोटर से उड़ सकते हैं, जो लिफ्ट और थ्रस्ट दोनों प्रोड्यूस करते हैं। इस कारण इसमें एनर्जी बहुत ज्यादा सेव होती है। सामान्य ड्रोन उड़ान के दौरान काफी आवाज करते हैं और उनकी बैटरी जल्दी खत्म हो जाती है, लेकिन बर्ड जैसा दिखने वाला ड्रोन बेहद कम आवाज के साथ लंबी दूरी तय कर सकता है। एनर्जी की बचत और वजन में हल्का होने के कारण यह करीब 1 घंटे 20 मिनट तक लगातार उड़ान भर सकता है। इसके मुकाबले सामान्य ड्रोन अधिकतम आधा घंटा तक ही उड़ पाते हैं।

दुनिया में अभी तक डच कंपनी बर्ड ड्रोन के विकास में अग्रणी

डच प्रौद्योगिकी कंपनी ड्रोन बर्ड कंपनी पक्षी के आकार के ड्रोन के विकास में विश्व में अग्रणी मानी जाती है। उसका फाल्कन ड्रोन बर्ड रिमोट कंट्रोल रोबोटिक शिकारी पक्षी जैसा है। यह दिखने और वजन में बिल्कुल असली पक्षी जैसा लगता है। ड्रोन बर्ड कंपनी का बनाया हुआ स्थिर पंखों वाले पेरेग्रीन फाल्कन का उपयोग हवाई अड्डों और तेल एवं गैस तथा ड्रेजिंग क्षेत्रों में व्यावसायिक रूप से किया जा रहा है ताकि पक्षियों की संख्या और विमानों से पक्षियों के टकराने की घटनाओं को कम किया जा सके।

सिग्नल जाम या कनेक्शन टूटने पर भी काम अंजाम देने में सक्षम

इसे उड़ाने के लिए ह्यूमन कंट्रोल की जरूरत नहीं पड़ती है। उड़ान से पहले इसका पूरा आवश्यक डेटा इसके ऑनबोर्ड सिस्टम में फीड किया जाता है। इससे अगर मिशन के बीच दुश्मन सिग्नल जाम कर दें या ग्राउंड स्टेशन से कनेक्शन टूट जाए, तो भी यह खुद रास्ता पहचानकर स्वतंत्र रूप से ऑपरेट करने में सक्षम है। मिशन पूरा होने के बाद यह अपने आप वापस बेस पर लौट आ सकता है।

सेना ने दिखाई रुचि

इस ड्रोन की क्षमता को देखते हुए भारतीय सेना की ओर से गहरी रुचि दिखाई गई है। इसके लिए पायलट प्रोजेक्ट तैयार कर लिया गया है। दुश्मन के क्षेत्र में यह एक सामान्य बर्ड जैसा दिखाई देने के कारण जासूसी, बॉर्डर पेट्रोलिंग और सेंसिटिव मिलिट्री एरिया में बेहद उपयोगी साबित हो सकता है।

चीन के ऑर्निथॉप्टर ड्रोन से बेहतर इसका ऑटोनोमस मोड

चीन पहले ही पक्षी जैसे दिखने वाले ऑर्निथॉप्टर ड्रोन बना चुका है। ये ड्रोन पक्षियों की तरह उड़ने की नकल करते हैं और सैन्य निगरानी और टोही अभियानों में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। इसके मुकाबले आईआईटी में तैयार ड्रोन को ऑटोनोमस मोड में डिजाइन किया गया है। इसके ऑटोनोमस कंट्रोलर को जीपीएस, आईएमयू (इनर्शियल मेजरमेंट यूनिट) और एडवांस कैमरा डेटा के आधार पर बनाया गया है। इसके चलते सेना में जब कई बार जीपीएस बंद कर दिया जाता है, तब भी इसका कैमरा और सेव किया हुआ डेटा इसे सही डायरेक्शन और लोकेशन में आगे बढ़ने में मदद करेंगे। यही खासियत इसे दूसरे इस तरह के सभी ड्रोन से अलग बनाती है।

वैज्ञानिक फैक्ट

आसमानी बिजली: प्रकृति की भीषण शक्ति और उसका वैज्ञानिक रहस्य

हमारी धरती के वायुमंडल में जब तीव्र विद्युत आवेश का अचानक डिस्चार्ज होता है, तो उससे उत्पन्न प्रकाश और गड़गड़ाहट को गाज या आसमानी बिजली कहा जाता है। यह एक शक्तिशाली प्राकृतिक घटना है, जो बादलों के भीतर, एक बादल से दूसरे बादल के बीच या बादल और धरती के बीच घटित होती है। विश्व में हर वर्ष लगभग 140 करोड़ बार आसमानी बिजली गिरने की घटनाएं दर्ज की जाती हैं, जिससे इसकी व्यापकता का अंदाजा लगाया जा सकता है।

आसमानी बिजली की वैज्ञानिक व्याख्या सबसे पहले वैज्ञानिक बेंजामिन फ्रैंकलिन ने अठारहवीं शताब्दी में की थी। उन्होंने यह स्पष्ट किया कि बिजली चमकना कोई दैवीय चमत्कार नहीं, बल्कि विद्युत ऊर्जा का परिणाम है। जब आकाश में घने बादल बनते हैं, तो उनमें मौजूद पानी की सूक्ष्म बूंदें और बर्फ के कण आपस में टकराते हैं। इस टकराव और हवा की रगड़ से बादलों में विद्युत आवेश उत्पन्न हो जाता है। परिणामस्वरूप, कुछ बादलों या उनके हिस्सों में पॉजिटिव चार्ज और कुछ में निगेटिव चार्ज जमा हो जाता है। जब विपरीत चार्ज के बीच का अंतर बहुत बढ़ जाता है, तो संतुलन बनाने के लिए अचानक विद्युत प्रवाह होता है, जिसे हम बिजली के रूप में देखते हैं। एक सामान्य आसमानी बिजली में लाखों वोल्ट का वोल्टेज और हजारों एम्पियर का करंट प्रवाहित हो सकता है। इस दौरान उत्पन्न तापमान लगभग 54 हजार डिग्री फॉरेनहाइट तक पहुंच जाता है, जो सूर्य की सतह से भी कई गुना अधिक होता है। बिजली की गति अत्यंत तीव्र होती है और यह एक क्षण में ही धरती तक पहुंच जाती है। प्रतिदिन औसतन 30 लाख बार बिजली गिरने की घटनाएं इस तथ्य को रेखांकित करती हैं कि आसमानी बिजली प्रकृति की अद्भुत शक्ति होने के साथ-साथ मानव जीवन के लिए एक गंभीर खतरा भी है।

रोचक किस्सा

हजार असफलताएं, एक महान आविष्कार

विज्ञान के इतिहास में थॉमस अल्वा एडिसन का नाम केवल आविष्कारों के लिए ही नहीं, बल्कि उनकी जिद, मेहनत और असफलताओं से सीखने की क्षमता के लिए भी याद किया जाता है। एडिसन का सबसे मशहूर किस्सा विद्युत बल्ब के आविष्कार से जुड़ा है, जो आज भी लोगों को प्रेरित करता है। उन्नीसवीं सदी के अंत में जब दुनिया अंधकार में डूबी रहती थी और रोशनी के साधन सीमित थे, तब एडिसन ने एक ऐसा बल्ब बनाने का सपना देखा, जो सुरक्षित हो, सस्ता हो और लंबे समय तक जल सके।

यह सपना साकार करना आसान नहीं था। बल्ब के भीतर जलने वाले फिलामेंट के लिए सही सामग्री ढूंढना सबसे बड़ी चुनौती थी। एडिसन ने अपने प्रयोगशाला में दिन-रात मेहनत करते हुए हजारों प्रयोग किए। उन्होंने कपास, बांस, लकड़ी, रेशम, घोड़े के बाल और कई अन्य पदार्थों को फिलामेंट के रूप में आजमाया, लेकिन हर बार परिणाम असफल रहा। प्रयोग असफल होते गए, लेकिन एडिसन का हौसला कम नहीं हुआ। एक बार एक पत्रकार ने उनसे सवाल किया कि इतनी बार असफल होने के बाद भी वे निराश क्यों नहीं होते? इस पर एडिसन ने शांत स्वर में उत्तर दिया, "मैं असफल नहीं हुआ हूं, मैंने बस यह खोजा है कि बल्ब बनाने के हजारों तरीके काम नहीं करते।" यह कथन उनके सकारात्मक दृष्टिकोण और वैज्ञानिक सोच को दर्शाता है।

आखिरकार वर्ष 1879 में एडिसन ने कार्बन फिलामेंट का उपयोग कर ऐसा विद्युत बल्ब तैयार किया, जो कई घंटों तक लगातार जल सका। इस आविष्कार ने न केवल रातों को रोशन किया, बल्कि उद्योग, शिक्षा और समाज के विकास को भी नई दिशा दी। एडिसन का यह किस्सा हमें सिखाता है कि विज्ञान केवल बुद्धि का नहीं, बल्कि धैर्य, निरंतर प्रयास और असफलताओं को सफलता की सीढ़ी मानने का नाम है। यही सोच किसी भी बड़े आविष्कार की नींव होती है।

जलवायु परिवर्तन से बचाव के लिए कार्बन उत्सर्जन पर लगाम जरूरी

वैश्विक जलवायु परिवर्तन वर्तमान समय की एक ज्वलंत समस्या है। जलवायु में हो रहे तेजी से परिवर्तन पूरे विश्व में चर्चा का विषय बने हुए हैं। विश्व के भू-विज्ञानी एवं भूगोलवेत्ता जलवायु में हो रहे इन परिवर्तनों से बहुत चिंतित हैं। असमय बाढ़, सूखा, अतिवृष्टि, अनावष्टि, ओलावृष्टि, तेजाबी वर्षा तथा ऋतुओं के बदलते चक्र से पूरा विश्व प्रभावित हो रहा है। भू-विज्ञानी इन सबको वैश्विक जलवायु परिवर्तन से जोड़कर देख रहे हैं।

वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक बहुत बड़ा कारण है कार्बन उत्सर्जन की मात्रा में हो रही लगातार भारी वृद्धि। वायुमंडल में सभी गैसें एक निश्चित अनुपात में विद्यमान हैं। परंतु अंधाधुंध परमाणु परीक्षणों, बढ़ता औद्योगीकरण तथा वाहनों की लगातार बढ़ रही संख्या के कारण वायुमंडल में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा में भारी वृद्धि हो रही है। पिछले 100 वर्षों में कार्बन डाईआक्साइड की मात्रा में 26 लाख टन की वृद्धि हुई है, जबकि ऑक्सीजन की मात्रा में 24 लाख टन की कमी आई है। यह स्थिति संपूर्ण मानवता के लिए बहुत चिंताजनक है।

कार्बन उत्सर्जन में चीन सबसे आगे

कार्बन उत्सर्जन के मामले में चीन सबसे आगे है। विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन का 24 प्रतिशत उत्सर्जन अकेले चीन करता है। चीन के बाद दूसरा स्थान अमेरिका का है। अमेरिका विश्व के कुल कार्बन उत्सर्जन का 15 .1 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। यूरोपीय संघ विश्व के कार्बन उत्सर्जन का 10 .5 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। भारत भी इस मामले में पीछे नहीं है। कार्बन उत्सर्जन में भारत का विश्व में चौथा स्थान है। भारत कुल कार्बन उत्सर्जन का 6 .4 प्रतिशत उत्सर्जन करता है। अगर दुनिया के देशों ने कार्बन उत्सर्जन पर नियंत्रण नहीं किया, तो निकट भविष्य में जलवायु परिवर्तन की समस्या भयावह रूप धारण कर लेगी।

ओजोन परत का क्षरण

वाहनों, हवाई जहाजों, कल-कारखानों से निकलने वाले धुएं तथा विद्युत सयंत्रों से होने वाले उत्सर्जन से ग्रीन हाउस गैसों की मात्रा में लगातार वृद्धि हो रही है, जिसके परिणामस्वरुप धरती का तापमान बढ़ रहा है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन का खतरा दिनों-दिन गहरा होता जा रहा है। वैश्विक जलवायु परिवर्तन का एक अन्य महत्वपूर्ण कारण है ओजोन परत के आकार का निरंतर कम होना। ओजोन परत वायुमंडल की एक महत्वपूर्ण परत है। यह परत पृथ्वी के सुरक्षा कवच का काम करती है। इसे धरती की छतरी भी कहा जाता है। ओजोन परत में ओजोन गैस की प्रधानता होती है। यह 32 किमी से 80 किमी की ऊंचाई तक फैली हुई है। यह परत पराबैंगनी किरणों की ऊष्मा को सोख लेती है और पराबैंगनी किरणों की ऊष्मा से मानव की रक्षा करती है। यदि ओजोन परत नहीं होती, तो पृथ्वी भी अन्य ग्रहों की तरह प्राणीविहीन और वीरान होती। मानव की अपनी नादानी के कारण ओजोन परत का आकार निरंतर घट रही है।

सुरेश बाबू मिश्रा
लेखक

विश्व मौसम संगठन द्वारा जारी एक रिपोर्ट के अनुसार अंटार्टिका महाद्वीप के ऊपर ओजोन परत में छेद है। इस छेद का आकार इतना बढ़ गया है कि पृथ्वी का एक करोड़ किलोमीटर का क्षेत्र इसकी चपेट में आ गया है। यह स्थिति बहुत ही चिंताजनक है। सन् 1995 में ओजोन परत को नष्ट करने वाले रसायनों का प्रयोग कम करने के लिए एक अंतर्राष्ट्रीय समझौता हुआ था, परंतु निहित स्वार्थों और परमाणु हथियारों की होड़ के कारण दुनिया के देश इस समझौते का पालन नहीं कर रहे हैं, जिससे ओजोन परत का आकार निरंतर घट रहा है। इसके परिणामस्वरुप हम वैश्विक जलवायु परिवर्तन के दुष्परिणाम झेलने को मजबूर हैं। पृथ्वी के बढ़ते तापमान का एक प्रमुख कारण पृथ्वी पर घटती हरियाली भी है। कहते हैं कि खुशहाली का रास्ता हरियाली से होकर गुजरता है। वृक्ष पर्यावरण के सजग प्रहरी होते हैं। वे पर्यावरण के संतुलन को बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, परंतु मानव की धन की बढ़ती हवस के कारण वृक्षों की अंधाधुंध कटाई हो रही है, जो गंभीर चिंता का विषय है। जिस प्रकार शरीर के अस्तित्व के लिए कम से कम एक तिहाई त्वचा का सुरक्षित होना जरूरी है ठीक उसी प्रकार पृथ्वी के अस्तित्व के लिए उसके कम से कम एक तिहाई भाग पर हरियाली होना आवश्यक है। वर्तमान समय में धरती के केवल 22 प्रतिशत भू-भाग पर वृक्ष हैं, जिसके परिणामस्वरुप पर्यावरण का संतुलन बिगड़ रहा है और वैश्विक जलवायु परिवर्तन की गंभीर समस्या हमारे सामने मुंह बाए खड़ी है।

इस प्रकार हम पाते हैं कि कार्बन का अधिक उत्सर्जन और धरती का बढ़ता तापमान वैश्विक जलवायु परिवर्तन के लिए मुख्य रूप से जिम्मेदार है। पिछले दस वर्षों में पृथ्वी के औसत तापमान में 0 .3 डिग्री सेल्सियस तक की वृद्धि हुई है। यह अनुमान लगाया जा रहा है कि ग्लोबल वार्मिंग के कारण आने वाले वर्षों में धरती के तापमान में और वृद्धि होगी, जिसके कारण ग्लेशियरों और ध्रुवों पर जमीं बर्फ पिघलने लगेगी और समुद्र का जल स्तर बढ़ जाएगा। पेरिस वैश्विक जलवायु परिवर्तन सम्मेलन में यह आशंका व्यक्त की गई कि यदि पृथ्वी का तापमान इसी प्रकार बढ़ता रहा, तो समुद्र के बढ़ते जल स्तर के कारण दुनिया के 9 देश और 705 छोटे-बड़े नगर समुद्र में समा जाएंगे। एक आकलन के अनुसार भूमंडल का 2 .5 प्रतिशत जल बर्फ के रूप में विद्यमान है। यदि ग्लेशियरों और ध्रुवों पर जमीं सारी बर्फ पिघल गई, तो समुद्र का जल स्तर इतना बढ़ जाएगा कि पूरी पृथ्वी समुद्र के जल से जलमग्न हो जाएगी और पृथ्वी पर महाप्रलय आ जाएगी। इसलिए हम महाप्रलय की आहट को सुनें और धरती के बढ़ते तापमान को रोकने के लिए कारगर कदम उठाएं। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि वैश्विक जलवायु परिवर्तन पृथ्वी और मानवता के अस्तित्व के लिए एक गंभीर खतरा है। इसलिए विश्व के सभी देशों को एकजुट होकर इसको नियंत्रित करने के लिए कारगर उपाय करने चाहिए।

जंगल की दुनिया

एलियन जैसी शक्ल वाला मासूम प्राइमेट

टार्सियर ऐसा जीव है, जो 'आंखें पेट से बड़ी' वाली कहावत को सचमुच जीवंत कर देता है। आकार में बेहद छोटे टार्सियर उछल-कूद करने वाले प्राइमेट्स की आंखें असाधारण रूप से विशाल होती हैं, उंगलियां लंबी और पतली होती हैं तथा चेहरा किसी काल्पनिक एलियन जैसा प्रतीत होता है। इनकी सबसे अनोखी विशेषता यह है कि ये अपना सिर लगभग 180 डिग्री तक घुमा सकते हैं, जिससे इनकी आकृति कई बार डरावनी, लेकिन रोचक लगती है। दुर्भाग्यवश, यही अनोखापन टार्सियर के लिए अभिशाप बन गया है। उनकी मासूम शक्ल और बड़ी आंखों के कारण उन्हें वर्षों से पालतू जानवरों की तरह रखने या पर्यटकों के साथ तस्वीरें खिंचवाने के लिए इस्तेमाल किया जाता रहा है। तेज रोशनी, शोर और मानव संपर्क से ये अत्यधिक तनाव में आ जाते हैं, जिससे उनकी सेहत और जीवन पर गंभीर असर पड़ता है।

प्रकृति संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ (IUCN) के अनुसार, दक्षिण-पूर्व एशिया- विशेष रूप से फिलीपींस, मलेशिया और इंडोनेशिया में टार्सियर की एक दर्जन से अधिक प्रजातियां पाई जाती हैं। इनमें से कई प्रजातियां आज लुप्तप्राय: या गंभीर रूप से लुप्तप्राय: की श्रेणी में आ चुकी हैं। जंगलों की कटाई, पर्यटन और अवैध पकड़ ने इनके अस्तित्व पर बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। टार्सियर केवल एक आकर्षक जीव नहीं, बल्कि जैव विविधता का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिनका संरक्षण हमारी जिम्मेदारी है।

बिजनेस ब्रीफ

हरटेक पावर को मिला 353.77 करोड़ का ठेका

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग, खरीद और निर्माण (ईपीसी) कंपनी हरटेक पावर ने कर्नाटक में 353.77 करोड़ का नवीकरणीय ऊर्जा अनुबंध हासिल है। कंपनी ने गुरुवार को बताया कि उसे चल्लाकेरे में 80 मेगावाट/ 320 एमब्लूएच बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली के साथ 280 मेगावाट एसी/ 410 एमडब्ल्यूपी डीसी सोलर पीवी परियोजना के लिए ईपीसी अनुबंध मिला है। हरटेक पावर ने कहा कि कार्य के दायरे में परियोजना की डिजाइन, इंजीनियरिंग, आपूर्ति, स्थापना और उसे चालू करना शामिल है। साथ ही एक वर्ष का संचालन और रखरखाव भी शामिल है। कंपनी ने बताया कि इस परियोजना के लिए जो काम तय किए गए हैं और जिन पर दोनों पक्षों ने सहमति दी है, उनका कुल अनुबंध मूल्य लगभग 353.77 करोड़ रुपये है।

अमागी मीडिया लैब्स का आईपीओ 13 को

नई दिल्ली। क्लाउड-आधारित एसएएएस कंपनी अमागी मीडिया लैब्स ने 1,788 करोड़ के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 343-361 रुपये प्रति शेयर का मूल्य तय किया है। कंपनी ने गुरुवार बताया कि आईपीओ अभिदान के लिए 13 जनवरी को खुलेगा और 16 जनवरी को संपन्न होगा। बड़े (एंकर) निवेशक 12 जनवरी को बोली लगा पाएंगे। प्रस्तावित आईपीओ में 816 करोड़ के नए शेयर और 972.6 करोड़ रुपये के 2.7 करोड़ शेयर की बिक्री पेशकश (ओएफएस) का संयोजन है। इससे कुल शेयर की राशि 1,788.6 करोड़ रुपये बैठती है। अमागी मीडिया लैब्स, राजस्व के हिसाब से भारत की शीर्ष 50 सूचीबद्ध मीडिया एवं मनोरंजन कंपनियों में से 45 प्रतिशत से अधिक कंपनियों के साथ काम करती है।

वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के सामान की आपूर्ति शुरू

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल ने वंदे भारत स्लीपर ट्रेन के लिए सेमी-हाई-स्पीड अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर की आपूर्ति शुरू कर दी है। कंपनी ने गुरुवार को कहा कि ट्रेन की असेंबल प्रक्रिया को अंतिम रूप देने को ट्रैक्शन कन्वर्टर कोलकाता भेजे जा रहे हैं। अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर एक प्रकार का उपकरण है जिसका उपयोग रेलवे इंजनों या इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट ट्रेन में कर्षण प्रणाली का हिस्सा है।

अमेरिकी शुल्क की चिंता से बाजार में बड़ी गिरावट

सेंसेक्स 780 व निफ्टी 264 अंक टूटा, निवेशकों के 7.72 लाख करोड़ डूबे

- धातु, तेल एवं गैस और जिंस शेयरों में बिकवाली, एफआईआई की निरंतर निकासी ने बढ़ाया दबाव

मुंबई, एजेंसी

वैश्विक बाजारों में व्यापक बिकवाली और अमेरिकी शुल्क बढ़ाने की आशंका के बीच गुरुवार को घरेलू शेयर बाजारों में लगातार चौथे दिन गिरावट आई। सेंसेक्स 780 अंक लुढ़क गया जबकि निफ्टी 264 अंक टूटकर 26,000 के नीचे आ गया। चौतरफा बिकवाली जारी रहने से घरेलू निवेशकों के 7.72 लाख करोड़ रुपये डूब गए हैं। विश्लेषकों के मुताबिक, धातु, तेल एवं गैस और जिंस शेयरों में भारी बिकवाली और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की निरंतर निकासी ने बाजार पर दबाव बनाए रखा।

बीएसई का सूचकांक सेंसेक्स 780.18 अंक यानी 0.92 प्रतिशत लुढ़ककर 84,180.96 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 851.04 अंक तक गिरकर 84,110.10 के स्तर तक आ गया था। बीएसई पर कुल 3,158 शेयरों में गिरावट दर्ज की गई, जबकि 1,039 शेयरों में बढ़त हुई और 170 शेयर अपरिवर्तित रहे। वहीं, एनएसई का निफ्टी 263.90 अंक यानी 1.01 प्रतिशत टूटकर 25,876.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से लार्सन एंड टुब्रो, टेक महिंद्रा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, रिलायंस इंडस्ट्रीज, टाटा स्टील और ट्रेंट सबसे ज्यादा नुकसान में रहीं। दूसरी तरफ, इटर्नल, आईसीआईसीआई बैंक, बजाज फाइनेंस और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स के शेयर बढ़त के साथ बंद हुए। पिछले चार दिनों में बीएसई बेंचमार्क 1,581.05 अंक यानी 1.84 प्रतिशत टूटा जबकि और निफ्टी 451.7 अंक यानी 1.71 प्रतिशत नुकसान में रहा। विभिन्न शेयर बाजारों में कारोबार करने वाली कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण गुरुवार को 7,71,816 करोड़ रुपये (1.61 प्रतिशत) कम होकर 4,72,95,304 करोड़ रुपये रह गया। बीएसई के अनुसार, शीर्ष 10 कंपनियों का संयुक्त बाजार पूंजीकरण 1.25 लाख करोड़ रुपये घटा है।

अमेरिका के 500% शुल्क के विधेयक से बढ़ी चिंता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा ऐसे प्रतिबंधात्मक विधेयक का समर्थन किए जाने से निवेशकों की चिंता बढ़ गई है, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक शुल्क लगाया जा सकता है। इस विधेयक को पेश करने की तैयारी में जुटे सीनेटर (सांसद) लिंडसे ग्राहम ने कहा है कि इससे अमेरिका को चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों पर सस्ता रूसी तेल खरीदना बंद करने का दबाव बनाने के लिए जबर्दस्त ताकत मिलेगी। अमेरिकी प्रशासन पिछले साल अगस्त में ही भारतीय उत्पादों पर आयात शुल्क को बढ़ाकर 50 प्रतिशत कर चुका है। इसमें से 25 प्रतिशत शुल्क रूसी तेल खरीद जारी रखने के जुर्माने के तौर पर लगाया गया था।

मिड और स्मॉलकैप में भी आई गिरावट

बीएसई का मिडकैप में 1.99 प्रतिशत की गिरावट आई जबकि छोटी कंपनियों के सूचकांक बीएसई स्मॉलकैप में 1.97 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी बढ़त में रहा, जबकि जापान का निक्की, चीन का शंघाई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग नुकसान में बंद हुए। यूरोपीय बाजार हल्की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार बुधवार को ज्यादातर कमजोर रहे। शेयर बाजार के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 1,527.71 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों ने 2,889.32 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे।

बाजार कमजोर होने से जोखिम उठाने की प्रवृत्ति प्रभावित

रेलिगेयर ब्रोकिंग लिमिटेड के वरिष्ठ उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा ने कहा कि बढ़ते भौगोलिक तनावों और वैश्विक व्यापार संबंधी चिंताओं के बीच बाजार का रुख कमजोर हुआ, जिससे जोखिम उठाने की प्रवृत्ति प्रभावित हुई। विदेशी निवेशकों द्वारा लगातार बिकवाली और रुपये की कमजोरी ने नकारात्मक रुझान को और बढ़ा दिया। लेमन मार्केट्स डेस्क के शोध विश्लेषक गौरव गर्ग ने कहा कि भारतीय बाजारों के चौथे सत्र में गिरावट जारी रही और चार महीने बाद सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि अमेरिकी शुल्क से नई चिंताओं और एफआईआई की बिकवाली से घरेलू बाजारों में सतर्कता का माहौल बना रहा।

चांदी 12,500 रुपये टूटकर रिकॉर्ड स्तर से फिसली

नई दिल्ली। मुनाफावसूली के बीच गुरुवार को सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत अपने रिकॉर्ड स्तर से 12,500 रुपये की भारी गिरावट के साथ 2,43,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई, जबकि सोने की कीमतों में 900 रुपये की गिरावट देखी गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के अनुसार, बुधवार को चांदी 5,000 रुपये बढ़कर 2,56,000 रुपये प्रति किलोग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गई थी। स्थानीय सर्राफा बाजार में, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 900 रुपये टूटकर 1,40,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गई, जबकि पिछला बंद भाव 1,41,400 रुपये प्रति 10 ग्राम था। एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक (जिंस) सौमिल गांधी ने कहा कि सुरक्षित निवेश की मांग कम होने की वजह से कारोबारियों ने अपने सौदे कम किए।

किआ इंडिया ने एसयूवी सेल्टॉस की सेकेंड जेनरेशन को किया लॉन्च

- रामपुर रोड पर शोरूम में ऑल न्यू किआ सेल्टॉस का अनावरण

संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : रामपुर रोड स्थित किआ शोरूम पर बुधवार को किआ इंडिया ने अपनी लोकप्रिय एसयूवी सेल्टॉस के सेकेंड जेनरेशन मॉडल को भारतीय बाजार में विधिवत लॉन्च किया। इस अवसर पर भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष दुर्विजय शाक्य और कैंट विधायक संजीव अग्रवाल ने फीता काटकर ऑल न्यू किआ सेल्टॉस का अनावरण किया।

शोरूम के डायरेक्टर आनंद प्रकाश, नवनीत अग्रवाल और अनमोल अग्रवाल ने बताया कि नई किआ सेल्टॉस अब किआ के ग्लोबल श्री प्लेटफॉर्म पर आधारित है, जो पहले की तुलना में अधिक मजबूत स्ट्रक्चर प्रदान करता है। इससे वाहन की स्टेबिलिटी और सेफ्टी में उल्लेखनीय सुधार हुआ है, साथ ही ड्राइविंग एक्सपीरियंस भी पहले से बेहतर हुआ है।

कंपनी के अनुसार, नई किआ सेल्टॉस की शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत 10.99 लाख रुपये रखी गई है। डिजाइन और फीचर्स के लिहाज से यह एसयूवी पहले से अधिक प्रीमियम और आरामदायक बनाई गई है। इसकी लंबाई 4460 मिमी है, जो पिछले मॉडल से 95 मिमी अधिक है। वहीं बेहतर केबिन स्पेस और लेगरूम के लिए व्हीलबेस को 80 मिमी तक बढ़ाया गया है।

इस दौरान अरविंद अग्रवाल, पूर्व विधायक विजयपाल, शिवशंकर शर्मा, डॉ. पंकज अग्रवाल, धर्मेंद्र गुप्ता, डॉ. एसपी सिंह, विमल खंडेलवाल, प्रखर अग्रवाल आदि उपस्थित रहे।

कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप को समर्थन देगा एपीडा

- नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना उद्देश्य

नई दिल्ली, एजेंसी

वाणिज्य मंत्रालय की इकाई कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) ने कृषि-खाद्य और कृषि-प्रौद्योगिकी स्टार्टअप कंपनियों को समर्थन देने के लिए नई पहल शुरू की है, जिसका उद्देश्य नवाचार को बढ़ावा देना और युवा उद्यमियों के लिए नए निर्यात अवसर पैदा करना है।

एपीडा के चेयरमैन अभिषेक देव ने गुरुवार को बताया कि ''कृषि-प्रौद्योगिकी, जुझारूपन, उन्नयन और निर्यात-सक्षम इनक्यूबेशन के लिए भारत का केंद्र'' यानी भारती' पहल कृषि क्षेत्र की स्टार्टअप फर्मों को सशक्त बनाने के लिए तैयार की गई है। उन्होंने ग्रेटर नोएडा में भारतीय निर्यात संवर्धन परिषद (टीपीसीआई) के तीन-दिवसीय इंडसफूड 2026 प्रदर्शनी में कहा कि हम इस पहल के तहत शीर्ष 10 स्टार्टअप को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर अपने उत्पाद प्रदर्शित करने का अवसर देंगे। कृषि निर्यात के मोर्चे पर देव ने कहा कि वैश्विक व्यापार में अनिश्चितताओं के बावजूद भारत के कृषि निर्यात में स्वस्थ वृद्धि दर्ज की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस साल भी हम रिकॉर्ड वृद्धि की उम्मीद कर रहे हैं। एपीडा-प्रोत्साहित निर्यात चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान सात प्रतिशत बढ़कर 18.6 अरब डॉलर रहा है, जबकि 2024-25 में यह 28.5 अरब डॉलर था।

उन्होंने कहा कि इस वित्त वर्ष में हमें 30 अरब डॉलर के स्तर को पार कर जाने की उम्मीद है। टीपीसीआई के चेयरमैन मोहित सिंगला ने कहा कि इस खाद्य एवं पेय प्रदर्शनी में 120 से अधिक देशों के प्रतिभागी हिस्सा ले रहे हैं। चीन, जॉर्डन, संयुक्त अरब अमीरात (यूएई), सऊदी अरब, फिलीपीन, नेपाल और लेबनान सहित कई देशों के खरीदार और प्रदर्शक भारत आए हैं। हम 30 देशों के 2,200 से अधिक प्रदर्शकों को एक मंच पर ला रहे हैं। 15,000 से ज्यादा खरीदार और व्यापारिक आगंतुक इसमें शामिल हो रहे हैं।

वस्त्र उद्योग की मजबूत को केंद्र ने किया 15 राज्यों से समझौता

नई दिल्ली। केंद्रीय वस्त्र मंत्रालय ने गुरुवार को वस्त्र-केंद्रित अनुसंधान, मूल्यांकन, निगरानी, योजना और स्टार्टअप (टेक्स-आरएएमपी) योजना के तहत डेटा सिस्टम को मजबूत करने के लिए सुदृढ़ परिचालन ढांचा तैयार करने के लिए 15 राज्यों के साथ समझौतों पर हस्ताक्षर किए। इस केंद्रीय क्षेत्रीय योजना का उद्देश्य वस्त्र क्षेत्र से जुड़े आंकड़ों और अनुसंधान की व्यापकता, गुणवत्ता, समयबद्धता और विश्वसनीयता में सुधार करना है। ये समझौते गुवाहाटी में आयोजित राष्ट्रीय वस्त्र मंत्रियों के सम्मेलन में किए गए।

आधिकारिक बयान में कहा गया कि ये समझौते राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में वस्त्र से जुड़ी डेटा प्रणाली को मजबूत बनाएंगे। टेक्स-आरएएमपी योजना के तहत इस पहल का लक्ष्य मुख्य क्षेत्रों जैसे हथकरघा, हस्तशिल्प, कपड़े और तकनीकी वस्त्र को बेहतर तरीके से योजना बनाकर विकसित करना है। इसके लिए काम सीधे जिला और संकुल स्तर पर किया जाएगा, ताकि जरूरत वाले स्थानों पर असर तुरंत दिखाई दे। इन सुधारों को लागू करने के लिए, मंत्रालय हर राज्य और केंद्र शासित प्रदेश को हर साल 12 लाख रुपये की आर्थिक सहायता देगा। वस्त्र मंत्रालय ने कहा कि ये समझौते केंद्र और राज्यों के बीच सहयोग और साझेदारी की भावना को दर्शाते हैं।

राष्ट्रीय

गर्भावस्था जारी रखने के लिए पत्नी को नहीं किया जा सकता मजबूर : कोर्ट

हाईकोर्ट बोली- ये अपने शरीर पर हक का उल्लंघन और मानसिक आघात बढ़ाने वाला कदम

नयी दिल्ली, एजेंसी

- 14 हफ्ते के गर्भ को गिराने पर पति के दर्ज कराए मामले में महिला को किया बरी
- अधिनियम के तहत गर्भवती महिला के गर्भपात के लिए पति की अनुमति लेना जरूरी नहीं

14 हफ्ते के गर्भ को गिराने पर पति के दर्ज कराये मामले में महिला को बरी करते हुए दिल्ली हाईकोर्ट ने कहा कि किसी महिला को उसकी इच्छा के विरुद्ध गर्भावस्था जारी रखने को मजबूर करना उसके अपने शरीर पर हक का उल्लंघन और मानसिक आघात बढ़ाने वाला कदम है। महिला अपने पति से अलग रह रही है।

वैवाहिक कलह की स्थिति में गर्भपात कराने के महिला के स्वायत्त अधिकार पर जोर देते हुए, न्यायमूर्ति नीना बंसल कृष्णा ने कहा कि इस मामले यह नहीं कहा जा सकता कि याचिकाकर्ता पत्नी ने भादसं की धारा 312 (गर्भपात कराना) के तहत अपराध किया है। न्यायाधीश ने कहा कि चयन की स्वतंत्रता व्यक्तिगत स्वायत्तता का पहलू है और प्रजनन पर नियंत्रण सभी महिलाओं की बुनियादी आवश्यकता और अधिकार है।

हाईकोर्ट ने कहा कि चिकित्सा गर्भपात अधिनियम के तहत गर्भवती महिला के लिए गर्भपात वास्ते पति की अनुमति लेना जरूरी नहीं है तथा इस कानून के मूल में महिला के शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य को होने वाली गंभीर क्षति के प्रति सरोकार है। हाईकोर्ट ने छह जनवरी को अपने फैसले में कहा कि यदि कोई महिला गर्भावस्था जारी नहीं रखना चाहती है, तो उसे ऐसा करने के लिए मजबूर करना अपने शरीर पर उसके अपने हक का उल्लंघन है और यह उसके मानसिक आघात को बढ़ाता है, जो उसके मानसिक स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होगा। याचिकाकर्ता महिला ने सत्र अदालत के उस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी, जिसमें उसे भादसं की धारा 312 के तहत मजिस्ट्रेट अदालत के समक्ष पेशी के लिए तलब किये जाने पर मुहर लगाई गई थी।

उसने तर्क दिया कि संविधान के अनुच्छेद 21 के तहत प्रजनन स्वायत्तता की उसे जो गारंटी दी गई है उसे अपराध की श्रेणी में डाल दिया गया है तथा निजता, शरीर पर खुद का अधिकार और निर्णय लेने की स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार के उसके वैध इस्तेमाल की अनदेखी की गई है। पति ने तर्क दिया कि चूंकि गर्भपात की तारीख पर दंपति साथ रह रहे थे और उनके बीच कोई कलह नहीं थी, इसलिए एमटीपी अधिनियम के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि, हाईकोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया और कहा कि वैवाहिक कलह को इस तरह से परिभाषित नहीं किया जा सकता कि यह केवल पक्षों के अलग होने और मुकदमेबाजी में जाने के बाद ही मौजूद हो। उसने कहा कि इस मामले में बहिरंग रोगी विभाग (ओपीडी) संबंधी कागजात में महिला ने जो कारण बताया है, वह दर्शाता है कि वह पहले से ही शादी के दबाव से गुजर रही थी और उसने पति से अलग होने का निर्णय ले लिया था।

दागी अभ्यर्थियों की विवरण वाली सूची दे एसएससी : अदालत

कोलकाता। कलकत्ता हाईकोर्ट ने पश्चिम बंगाल स्कूल सेवा आयोग (एसएससी) को निर्देश दिया है कि वह 1,806 दागी अभ्यर्थियों से संबंधित अतिरिक्त विवरणों के साथ नई रिपोर्ट दे। दागी उम्मीदवार उन 25,753 स्कूल नियुक्तियों में हैं, जिनकी नौकरियां उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद रद्द कर दी गई थीं।

एसएससी की रिपोर्ट पर न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने कहा कि सूची में उम्मीदवारों का रोल नंबर, नाम, विषय, माता-पिता का नाम और जन्मतिथि तो है, लेकिन उस श्रेणी का खुलासा नहीं है जिसके लिए उनको दागी पाया गया है। उस स्कूल और जिले का विवरण भी सार्वजनिक नहीं किया गया जहां उम्मीदवार को 2016 की पहली स्कूल स्तरीय चयन परीक्षा में नियुक्त किया गया था। न्यायमूर्ति सिन्हा ने एसएससी को निर्देश दिया कि वह उम्मीदवारों के विवरणों का खुलासा कर सूची प्रकाशित करे। अदालत ने निर्देश दिया कि इस मामले की सुनवाई 11 फरवरी को दोबारा की जाएगी।

जांच समिति की वैधता को चुनौती देने वाली न्यायमूर्ति वर्मा की याचिका पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की उस याचिका पर फैसला गुरुवार को सुरक्षित रख लिया, जिसमें उन्होंने अपने खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही संसदीय समिति की वैधता को चुनौती दी थी। न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और एससी शर्मा की पीठ ने वर्मा के अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा तथा संसद के दोनों सदनों का प्रतिनिधित्व करने वाले सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता की दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया।

सुनवाई के दौरान, रोहतगी और लूथरा ने संसदीय समिति के गठन में अपनाई गई प्रक्रिया पर सवाल उठाया और कहा कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम 1968 के तहत, केवल लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति ही किसी न्यायाधीश को पद से हटाने के प्रस्ताव को स्वीकार करने के हकदार हैं।

मेहता ने संसदीय समिति के गठन का बचाव करते हुए कहा कि यदि प्रस्ताव दोनों सदनों में स्वीकार कर लिया गया है, तो जांच समिति का संयुक्त रूप से गठन लोकसभा अध्यक्ष और सभापति द्वारा किया जाएगा। बुधवार को सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि न्यायाधीश जांच अधिनियम के तहत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला पर इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच के लिए जांच समिति गठित करने में कोई रोक नहीं है। वहीं इस तरह के एक प्रस्ताव लाने के संबंध में दिए गए नोटिस को राज्यसभा ने खारिज कर दिया था। न्यायमूर्ति वर्मा को 14 मार्च को नई दिल्ली स्थित उनके आधिकारिक आवास पर नोटों की अधजली गड्डियां मिलने के बाद दिल्ली हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट में वापस भेजा गया था। सुप्रीम कोर्ट ने 16 दिसंबर को न्यायमूर्ति वर्मा की उस याचिका पर सुनवाई करने पर सहमति जताई थी, जिसमें जांच समिति के गठन को चुनौती दी गई थी और लोकसभा अध्यक्ष के कार्यालय और संसद के दोनों सदनों को महासचिवों को नोटिस जारी किए थे।

एसआईआर वाली याचिकाओं पर 13 को सुनवाई

सुप्रीम कोर्ट मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) संबंधी निर्वाचन आयोग के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं के एक समूह पर 13 जनवरी को सुनवाई करेगा। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली पीठ ने दिन में याचिकाओं की सुनवाई तय की थी। पीठ ने कहा कि कार्यवाही मंगलवार को फिर से शुरू होगी। निर्वाचन आयोग के अधिवक्ता राकेश द्विवेदी मामले में अपनी दलीलें पेश करने वाले थे।

सोमनाथ पर्व उनकी याद में, जिन्होंने सिद्धांतों से कभी कोई समझौता नहीं किया : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

- 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में मोदी होंगे शामिल
- सोमनाथ की पिछली यात्राओं की तस्वीरों को एक्स पर किया साझा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि गुरुवार से शुरू होने वाला सोमनाथ स्वाभिमान पर्व भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया। मोदी ने एक्स पर कहा, सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की आज से शुरुआत हो रही है। एक हजार वर्ष पूर्व, जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर ने पहला आक्रमण झेला था। यह आक्रमण और उसके बाद हुए अनेक हमले भी हमारी शाश्वत आस्था को डिगा नहीं सके।

प्रधानमंत्री 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होंगे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने सोमनाथ की अपनी पिछली यात्राओं की कुछ तस्वीरों को एक्स पर साझा किया। उन्होंने देशवासियों से भी अपील की कि अगर वे भी सोमनाथ गए हैं, तो अपनी तस्वीरें हैशटैग सोमनाथ स्वाभिमान पर्व के साथ जरूर साझा करें।

मोदी ने कहा कि मैं 31 अक्टूबर 2001 को सोमनाथ में आयोजित कार्यक्रम की कुछ झलकियां भी साझा कर रहा हूं। यह वह साल था, जब हमने 1951 में पुनर्निर्मित सोमनाथ मंदिर के उद्घाटन के 50 वर्ष पूर्ण होने का उत्सव मनाया था। 1951 में यह ऐतिहासिक समारोह तत्कालीन राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद की मौजूदगी में संपन्न हुआ था।

सरकारी नौकरियों के घोटाले में ईडी का 6 राज्यों में छापा

नई दिल्ली। ईडी ने फर्जी सरकारी नौकरी घोटाला मामले में धनशोधन की जांच के तहत गुरुवार को छह राज्यों में 15 स्थानों पर छापेमारी की। अधिकारियों ने बताया कि यह कार्रवाई सरकारी नौकरियों के लिए फर्जी नियुक्ति पत्र भेजने से जुड़े मामले में धनशोधन की जांच के तहत की गई।

- बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, गुजरात और उत्तर प्रदेश में तलाश अभियान जारी

उन्होंने बताया कि संगठित गिरोह पर एजेंसी की नजर है। ईडी का पटना कार्यालय बिहार, पश्चिम बंगाल, केरल, तमिलनाडु, गुजरात और उत्तर प्रदेश में तलाश अभियान चला रहा है। शुरू में तो इस घोटाले का पता रेलवे के नाम पर चला, लेकिन गहन जांच में मालूम हुआ कि इसमें वन विभाग, आरआरबी (रेलवे भर्ती बोर्ड), इंडिया पोस्ट, आयकर विभाग, कुछ उच्च न्यायालय, पीडब्ल्यूडी, बिहार सरकार, दिल्ली विकास प्राधिकरण, राजस्थान सचिवालय और अन्य समेत 40 से अधिक सरकारी संगठन और विभाग शामिल हैं।

आतिशी की वीडियो की होगी फॉरेंसिक जांच

- गुरु तेग बहादुर को लेकर आतिशी की टिप्पणी पर दिल्ली विस में हंगामा अध्यक्ष ने दिए जांच के आदेश

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली विधानसभा में हंगामा करते भाजपा और आप नेता।

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने गुरुवार को विपक्ष की नेता आतिशी के गुरु तेग बहादुर के कथित अपमान वाले वीडियो की फॉरेंसिक जांच के निर्देश दिए।

भाजपा ने आरोप लगाया कि मंगलवार को आतिशी ने गत वर्ष नवंबर में गुरु तेग बहादुर के शहादत दिवस पर हुए विशेष चर्चा के बाद उनके खिलाफ असंवेदनशील टिप्पणी की थी। गुप्ता ने कहा कि सत्तारूढ़ पार्टी और विपक्षी आप दोनों की मांग के बाद वीडियो को फॉरेंसिक जांच को भेजा जाएगा। उन्होंने रिपोर्ट 15 दिनों में पेश करने का आदेश दिया।

आतिशी ने आरोप को खारिज करते हुए कहा कि वह प्रदूषण पर चर्चा से भाजपा के भागने और आवारा कुत्तों के मुद्दे पर विधानसभा में उनके विरोध पर बात कर रही थीं। उन्होंने भाजपा नेताओं के साझा किए वीडियो पर कहा था कि भाजपा ने गलत उपशीर्षक जोड़ा और उसमें गुरु तेग बहादुर का नाम डाल दिया। शीतकालीन सत्र के चौथे दिन गुरुवार को भाजपा विधायक, विपक्ष के नेता के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए पोस्टर लेकर सदन के बीचोबीच आ गए, जिससे व्यवधान उत्पन्न हो गया।

बांग्लादेश ने भारत में वीजा सेवा निलंबित की

- अमेरिका से किया वीजा बॉन्ड में छूट देने का अनुरोध

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए दिल्ली सहित भारत में स्थित अपने प्रमुख मिशनों से वीजा सेवाएं निलंबित कर दी हैं। विदेश मामलों के सलाहकार एम.तौहीद हुसैन ने अपने कार्यालय में एक मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि बांग्लादेश ने अमेरिका की ओर से हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता को भी रद्द करने की मांग की है।

हुसैन ने कहा, मैंने भारत में स्थित अपने तीनों मिशनों को फिलहाल वीजा संबंधी खंड बंद रखने के लिए कहा है। यह सुरक्षा का मामला है। सलाहकार की यह टिप्पणी तब आई जब कोलकाता स्थित बांग्लादेश के उप उच्चायोग ने रातोंरात वीजा सेवाओं को बंद कर दिया, जबकि दिल्ली और अगरतला में भी इसी तरह के कदम उठाए गए थे, जिनमें व्यापार और कार्य वीजा को इसके दायरे से बाहर रखा गया था। बांग्लादेश के मुंबई और चेन्नई में भी राजनयिक मिशन हैं, जहां वीजा सेवाएं चालू रहीं। भारत ने सुरक्षा चिंताओं का हवाला देते हुए इससे पहले पांच अगस्त 2024 के बाद बांग्लादेशी नागरिकों के लिए वीजा पर रोक लगा दी थी।

जुलाई-अगस्त 2024 में छात्रों के नेतृत्व में हुए हिंसक प्रदर्शन के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार के गिरने के बाद से बांग्लादेश और भारत के संबंध तनावपूर्ण बने हुए हैं। हुसैन ने पत्रकारों से यह भी कहा कि बांग्लादेश अमेरिका द्वारा हाल में लागू की गई 'वीजा बॉन्ड' की आवश्यकता से छूट प्राप्त करने के लिए राजनयिक प्रयास करेगा।

पाकिस्तान के लिए 14 साल बाद सीधी उड़ानें

ढाका/इस्लामाबाद। पाकिस्तान और बांग्लादेश सुधरते रिश्तों का संदेश देते हुए लगभग 14 साल के लंबे अंतराल के बाद 29 जनवरी को सीधी उड़ानें फिर से शुरू करने जा रहे हैं। मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार के तहत दोनों देशों के बीच राजनयिक संबंधों में एक महत्वपूर्ण बदलाव के साथ ढाका से कराची के लिए उड़ानें आधिकारिक तौर पर शुरू होंगी। ढाका से पहली सीधी उड़ान रात 11 बजे कराची पहुंचेगी और भारतीय हवाई क्षेत्र से होकर यात्रा करेगी। इससे दोनों देशों के लिए यात्रा बहुत आसान हो जाएगी।

'अन'सोशल... मीडिया

दुनिया भर के लिए बड़ी चुनौती

सोशल मीडिया पर अश्लीलता का प्रसार एक गंभीर वैश्विक और राष्ट्रीय चुनौती बन चुका है। नवीनतम रिपोर्टों और शोध के अनुसार, एआई के जरिए डीपफेक और अश्लील सामग्री का निर्माण तेजी से बढ़ा है, जो महिलाओं और बच्चों की गरिमा के लिए बड़ा खतरा बन गया है। सोशल मीडिया मंचों के एल्गोरिदम अक्सर एंगेजमेंट बढ़ाने के लिए आपत्तिजनक और अश्लील कंटेंट को प्रमोट करते हैं, इस वजह से यह सामग्री किशोरों के फॉर यू पेजों तक आसानी से पहुंचती है। कई शोधों में कहा गया है कि इन मंचों का उपयोग करने वाले 11-12 वर्ष के बच्चे भी अश्लील सामग्री के संपर्क में आ रहे हैं। कई देशों में सोशल मीडिया पर बढ़ती अश्लीलता के खतरों को महसूस किया गया है और इस पर रोकथाम के लिए सख्त कदम उठाने की पहल की है। भारत भी इन देशों में से एक है।

बच्चों से बड़ों तक दुष्प्रभाव

- युवाओं में विकृत मानसिकता, अवसाद और वास्तविक संबंधों के प्रति अरुचि पैदा होने जैसे दुष्प्रभाव सामने आ रहे हैं।
- शोधों के मुताबिक समाज में यौन अपराधों और महिलाओं के प्रति संवेदनहीनता बढ़ने का खतरा लगातार बढ़ रहा है।
- बच्चों के समय से पहले वयस्क सामग्री के संपर्क में आने से पारंपरिक पारिवारिक मूल्यों को भी भारी क्षति पहुंच रही है।
- ऐसी सामग्री देखने को लोग अक्सर असुरक्षित वेबसाइटों का प्रयोग करते हैं, जिससे उनकी निजता खतरे में पड़ती है।

वैश्विक शोध

- कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के एक शोध के अनुसार सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री के संपर्क में आने से किशोरों में अवसाद बढ़ रहा है।
- पीईडब्ल्यू रिसर्च सेंटर के मुताबिक अमेरिका के लगभग आधे किशोरों के मानसिक स्वास्थ्य पर सोशल मीडिया का नकारात्मक प्रभाव पड़ा है।

कई देशों में कड़े कानून

- ऑस्ट्रेलिया दुनिया का पहला देश बना जिसने 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है।
- मलेशिया ने भी 1 जनवरी 2026 से 16 साल से उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया प्रतिबंध लागू किया है। आयु सत्यापन अनिवार्य किया है।
- फ्रांस, डेनमार्क और पोलैंड जैसे देश 2026 के शैक्षणिक सत्र से 15-16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए कानून बनाने पर काम कर रहे हैं।
- पूरे यूरोपीय संघ में 2026 तक एक डिजिटल आयु सत्यापन प्रणाली शुरू की जाएगी ताकि नाबालिग अश्लील सामग्री तक न पहुंच सकें।

भारत ने उठाए कदम

- 'आईटी नियम 2021' और बीएनएस के तहत अश्लील सामग्री फैलाने वाले मंचों और व्यक्तियों पर कड़ी सजा का प्रावधान है।
- भारत सरकार ने एक्स, फेसबुक और इंस्टाग्राम जैसे सोशल मीडिया मंचों को अश्लीलता को लेकर सख्त चेतावनी दी है।
- बड़े सोशल मीडिया मंचों के लिए अश्लील सामग्री को पहचानकर हटाने के लिए तकनीक का उपयोग अनिवार्य किया गया है।

इसलिए अश्लीलता को बढ़ावा

- सोशल मीडिया के एल्गोरिदम उस कंटेंट को प्रमोट करते हैं जिस पर लोग ज्यादा समय बिताते हैं। अश्लील कंटेंट क्लिकबेट के रूप में काम करता है।
- कई प्लेटफॉर्म व्यूज के आधार पर पैसे देते हैं। अधिक व्यूज पाने के चक्कर में कंटेंट क्रिएटर्स सनसनीखेज और अश्लील सामग्री का सहारा लेते हैं।
- करोड़ों यूजर्स द्वारा हर सेकंड पोस्ट किए जाने वाले कंटेंट की सटीक निगरानी करना कठिन होता है, जिससे ऐसी सामग्री फिल्टर से बच जाती है।
- सोशल मीडिया कंपनियां, पोर्नोग्राफी से जुड़े लोग, कंटेंट क्रिएटर और साइबर अपराधी अपने स्वार्थों के लिए अश्लीलता को बढ़ावा देते हैं।

वर्ल्ड ब्रीफ

ऑस्ट्रेलिया : बॉन्डी बीच हमले की जांच के लिए बनेगा न्यायिक आयोग

कैनबरा। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज ने सिडनी के बॉन्डी बीच पर हुए आतंकवादी हमले के मद्देनजर गुरुवार को ऑस्ट्रेलिया में यहूदी-विरोधी भावनाओं की तह तक जाने और सामाजिक एकता पर एक न्यायिक आयोग के गठन की घोषणा की है। अल्बानीज ने घोषणा की कि उनकी सरकार एक न्यायिक आयोग गठित करेगी, जो ऑस्ट्रेलिया में जांच का सबसे बड़ा रूप है। इसका नेतृत्व पूर्व हाईकोर्ट न्यायाधीश वर्जीनिया बेल करेंगी। वह दिसंबर के मध्य तक एक रिपोर्ट पेश करेंगी। उन्होंने कहा, मैंने यहूदी समुदाय के नेताओं से मिलने के लिए समय लिया है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि मैं उस भयानक हमले के पीड़ितों और बचे हुए लोगों के कई परिवारों से मिला हूं।

बीएनपी नेता अजीजुर रहमान की ढाका में गोली मारकर हत्या

ढाका। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) के वॉलंटियर विंग स्वेच्छा सेबक दल के नेता अजीजुर रहमान मुसब्बिर की बुधवार रात ढाका के कारवां बाजार इलाके में अज्ञात हमलावरों ने गोली मारकर हत्या कर दी, जबकि तेजगांव थाना वन श्रमिक संघ के महासचिव सुफियान ब्यापारी मसूद को घायल कर दिया। यह घटना देश में होने वाले राष्ट्रीय चुनाव से पहले कानून-व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच हुई। ढाका मेट्रोपॉलिटन पुलिस (तेजगांव जोन) के एसीपी फजलुल करीम के मुताबिक मुसब्बिर को पंथपथ के बीआरबी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन वहां पहुंचते ही उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

साल्ट लेक सिटी में मॉर्मन चर्च के बाहर गोलीबारी, दो की मौत

साल्ट लेक सिटी। अमेरिका के यूटा राज्य की राजधानी साल्ट लेक सिटी में बुधवार को एक गिरजाघर के बाहर हुई गोलीबारी में दो लोगों की मौत हो गई जबकि छह घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह गोलीबारी 'द चर्च ऑफ जीसस क्राइस्ट ऑफ लैटर-डे सेंट्स' के एक सभा भवन के पार्किंग स्थल में हुई। इसे आमतौर पर मॉर्मन चर्च कहा जाता है। उन्होंने बताया कि घटना के समय गिरजाघर के अंदर दर्जनों लोग एक अंतिम संस्कार कार्यक्रम में शामिल हो रहे थे। सभी पीड़ित वयस्क बताए जा रहे हैं। सॉल्ट लेक सिटी के पुलिस प्रमुख ब्रायन रेड ने कहा, हमें नहीं लगता कि यह किसी धर्म या इस तरह की किसी चीज के खिलाफ लक्षित हमला था।

अमेरिका ने छोड़ीं 60 से ज्यादा वैश्विक संस्थाएं

संयुक्त राष्ट्र के निकायों और अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से भी खुद को किया अलग

- सभी संस्थाओं को गैरजरूरी और अमेरिकी हितों के खिलाफ बताया

संयुक्त राष्ट्र/वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र के कई निकायों और भारत-फ्रांस के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) समेत 60 से अधिक अंतरराष्ट्रीय संगठनों से अमेरिका को बाहर निकालने का फैसला किया है। ट्रंप ने इन संस्थाओं को अनावश्यक और अमेरिका के हितों के विरुद्ध बताया।

ट्रंप ने बुधवार को 'संयुक्त राज्य अमेरिका के हितों के प्रतिकूल अंतरराष्ट्रीय संगठनों, सम्मेलनों और संधियों से अमेरिका को बाहर निकालना' शीर्षक वाले एक ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इसके बाद ट्रंप ने कहा कि उन्होंने यह निष्कर्ष निकाला है कि 66 संयुक्त राष्ट्र और गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों का सदस्य बने रहना, उनमें भागीदारी करना या किसी भी रूप में उन्हें समर्थन देना अमेरिका के हितों के विपरीत है। व्हाइट हाउस की ओर से बुधवार को जारी एक पत्र के अनुसार, इनमें 31 संयुक्त राष्ट्र निकाय और 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठन शामिल हैं, जो अमेरिकी राष्ट्रीय हितों, सुरक्षा, आर्थिक समृद्धि या संप्रभुता के विरुद्ध कार्य करते हैं। ट्रंप ने सभी कार्यकारी विभागों और एजेंसियों को निर्देश दिया कि वे इन संगठनों से अमेरिका की वापसी को यथाशीघ्र लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाएं। उन्होंने कहा कि संयुक्त राष्ट्र निकायों के मामले में, कानून द्वारा अनुमेय सीमा तक, इन संस्थाओं में भागीदारी या वित्तपोषण समाप्त करना ही वापसी माना जाएगा।

जिन संगठनों से अमेरिका अलग हो रहा है, उनमें जलवायु परिवर्तन पर भारत और फ्रांस की संयुक्त पहल अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन (आईएसए) भी शामिल है। वर्तमान में आईएसए के 100 से अधिक देश हस्ताक्षरकर्ता हैं और 90 से अधिक देशों ने पूर्ण सदस्य बनने के लिए इसकी पुष्टि की है। संयुक्त राष्ट्र के एक प्रवक्ता ने कहा कि ट्रंप प्रशासन द्वारा जिन संगठनों से अमेरिका को बाहर निकाला जा रहा है, उनकी सूची उन्हें प्राप्त हो गई है, इस पर बृहस्पतिवार को टिप्पणी की जाएगी। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका के राजदूत माइक वॉल्ट्ज ने 'एक्स' पर कहा कि अमेरिका अब उन अंतरराष्ट्रीय संगठनों को न तो वित्तपोषित करेगा और न ही उनमें भागीदारी करेगा, जो अमेरिकी हितों को पूरा नहीं करते या कई मामलों में उनके विरुद्ध हैं।

पहले से ट्रंप के निशाने पर रहा है संयुक्त राष्ट्र

ट्रंप संयुक्त राष्ट्र और उसकी एजेंसियों के तीखे आलोचक रहे हैं। पिछले वर्ष 20 जनवरी को शपथ लेने के कुछ घंटों के भीतर ही उन्होंने पेरिस जलवायु समझौते से अमेरिका को बाहर निकालने का कार्यकारी आदेश जारी किया था, जो उनके पहले कार्यकाल के फैसले की पुनरावृत्ति थी। दूसरे कार्यकाल के शुरुआती हफ्तों में ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में अमेरिका की भागीदारी समाप्त करने, यूनेस्को की सदस्यता की समीक्षा करने और फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एवं कार्य एजेंसी को दी जाने वाली मदद रोकने का आदेश दिया था। पिछले वर्ष सितंबर में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में ट्रंप ने संयुक्त राष्ट्र पर तीखा हमला किया था। कहा था, संयुक्त राष्ट्र अधिकतर मामलों में केवल कड़े शब्दों वाला पत्र लिखता है और फिर कोई कार्रवाई नहीं करता। खोखले शब्द युद्ध का समाधान नहीं करते।

इन संगठनों और निकायों से अमेरिका ने किया किनारा

जिन 35 गैर-संयुक्त राष्ट्र संगठनों और 31 संयुक्त राष्ट्र निकायों से अमेरिका बाहर निकल रहा है, उनमें अंतरसरकारी जलवायु परिवर्तन पैनल, अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन, यूक्रेन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी केंद्र, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक और सामाजिक मामलों का विभाग शामिल हैं। इसके अलावा, संयुक्त राष्ट्र आर्थिक एवं सामाजिक परिषद के तहत अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और कैरेबियाई क्षेत्र, एशिया-प्रशांत तथा पश्चिम एशिया के आर्थिक आयोग, सशस्त्र संघर्ष में बच्चों के लिए महासचिव के विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय, संघर्ष में यौन हिंसा पर विशेष प्रतिनिधि का कार्यालय, शांति निर्माण आयोग और कोष, व्यापार और विकास पर संयुक्त राष्ट्र सम्मेलन, लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण के लिए संयुक्त राष्ट्र इकाई, संयुक्त राष्ट्र जलवायु परिवर्तन रूपरेखा सम्मेलन और संयुक्त राष्ट्र जनसंख्या कोष भी सूची में शामिल हैं।

तेल की आय से सिर्फ अमेरिकी उत्पाद खरीदेगा वेनेजुएला: ट्रंप

- अमेरिकी राष्ट्रपति के दबाव में और झुका वेनेजुएला, चीन को अलग-थलग रखने का मकसद

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुरुवार को कहा कि वेनेजुएला तेल बेचने से होने वाली आय का उपयोग सिर्फ अमेरिकी उत्पादों और सेवाओं को खरीदने के लिए करेगा। ट्रंप ने इसे एक बुद्धिमानी भरे विकल्प के साथ वेनेजुएला और अमेरिका दोनों के लोगों के लिए बहुत अच्छा फैसला बताया है।

ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें सूचित किया गया है कि नए तेल समझौते से प्राप्त धन से वेनेजुएला केवल अमेरिका निर्मित उत्पाद ही खरीदेगा। राष्ट्रपति ने बताया कि इस खरीद में कृषि उत्पाद, दवाएं, चिकित्सा उपकरण और ऊर्जा आपूर्ति वाले उपकरण शामिल होंगे। ट्रंप ने कहा कि यह कदम वेनेजुएला के मुख्य आर्थिक भागीदार के रूप में अमेरिका की स्थिति को और मजबूत करेगा। यह घोषणा ट्रंप के उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि वेनेजुएला तीन से पांच करोड़ बैरल तेल अमेरिका को देगा जिसकी बिक्री से मिला पैसे का प्रबंधन अमेरिकी निगरानी में होगा।

अमेरिकी ऊर्जा मंत्री क्रिस राइट ने पुष्टि की है कि अमेरिका वेनेजुएला के तेल निर्यात की निगरानी करेगा और मौजूदा प्रतिबंधित आपूर्ति के साथ भविष्य के उत्पादन को अमेरिकी रिफाइनरियों और अन्य बाजारों में बेचेगा। दोनों देशों के बीच हुए इस समझौते के तहत लगभग दो अरब डॉलर मूल्य का कच्चा तेल अमेरिका भेजा जा सकता है। यह सौदा तेल की आपूर्ति को चीन को दूर रखने और उत्पादन में कटौती से पैदा हुए दबाव को कम करने में मदद करेगा। ट्रंप ने कहा कि यह समझौता इस बात का प्रमाण है कि वेनेजुएला अमेरिकी तेल कंपनियों को अधिक मौका देने की उनकी मांगों को मान रहा है। उन्होंने पहले ही चेतावनी दी थी कि यदि ऊर्जा क्षेत्र को नहीं खोला गया तो सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मादुरो और सिलिया से गिरफ्तारी के दौरान की गई थी मारपीट

काराकास। वेनेजुएला के गृहमंत्री डियोसडाडो कैबेलो ने दावा किया है कि राष्ट्रपति निकोलस मादुरो और उनकी पत्नी सिलिया फ्लोरेस को उनकी गिरफ्तारी के दौरान चोट लगी थी। कैबेलो ने बुधवार को कहा, सिल्विया को सिर में चोट लगी और उनके शरीर पर मुक्के मारे गए, जबकि मादुरो के पैर में चोट लगी। उन्होंने यह भी दावा किया कि अमेरिकी सेना की सिलिया फ्लोरेस को ले जाने की योजना नहीं थी। उन्होंने कहा, जब वे मादुरो को ले जा रहे थे तो उनका पत्नी सिलिया को ले जाने का कोई इरादा नहीं था, मगर सिलिया ने उनसे कहा, अगर तुम मेरे पति को ले जाओगे, तो तुम्हें मुझे भी ले जाना होगा।

सऊदी अरब का आरोप, यूएई ने यमन के अलगाववादी नेता को देश के बाहर भेजा

- अरब प्रायद्वीप के पड़ोसी देशों के बीच बढ़ा तनाव, यमन में जारी युद्ध में साझेदारी टूटी

दुबई, एजेंसी

सऊदी अरब ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने देशद्रोह के आरोप में वांछित यमन के अलगाववादी नेता को तस्करी कर देश से बाहर भेजा और विमान से अबू धाबी पहुंचाया। इस दावे पर यूएई ने तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इस घटना के बाद अरब प्रायद्वीप के पड़ोसी देशों के बीच तनाव और बढ़ गया है क्योंकि यमन में वर्षों से जारी युद्ध में उनकी साझेदारी टूट गई है।

सऊदी अरब की सेना के एक बयान में दावा किया गया है कि सदर्न ट्रांजिशनल काउंसिल (एसटीसी) के नेता ऐदारौस अल-जुबैदी यमन से नौका के जरिए सोमालिया भाग गए। बयान में कहा गया है कि इसके बाद यूएई के अधिकारी अल-जुबैदी को यूएई की राजधानी अबू धाबी ले गए। संयुक्त अरब अमीरात एसटीसी के नाम से जानी जाने वाली परिषद का प्रमुख समर्थक रहा है, जिसने हाल के दिनों में सऊदी अरब और यूएई के बीच टकराव को जन्म दिया है। यह तनाव तब बढ़ा जब एसटीसी के लड़ाकों ने दो प्रांतों में बढ़त हासिल कर ली और यमन से अलग होने की तैयारी करते दिखाई दिए। सऊदी अरब के मेजर जनरल तुर्की अल-मलकी ने अपने बयान में यूएई के एक मेजर जनरल पर अल-जुबैदी को भागने में मदद करने का आरोप लगाया है। साथ ही, उनका कोड नाम (नोम-दे-गुएर) भी उजागर किया गया, जो खाड़ी अरब देशों के सौहार्दपूर्ण संबंधों के माहौल में बेहद असामान्य बात है।

बयान में यह भी संकेत दिया गया कि अभियान में इस्तेमाल किया गया इल्युशिन इल-76 विमान इथियोपिया, लीबिया और सोमालिया जैसे 'संघर्षग्रस्त क्षेत्रों' में इस्तेमाल किया गया था। ये वही मार्ग हैं जिनके माध्यम से, पूर्व में अमीराती सेना पर हथियारों की तस्करी करने का आरोप लगाया गया है। यूएई ने उन क्षेत्रों में हथियारों की आपूर्ति के आरोपों से इन्कार किया है। यूएई के विदेश मंत्रालय ने इस पर अभी कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। एसटीसी ने भी इस आरोप को तुरंत स्वीकार नहीं किया और बुधवार को कहा कि अल-जुबैदी अदन में ही थे, जहां ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों के खिलाफ गठबंधन करने वाली सेनाएं यमन की राजधानी सना पर विद्रोहियों के कब्जे के बाद से वर्षों से एकत्रित हैं।

यमन में सऊदी के राजदूत मोहम्मद अल-जाबेर ने बताया कि उन्होंने एसटीसी प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात की जो एक दिन पहले रियाद पहुंचा था। उन्होंने अल-जुबैदी की हालिया कार्रवाइयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा, हमने भविष्य में इस तरह से काम करने के तरीकों पर भी विचार किया है।

वेनेजुएला से पूर्ववत रहेंगे आर्थिक संबंध : चीन

बीजिंग। वेनेजुएला की राजनीतिक स्थिति में बदलाव के बावजूद चीन के उसके साथ आर्थिक और व्यापारिक संबंध पूर्ववत रहेंगे। चीन के वाणिज्य मंत्रालय के प्रवक्ता हे याडोंग ने गुरुवार को यह घोषणा की। याडोंग ने कहा कि अमेरिका की वर्चस्ववादी कार्रवाइयां अंतरराष्ट्रीय कानून का गंभीर उल्लंघन करती हैं, वेनेजुएला की संप्रभुता का उल्लंघन करती हैं और लैटिन अमेरिका में शांति और सुरक्षा के लिए खतरा हैं। चीन इसका कड़ा विरोध करता है। याडोंग ने इस बात पर जोर दिया कि चीन और वेनेजुएला के बीच आर्थिक और व्यापारिक सहयोग संप्रभु देशों के बीच एक सहयोग है। यह अंतरराष्ट्रीय कानून के साथ-साथ दोनों देशों के कानूनों द्वारा संरक्षित है और किसी अन्य देश का इसमें हस्तक्षेप देने का कोई अधिकार नहीं बनता है।

दिल के मरीजों के लिए मकड़ी के जहर से बनी दवा

ऑस्ट्रेलिया में शोधकर्ताओं ने शुरू किया 'आईबी409' नामक दवा का परीक्षण

- ऑक्सीजन की कमी से होने वाली कोशिकाओं की मौत रोकने में मददगार साबित होगी ये दवा

सिडनी, एजेंसी

ऑस्ट्रेलियाई शोधकर्ताओं ने दुनिया की सबसे खतरनाक मकड़ियों में से एक के जहर से तैयार दवा का दिल के दौरे और स्ट्रोक मरीजों पर नैदानिक परीक्षण शुरू किया है। ऑस्ट्रेलिया की यूनिवर्सिटी ऑफ क्वींसलैंड (यूक्यू) के अनुसार, 'फेज 1 क्लीनिकल ट्रायल' के दौरान 'आईबी409' नामक दवा की सुरक्षा, सहनशीलता और इसकी सही खुराक का परीक्षण किया जाएगा।

यह एक नई दवा है, जिसे बायोटेक्नोलॉजी कंपनी 'इन्फेंसा बायोसाइंस' ने ऑस्ट्रेलियाई 'फनल-वेब' मकड़ी के जहर में पाए जाने वाले अणु से विकसित किया है। यूक्यू के इंस्टीट्यूट फॉर मॉलिक्यूलर बायोसाइंस के प्रोफेसर ग्लेन किंग ने कहा कि उनकी टीम ने 'एचआई1ए' के साथ 'बेहद आशाजनक' प्री-क्लीनिकल परिणाम प्रकाशित किए हैं। 'एचआई1ए' क्वींसलैंड राज्य के फ्रेजर द्वीप पर पाई जाने वाली फनल-वेब मकड़ी के जहर से प्राप्त प्रोटीन है। किंग ने कहा, हमारा मानना है कि ऑक्सीजन की कमी से होने वाली कोशिकाओं की मौत को रोककर 'एचआई1ए' दिल के दौरे और स्ट्रोक के दौरान हृदय और मस्तिष्क को होने वाले नुकसान को कम कर सकता है। उनकी टीम ने यह साबित कर किया है कि 'एचआई1ए' प्रभावी ढंग से दिल की रक्षा करता है।

इसके बाद एक अन्य अध्ययन में इसका 'प्री-क्लीनिकल' परीक्षण किया गया, जिसमें इलाज के उन वास्तविक हालातों को दोहराया गया, जो असल जिंदगी में मरीजों के सामने आते हैं। इन्फेंसा के सीईओ और यूक्यू के शोधकर्ता प्रोफेसर मार्क स्मिथ ने कहा, यदि 'आईबी409' के पहले चरण और बाद के नैदानिक परीक्षण सुरक्षित और प्रभावी साबित होते हैं तो हम दुनिया भर में हृदय रोग से पीड़ित लाखों लोगों का जीवन सुधार सकते हैं। इन्फेंसा की टीम ने 'एचआई1ए' को 'आईबी409' में बदल दिया है। यह एक सूक्ष्म पेप्टाइड है, जिसे दवा के रूप में विकसित करने के लिए तैयार किया गया है।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 9 जनवरी, शुक्रवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- माघ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, षष्ठी 07 .05 तक तत्पश्चात सप्तमी।

आज का पंचांग

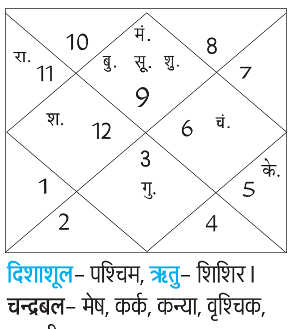

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- शिशिर।
चन्द्रबल- मेष, कर्क, कन्या, वृश्चिक, धनु, मीन।
ताराबल- भरणी, कृत्तिका, रोहिणी, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र- उत्तराफाल्गुनी 13 .40 तक तत्पश्चात हस्त।

मेष - आज विद्यार्थी अपने करियर को लेकर तनाव में आ सकते हैं। विवाहोत्सुक जातकों को प्रस्ताव मिल सकते हैं। विदेशी क्लाइंट्स से आपको शानदार फीडबैक मिल सकता है। अपनी गलतियों को सुधारने का प्रयास करें।

वृष - आज अपने भाग्य को दोष देने के बजाय मजबूती से चुनौतियों का सामना करें सफलता जल्द ही मिलेगी। आध्यात्मिक विषयों के प्रति आपकी जिज्ञासा बढ़ सकती है। आर्थिक कारणों से आपका मन विचलित रहेगा।

मिथुन - आज आपका मन नहीं लगेगा। घर में कोई इलेक्ट्रॉनिक उपकरण खराब हो सकता है। जीवनसाथी आपकी भावनाओं को समझ नहीं पा रहे हैं, लेकिन यदि कहीं आप इसके लिए जिम्मेदार हैं, तो इस मामले को शीघ्रता से सुलझा लें।

कर्क - आज अधीनस्थ कर्मचारी विद्रोही रूख व्यक्त कर सकते हैं। व्यवसाय में आशा से बेहतर परिणाम मिलेंगे। नाराज लोगों को मनाने के लिए दिन बेहतर है। सामाजिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा।

सिंह - आज किसी जरूरी कार्य के बाधित होने के कारण कुंठाग्रस्त हो सकते हैं। छोटे बच्चों या आध्यात्मिक लोगों के साथ समय बिताना लाभकारी होगा। सुख-सुविधाओं पर ज्यादा धन खर्च कर सकते हैं। आपके द्वारा बोला गया झूठ पकड़ा जा सकता है।

कन्या - आज व्यवसाय में नए अनुबंध हो सकते हैं, किंतु काम शुरू नहीं हो पाएगा। इंश्योरेंस और कमीशन आदि से लाभ हो सकता है। आप अपनी जिम्मेदारियों को लेकर काफी संवेदनशील रहेंगे। मानसिक रूप से काफी मजबूत रहेंगे।

तुला - आज मेहनत का उत्तम परिणाम प्राप्त नहीं होगा। कानूनी उलझनों में फंस सकते हैं। बेमतलब के कार्यों में आपका समय बर्बाद होगा। आपको बहुत परिश्रम करने से बचना चाहिए। अनिर्णय की स्थिति उत्पन्न होगी।

वृश्चिक - आज समाज में आपका दबदबा बढ़ेगा। प्रियजनों से आपको उत्तम सलाह व उचित सहायता मिल सकती है। नई जॉब ढूंढ रहे हैं, तो दिन बेहद अनुकूल है। नौकरीपेशा लोगों की आय में वृद्धि हो सकती है। बच्चे माता-पिता की आशाओं पर खरे उतरेंगे।

धनु - आज व्यवसाय में प्रतिस्पर्धा बढ़ सकती है। वैवाहिक जीवन में प्रेम भावनाओं का आधिक्य रहेगा। कृषि कार्यों से जुड़े लोगों के लिए दिन शुभ है। सिर्फ अपने काम पर ध्यान दें। किसी से ज्यादा अपेक्षा न करें, क्योंकि आप जैसा सोचेंगे वैसा होगा नहीं।

मकर - आज कार्यक्षेत्र में आपको कठिन काम सौंपे जा सकते हैं। यात्राओं के कारण स्वास्थ्य समस्या हो सकती है। पुरानी गलतियों का भुगतान करना पड़ सकता है। क्रोध व उत्तेजित प्रतिक्रिया से बचें। धर्म के प्रति मन में शंका हो सकती है।

कुंभ - आज अस्पष्ट बोलने से बचें। आडंबर युक्त व्यवहार के कारण लोग आपकी आलोचना कर सकते हैं। स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वास्थ्य समस्या है, तो तुरंत अपने डॉक्टर से मिलें। सिरदर्द और बुखार की समस्या हो सकती है।

मीन - आज आप जैसी अपेक्षा कर रहे थे काम वैसे ही होंगे। व्यापार में बड़ी डील हो सकती है। नया काम भी शुरू कर सकते हैं। अचानक बड़ा धन लाभ हो सकता है। शुभ समाचार मिलने से उत्साह में वृद्धि होगी। परिवार में सुख-शांति रहेगी।

सुडोकू-27

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

2	5	6		1		7		
9	8	1	3	6				5
		4		2				
3					6			
		2				1		
			7					9
				4		9		
1				7	9	3	6	4
		7		3		5	8	2

सुडोकू - 26 का हल

9	8	6	5	3	2	7	4	1
2	3	4	6	1	7	9	5	8
1	7	5	4	9	8	6	3	2
3	9	1	8	2	6	4	7	5
5	2	8	3	7	4	1	6	9
6	4	7	9	5	1	2	8	3
8	1	2	7	4	5	3	9	6
4	5	3	1	6	9	8	2	7
7	6	9	2	8	3	5	1	4

“मुझे नहीं लगता कि आप एसए20 को आईपीएल के बराबर रख सकते हैं। मेरे लिए आईपीएल गोल्ड स्टैंडर्ड है। और यह हमेशा ऐसा ही रहेगा। मुझे लगता है कि आप आईपीएल से जरूर सीख सकते हैं। हमारे लिए एसए20 निश्चित रूप से एक दीर्घकालीन विजन है।
–जेपी डुमिनी

स्टेडियम

हल्द्वानी, शुक्रवार, 9 जनवरी 2026

अमृत विचार
www.amritvichar.com

हाईलाइट

तिलक वर्मा की हुई सर्जरी, न्यूजीलैंड के खिलाफ खेलना मुश्किल

नई दिल्ली। मंगलवार को राजकोट में बंगाल के ख़िलाफ विजय हजारे ट्रॉफी मुकाबले के बाद दर्द की शिकायत के बाद भारतीय बल्लेबाज तिलक वर्मा के पेट के निचले हिस्से में सर्जरी की गई है। तिलक को तत्काल ही स्कैन कराने की सलाह दी गई जिसके बाद उनकी सर्जरी हुई। अब आने वाले कुछ दिनों में उनके बीसीसीआई सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में रिपोर्ट करने की उम्मीद है। इससे उबरने में और उनकी वापसी की समय का अनुमान उनकी दोबारा जांच के बाद ही लगाया जा सकेगा। तिलक को हुई इंजरी के समय को देखते हुए 21 जनवरी से शुरू हो रही न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ पांच मैचों की टी-20 सीरीज में उनके न खेल पाने की संभावना प्रबल है। वह टी20 विश्व कप का भी हिस्सा हैं।

विक्रम राठौड़ श्रीलंका के बल्लेबाजी कोच बने

कोलंबो। भारत के पूर्व बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को सात फरवरी से शुरू होने वाले टी20 विश्व कप के लिए बृहस्पतिवार को श्रीलंका का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया। भारत और श्रीलंका मिलकर इस विश्व कप की मेजबानी कर रहे हैं। श्रीलंका क्रिकेट ने एक बयान में कहा श्रीलंका क्रिकेट को यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि पूर्व भारतीय बल्लेबाजी कोच विक्रम राठौड़ को श्रीलंका राष्ट्रीय टीम का बल्लेबाजी कोच नियुक्त किया गया है।

डिकॉक का प्रदर्शन महत्वपूर्ण रहेगा: डुमिनी

नई दिल्ली। पूर्व स्टार बल्लेबाज जेपी डुमिनी ने का मानना है कि भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के लिए क्विंटन डिकॉक और मार्को यानसेन जैसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी अहम रहेगा। दक्षिण अफ्रीका में चल रही एसए20 लीग में विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक का बल्ला खूब रन उगल रहा है लेकिन ऑलराउंडर यानसेन ने पिछले कुछ समय में सभी प्रारूपों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। एसए20 लीग के मौजूदा सत्र में 205 रन के साथ डिकॉक फिलहाल दूसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं।

पूनम ने साक्षी को हराकर किया उलटफेर

ग्रेटर नोएडा। युवा विश्व चैंपियनशिप की पूर्व स्वर्ण पदक विजेता पूनम पूनिया ने बृहस्पतिवार को यहां 54 किग्रा वर्ग में गत चैंपियन साक्षी चौधरी को शिकस्त दी जिससे राष्ट्रीय मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहला बड़ा उलटफेर हुआ। रेलवे की 23 वर्षीय मुक्केबाज और अंडर-22 एशियाई चैंपियन पूनम ने आक्रमकता दिखाते हुए साक्षी पर 4-1 के विभाजित फैसले में जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं दो बार की विश्व चैंपियन निकहत जरीन (51 किग्रा) और तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा) ने आराम से सेमीफाइनल में प्रवेश किया। निकहत ने मणिपुर की लांचेनबी चानू को सर्वसम्मत फैसले में हराया जबकि लवलीना ने आंध्र प्रदेश की मौनिका कल्याणम बॉन्थू पर आरएससी (रैफरी द्वारा मुकाबला रोकना) से जीत दर्ज की।

ऑस्ट्रेलिया ने एशेज सीरीज 4-1 से जीती

एशेज ट्रॉफी के साथ पोज देती ऑस्ट्रेलियाई टीम। एजेंसी

सिडनी, एजेंसी

सिडनी टेस्ट

- पांचवें व अंतिम टेस्ट में इंग्लैंड पांच विकेट से हारा
- जैकब बेथेल की 154 रनों की जुझारू पारी काम न आई

संक्षिप्त स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड (पहली पारी)	384/10
ऑस्ट्रेलिया (पहली पारी)	567/10
इंग्लैंड (दूसरी पारी)	342/10
ऑस्ट्रेलिया (दूसरी पारी)	161/5

ऑस्ट्रेलिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद इंग्लैंड के खिलाफ गुरुवार को यहां पांचवें और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच में पांच विकेट से जीत हासिल करके एशेज श्रृंखला 4-1 से अपने नाम की।

पहली पारी में 384 रन बनाने वाली इंग्लैंड की टीम जैकब बेथेल के 154 रन के बावजूद खेल के पांचवें और अंतिम दिन अपनी दूसरी पारी में 342 रन पर आउट हो गई। इस तरह से पहली पारी में 567 रन बनाकर 183 रन की बढ़त हासिल करने वाली ऑस्ट्रेलिया की टीम को जीत के लिए 160 रन का लक्ष्य मिला।

लगातार विकेट गिरने और एक विवादास्पद डीआरएस समीक्षा के बाद तनाव बढ़ता गया, लेकिन एलेक्स कैरी ने विजयी रन बनाकर ऑस्ट्रेलिया को 31.2 ओवर में पांच विकेट पर 161 रन तक पहुंचा दिया। कैरी 16 रन और कैमरन ग्रीन 22 रन बनाकर नाबाद रहे। यह 39 वर्षीय उस्मान ख्वाजा का आखिरी टेस्ट मैच था और इस तरह से उन्होंने जीत के साथ संन्यास लिया। ऑस्ट्रेलिया ने पहले तीन टेस्ट जीतकर एशेज पहले ही अपने नाम सुरक्षित कर ली थी। इंग्लैंड ने मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में जीत हासिल की थी। ऑस्ट्रेलिया ने इस श्रृंखला में प्रत्येक विभाग में अच्छा प्रदर्शन किया। उसकी तरफ से मिचेल स्टार्क ने 31 विकेट लिए। ट्रैविस हेड ने तीन शतक लगाए और कुल 629 रन बनाए जबकि विकेटकीपर एलेक्स कैरी ने 28 शिकार किए। चोटिल पैट कमिंस की अनुपस्थिति में पांच में से चार टेस्ट मैचों में ऑस्ट्रेलिया के कप्तान रहे स्टीव स्मिथ ने व्यक्तिगत योगदान के बारे में कहा यह शानदार रहा है। मुझे लगता है कि हर किसी ने महत्वपूर्ण योगदान दिया। निश्चित तौर पर स्टार्क, हेड और कैरी ने बेहद प्रभावशाली प्रदर्शन किया लेकिन अन्य खिलाड़ियों ने भी श्रृंखला के दौरान अलग-अलग समय पर अच्छा प्रदर्शन किया और यही एक अच्छी टीम की पहचान है। स्टीव स्मिथ (12) के विल जैक्स की गेंद पर आउट होने के बाद ख्वाजा क्रीज पर आए। उस समय ऑस्ट्रेलिया का स्कोर तीन विकेट पर 92 रन था। पिच की ओर जाते समय इंग्लैंड के खिलाड़ियों ने उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया। उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स से हाथ मिलाया।

महिला प्रीमियर लीग का आगाज आज से मुंबई, बेंगलुरु और दिल्ली प्रमुख दावेदार

पहले मैच में शाम 7:30 बजे टकराएंगी मुंबई इंडियंस व रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीमें

नवी मुंबई, एजेंसी

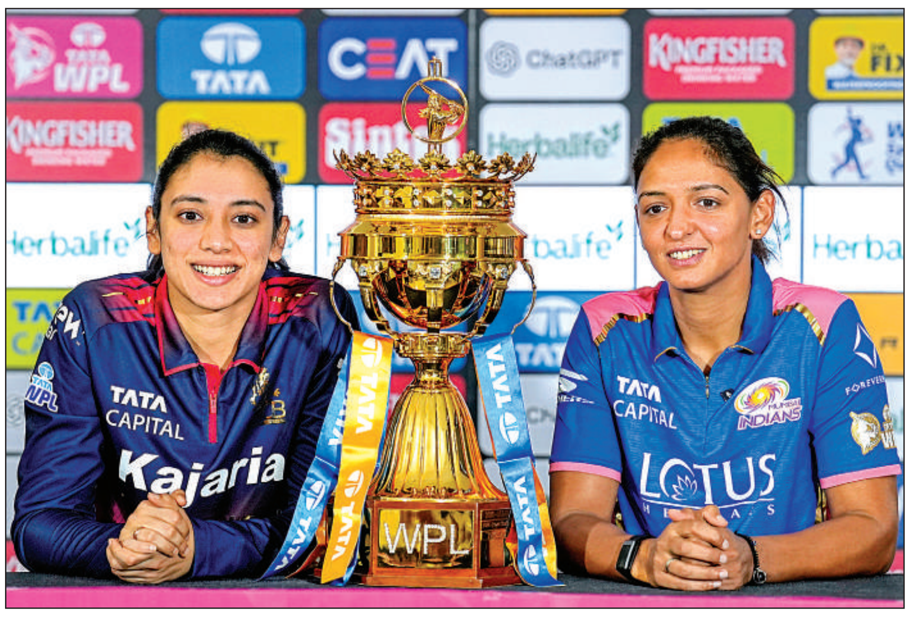

प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान ट्रॉफी के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना व मुंबई इंडियंस की कप्तान हरमनप्रीत कौर।

अपने पहले वनडे विश्व कप की जीत की खुशी में डूबी भारतीय महिला क्रिकेटर शुक्रवार से यहां शुरू हो रही चौथे महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) क्रिकेट टूर्नामेंट से प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करेंगी, जो इस साल इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप की तैयारी की शुरुआत भी होगी।

टूर्नामेंट के पहले मैच में दो बार की विजेता और मौजूदा चैंपियन हरमनप्रीत कौर की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस का सामना डब्ल्यूपीएल में एकमात्र अन्य खिताब जीतने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) से होगा, जिसकी कमान स्टार बल्लेबाज स्मृति मंधाना संभाल रही हैं। चौथी डब्ल्यूपीएल का आयोजन दो चरणों में नवी मुंबई और वडोदरा में किया जाएगा। इसमें युवा खिलाड़ियों को दुनिया भर के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के साथ खेलने का मौका मिलेगा। इससे खिलाड़ियों को जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले टी-20 विश्व कप के लिए अपनी तैयारियों को परखने का भी मौका मिलेगा। कागजों पर देखा जाए तो मुंबई इंडियंस की टीम काफी मजबूत नजर आती है। उसके पास भारतीय कप्तान हरमनप्रीत के अलावा इंग्लैंड की कप्तान नैट साइवर ब्रंट और वेस्टइंडीज की कप्तान हेली मैथ्यूज जैसी अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। मुंबई ने अपने

11 मैचों में से केवल तीन में ही पहले बल्लेबाज़ी करने वाली टीम डब्ल्यूपीएल में डीवाई पाटिल स्टेडियम में जीती हैं

अधिकतर खिलाड़ियों को टीम में बनाए रखा है और किसी भी टीम के लिए उसे हराना एक चुनौती होगी।

न्यूज़ीलैंड की अमेलिया केर, ऑस्ट्रेलिया की मिली इलिंगवर्थ और भारत की भरोसेमंद अमनजोत कौर की मौजूदगी से उसकी बल्लेबाजी अधिक मजबूत हो गई है। शबनिम इस्माइल मुंबई के गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी, जिसमें साइका इशाक भी शामिल हैं। मेग लैनिंग के यूपी वॉरियर्स से जुड़ने के बाद भारतीय बल्लेबाज जेमिमा रोड्रिग्स ने दिल्ली कैपिटल्स की कमान संभाल ली है। दिल्ली की टीम अभी तक तीनों बार फाइनल में पहुंची है लेकिन वह खिताब नहीं जीत पाई। इस बार वह इसमें किसी तरह की कसर नहीं छोड़ना चाहेगी।

टीम

आरसीबी : स्मृति मंधाना (कप्तान), जॉर्जिया वॉल, डी हेमलता/ गौतमी नाईक, ग्रेस हैरिस, ऋचा घोष (विकेटकीपर), नडीन डी क्लर्क, पूजा वस्त्रकर, राधा यादव, श्रेयंका पाटिल, अरुंधति रेड्डी, लॉरेन बेल।

एमआई : हरमनप्रीत कौर (कप्तान), हीली मैथ्यूज, नैट सिवर-ब्रंट, अमीलिया कर, जी कमालिनी (विकेटकीपर) अमनजोत कौर, पूनम खेमनार, एस सजना, संस्कृति गुप्ता, शबनिम इस्माइल, शाइका इशाक।

पिच और परिस्थितियां : नवी मुंबई की परिस्थितियां बल्लेबाजी के अनुकूल रहने की पूरी उम्मीद है और दूसरी पारी में ओस का प्रभाव भी दिख सकता है। तेज गेंदबाज़ों को शुरुआत में मूवमेंट भी मिलती है।

अभ्यास सत्र के दौरान रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की टीम। एजेंसी

हम दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना चाहते हैं डब्ल्यूपीएल इसमें मदद करेगा : मंधाना

नवी मुंबई। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की कप्तान स्मृति मंधाना ने कहा कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम का लक्ष्य सभी प्रारूपों में दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम बनना है और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) इसमें अहम भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि भारत की पहली वनडे विश्व कप में भी डब्ल्यूपीएल का अहम योगदान रहा। हरमनप्रीत के साथ मैच की पूर्व संध्या पर आयोजित संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस में मंधाना ने कहा टी20 विश्व कप जीतना शानदार होगा।

हरमनप्रीत कौर ने कहा कि उन्हें खुशी है कि भारतीय टीम अब बड़े लक्ष्य तय करने लगी है। हम सिर्फ एक विश्व कप जीतकर संतुष्ट नहीं हैं। हमें अभी बहुत क्रिकेट खेलना है और जब भी हम मैदान पर उतरते हैं तो जीत की मानसिकता के साथ उतरना चाहते हैं। उन्होंने कहा यह अच्छा है कि सिर्फ हम ही नहीं बल्कि नई खिलाड़ी भी अब यह बात कर रही हैं कि हम हर बार चैंपियन बनना चाहते हैं। इससे साफ पता चलता है कि डब्ल्यूपीएल का हम पर कितना असर पड़ा है।

विजय हजारे ट्रॉफी के मुकाबले के दौरान पंजाब के खिलाड़ियों को बधाई देते मुंबई के श्रेयस अय्यर, सूर्यकुमार यादव और सरफराज खान। एजेंसी

सरफराज खान ने जड़ा सबसे तेज अर्धशतक

जयपुर, एजेंसी

सरफराज खान ने विजय हजारे ट्रॉफी के सातवें राउंड में पंजाब के खिलाफ लिस्ट ए क्रिकेट में भारत की ओर से सबसे तेज अर्धशतक लगाया। जयपुर के जयपुरिया विद्यालय मैदान पर 217 के लक्ष्य का पीछे करते हुए मुशीर खान और अंगकृष रघुवंशी ने 8.2 ओवर में 57 रनों की साझेदारी करते हुए मुंबई को मजबूत शुरुआत दिलाई। हालांकि मुंबई यह मुकाबला एक रन से हार गई।

अपने भाई के आउट होने के बाद बल्लेबाजी करने आए सरफराज ने आते ही स्पिनरों पर धावा बोल दिया। उन्होंने पंजाब के कप्तान अभिषेक शर्मा के एक ओवर में तीन छक्के और तीन चौके जड़े और इसके बाद उन्होंने बाएं हाथ के स्पिनर हरप्रीत बराड़ के खिलाफ पांच गेंदों में 19 रन बटोर लिए। सरफराज ने महज 15 गेंदों पर अपना अर्धशतक पूरा किया और जब उन्हें मंयक मार्कंडे ने पगबाधा किया तब वह सात चौकों और पांच छक्कों की मदद से 20 गेंदों पर 62 रन बना चुके थे।

इस उपलब्धि के साथ सरफराज खान ने महाराष्ट्र के अभिजीत काले और बड़ौदा के अतीत सेठ के संयुक्त रिकॉर्ड को तोड़ा। काले ने 1995 में बड़ौदा के खिलाफ 16 गेंदों पर अर्धशतक जड़ा था जबकि सेठ ने 2021 में छत्तीसगढ़ के खिलाफ यह कारनामा किया था। यह लिस्ट ए क्रिकेट में चौथा सबसे तेज अर्धशतक है। सबसे तेज अर्धशतक श्रीलंका के कौशल्या वीरारत्ने के नाम है जिन्होंने 2005-06 के सीजन में यह कारनामा किया था। सरफराज इस समय जारी विजय हजारे ट्रॉफी में मुंबई के लिए सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं, उन्होंने छह पारियों में 75.75 की औसत और 190.56 के स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए हैं। सरफराज ने भारत के लिए पिछली बार फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ खेला था।

विजय हजारे ट्रॉफी

यूपी की लगातार पांचवीं जीत

राजकोट। ध्रुव जुरेल ने टूर्नामेंट में दूसरा शतक लगाया, जिसके दम पर उत्तर प्रदेश ने बंगाल को पांच विकेट से मात दी। बंगाल ने 45.1 ओवर में 269 रन बनाए, जिसमें सुदीप कुमार घारामी के 94 और शाहबाज अहमद के 43 रन शामिल थे। जवाब में जुरेल ने 96 गेंद में 123 रन बनाये जिसमें नौ चौके और पांच छक्के शामिल थे। सलामी बल्लेबाज आर्यन जुयाल ने 56 और कप्तान रिंकू सिंह ने नाबाद 37 रन बनाये। उत्तर प्रदेश ने 42.2 ओवर में पांच विकेट पर 272 रन जोड़े।

यौन उत्पीड़न के आरोप में निशानेबाजी कोच पर कार्रवाई

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरोपी अंकुश भारद्वाज को किया गया निलंबित

भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने निशानेबाजी कोचिंग स्टाफ के एक प्रमुख सदस्य अंकुश भारद्वाज को निलंबित कर दिया है, क्योंकि एक नाबालिग निशानेबाज ने उन पर पिछले महीने राष्ट्रीय चैंपियनशिप के दौरान यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया है।

एनआरएआई ने पुष्टि की है कि फरीदाबाद में भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज की गई है। मोहाली निवासी भारद्वाज पर पॉस्को अधिनियम की धारा छह (गंभीर यौन उत्पीड़न) और भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(2) (धमकी देने से संबंधित) के तहत मामला दर्ज किया गया है। एनआरएआई के सचिव राजीव भाटिया ने पीटीआई को बताया एनआरएआई ने उन्हें निलंबित कर दिया है और हम उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी करेंगे। उन्होंने कहा उन्हें नैतिक आधार पर निलंबित किया गया है। अब उन्हें खुद को निर्दोष साबित करना होगा। जांच पूरी होने तक वह किसी भी तरह की कोचिंग गतिविधि से नहीं जुड़े रहेंगे। भाटिया ने कहा कि एनआरएआई ने 2024 में पेरिस ओलंपिक के बाद 37 सदस्यीय कोचिंग टीम में भारद्वाज को स्थान देने की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा एनआरएआई की सिफारिश पर ही भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) ने उन्हें कोच नियुक्त किया था। यह सूरजकुंड में हुई यौन उत्पीड़न की घटना है।

इस बीच खेल मंत्रालय ने कथित अपराध का संज्ञान लेते हुए कहा सभी हितधारकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि जो युवा खिलाड़ी कोच और संबंधित प्रणालियों पर भरोसा करते हैं, उन्हें इस तरह की स्थिति का सामना न करना पड़े।

एचआईएल में तीसरे स्थान पर रही रांची रॉयल्स

रांची। लुसीना वॉन डर हेडे और हन्ना कॉटर के दो दो गोल की मदद से रांची रॉयल्स ने बृहस्पतिवार को यहां महिला हॉकी इंडिया लीग (एचआईएल) के अपने अंतिम मुकाबले में एसजी पाइपर्स को 5-2 से शिकस्त देकर तीसरे स्थान से टूर्नामेंट का समापन किया।

रांची रॉयल्स के लिए लुसीना (दूसरे, 47वें मिनट), हन्ना (55वें, 60वें मिनट) और संगीता कुमारी (24वें मिनट) ने गोल किए।वहीं फाइनल में पहले ही जगह बना चुकी एसजी पाइपर्स की ओर से कप्तान नवनीत कौर ने 10वें और 58वें मिनट में दो गोल दागे। मुकाबले के पहले ही मिनट में रांची रॉयल्स को पेनल्टी कॉर्नर मिला और ड्रैगफ्लिकर लुसीना ने इसे गोल में बदलकर टीम को बढ़त दिला दी। हालांकि एसजी पाइपर्स ने कप्तान नवनीत के गोल से वापसी की जिससे पहला क्वार्टर 1-1 की बराबरी पर रहा।

मलेशिया ओपन

भारत की स्टार खिलाड़ी ने जापान की तोमोका मियाजाकी को हराया, अगला मुकाबला जापान की ही अकाने यामागुची से

सिंधु और सात्विक-चिराग पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

कुआलालंपुर, एजेंसी

भारत की स्टार खिलाड़ी पीवी सिंधु ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली जापान की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की लेकिन पुरुष एकल में भारतीय चुनौती समाप्त हो गई। चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही पूर्व विश्व चैंपियन सिंधु ने आठवीं वरीयता प्राप्त मियाजाकी को 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराया।

क्वार्टर फाइनल में सिंधु का मुकाबला तीसरी वरीयता प्राप्त जापानी खिलाड़ी अकाने यामागुची से होगा, जिन्होंने एक अन्य मैच में चीन की गाओ फांग जी को 21-11, 4-21, 21-17 से हराया। पिछले साल विश्व चैंपियनशिप में दूसरा कांस्य पदक जीतने वाले सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी भी मलेशिया के जुनैदी आरिफ और रॉय किंग याप को 39 मिनट में 21-18 21-12 से हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई। इस तरह से उन्होंने मलेशिया की जोड़ी के खिलाफ अपना रिकॉर्ड 4-0 कर दिया है। सात्विक और चिराग क्वार्टर फाइनल में चीनी ताइपे के चेन झी रे और लिन यू चिएह तथा इंडोनेशिया के फजर अल्फियन और फिकरी मुहम्मद के बीच होने वाले मुकाबले के विजेता से भिड़ेंगे। हालांकि भारतीय पुरुष एकल खिलाड़ी लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा। सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में हांगकांग-चीन के ली चेउक यिउ से 53 मिनट में 22-22, 15-21 से हार गए। शेट्टी को चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त शी यू क्यूई के खिलाफ 70 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 18-21, 21-18, 12-12 से हार का सामना करना पड़ा। तीस वर्षीय सिंधु ने वापसी करने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मियाजाकी के खिलाफ अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इससे जापानी किशोरी के खिलाफ उनका करियर का रिकॉर्ड 2-1 हो गया है।

युगल मुकाबले में सात्विक और चिराग ने शुरू में 6-3 की बढ़त हासिल की और फिर उसे 12-9 तक पहुंचा दिया। मलेशियाई जोड़ी ने लगातार तीन अंक हासिल कर अंतर को कम किया, लेकिन भारतीय जोड़ी ने जल्द ही वापसी करते हुए 16-12 की बढ़त बना ली। जुनैदी और रॉय ने इस बीच एक बार 18-17 से बढ़त बनाई लेकिन सत्विक और चिराग ने लगातार चार अंक हासिल करके पहला गेम अपने नाम कर लिया।

पहले गेम से बढ़त बनाई

सिंधु ने पहले गेम में 5-1 की बढ़त हासिल की और फिर लगातार 13 अंक जीतकर 18-4 की शानदार बढ़त बना ली। इसके बाद उन्होंने पहला गेम आसानी से अपने नाम कर लिया। दूसरा गेम भी काफी हद तक एकतरफा रहा, हालांकि 19 वर्षीय मियाज़ाकी 8-9 से पिछड़ने के बाद कुछ समय के लिए मुकाबले में बनी रहीं। लेकिन सिंधू ने अपने अनुभव का अच्छा इस्तेमाल किया और 17-11 से छह अंक की बढ़त बना ली। इसके बाद उन्हें मैच जीतने में ज्यादा समय नहीं लगा।